ISSN 2349-6614

फरवरी 2025

मूल्य 50 रु

प्रत्यूष

हिन्दी मासिक पत्रिका

शपथ लेते ही महाशक्ति के मुखिया के

आक्रामक फैसले

SK KHETAN GROUP

S.K. Khetan Group
is a business conglomerate with diversified interest in exploration, opencast & underground mining, industrial and civil infrastructure. Having been accredited with ISO 9001:2015, ISO 14001:2015, ISO 45001:2018. the group is actively involved to facilitate end to end solutions in mining and excavation work and turnkey infrastructure development projects including construction of roads, bridges, highways, canals, railways and heavy structure works. Apart from the above the group has successfully set firm footholds in the field of Education and Hospitality.

SKK BLU HOTEL & SPA
UDAIPUR

SKK THE FERN
JAISALMER

NATURE VILLAGE RESORT
PUSHKAR

MOUNT LITERA ZEE SCHOOL
UDAIPUR

M-SAND

AGGREGATES

HUME PIPES

Head Office: SKK Elite, 43-44, I Block, Sector 14, Hiran Magri, Udaipur, Rajasthan 313001
CONTACT: 0294 264 0999

फरवरी 2025 वर्ष: 22 अंक: 10

प्रत्यूष

मूल्य 50 रू
वार्षिक 600 रू

महाशिवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं

'प्रत्यूष' के प्रेरणा स्रोत मात श्रीमती प्रमिला देवी शर्मा एवं तात श्री आनन्दी लाल जी शर्मा
प्रत्यूष परिवार का शत्-शत् नमन चरणों में पुष्प समर्पण

प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी

सम्पादक रेणु शर्मा

विपणन प्रबंधक नितेश कुमार, नंदकिशोर मदन, भूमिका, उषा चन्द्रप्रभा, संगीता

टाइप सेटिंग जगदीश सालवी

सलाहकार मण्डल
गोपाल शर्मा (गोपजी), वैभव गहलोत
पवन खेड़ा, नीरज डांगी
कुलदीप इंदौरा, कृष्णकुमार हरितवाल
धीरज गुर्जर, अभय जैन
लालसिंह झाला, ओम शर्मा
अजय गुर्जर, आदित्य नाग
हेमंत भागवानी, डॉ. राव कल्याणसिंह
अशोक तम्बोली, सुंदरदेवी सालवी

चीफ रिपोर्टर : उमेश शर्मा

जिला संवाददाता
बांसवाड़ा - अनुराग चेलावत
चित्तौड़गढ़ - संदीप शर्मा
नाथद्वारा - लोकेश दवे
डूंगरपुर - सारिका राज
राजसमंद - कोमल पालीवाल
जयपुर - राव संजय सिंह
मोहसिन खान

प्रत्यूष में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, इनसे संस्थापक-प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।

प्रत्यूष
हिन्दी मासिक पत्रिका
प्रकाशक - संस्थापक :
Pankaj Kumar Sharrma
''रक्षाबंधन'', धानमण्डी, उदयपुर-313 001

अंदर के पृष्ठों पर...

आस्था

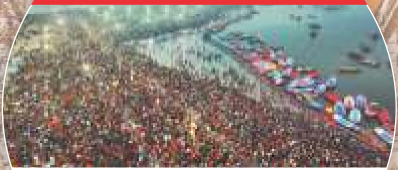

प्रयागराज में श्रद्धा का सैलाब
पेज 08

विरासत

गुम न हो जाएं डाकघर कहीं खो ना जाएं चिट्ठियां
पेज 12

महोत्सव

सृजन और संकल्प का पर्व वसंत
पेज 17

पाटोत्सव

अबूधाबी में स्वामीनारायण मंदिर पाटोत्सव
पेज 18

अलविदा

समानान्तर सिनेमा को नई दिशा दे गए श्याम बेनेगल
पेज 34

कार्यालय पता : 2, 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर (राज)
दूरभाष एवं फैक्स: 0294-2427703 वाट्सएप 9414077697
मोबाइल : 94141-57703(विज्ञापन), वाट्सएप 75979-11992(समाचार-आलेख), 98290-42499(वाट्सएप), 94141-66737
Email:pankajkumarsharma2013@gmail.com, Visit us at: www.pratyushpatrika.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, संस्थापक, स्वामी पंकज शर्मा की ओर से मुद्रक आशीष बापना द्वारा मैसर्स पायोराइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. एम.आई.ए., उदयपुर से मुद्रित तथा 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी उदयपुर से प्रकाशित।

सभी फसलों के लिये लाभदायक खाद
UREA SSP
Zinc+
Zinc+ ZINCATED SSP
NUMBER ONE BRAND
सूर्य किरण
बेहतर गुणवत्ता
फसल उत्पादन में वृद्धि
मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार
Manufactured & Marketed by
PATEL PHOSCHEM LIMITED
Head Office: 413, 414, 415, Urban Square Mall, RIICO Industrial Area, Sukher, Udaipur, Rajasthan - 313001
Umarda Unit: 4827, Umarda Industrial Area, Umarda, Th. Girva, Udaipur (Raj) - 313003
Khemli Unit: 2184, 2875, Village, Khemli, Th. Mavli, Udaipur (Raj) - 313201
Mobile: +91 9166237035
Patel
ENTERPRISES
Manufacturer of fertilizer, Chemical and Synthetic Gypsum Plant & Machineries
Unit Zinc Smelter: Zinc Chauraha, Debari, Udaipur(Raj)
Unit Gudli: Gudli Industrial Area, Udaipur(Raj.)

दिल्ली 'आप' की या उनकी?

दिल्ली में 70 सीटों वाली विधान सभी के लिए 5 फरवरी को मतदान होगा। चुनाव नतीजे 8 फरवरी को आएंगे। दिल्ली में 1 करोड़ 55 लाख 24 हजार 858 मतदाता वोट डालने योग्य हैं, जिनमें 83.49 लाख पुरूष मतदाता और 71.73 लाख महिला मतदाता हैं। कुल 13033 बूथ बनाए गए हैं। अब जनता तय करेगी कि 'आप' को जीत का चौका लगाने दिया जाए या 26 साल बाद भाजपा की सत्ता में वापसी कराई जाए। कांग्रेस भी पिछले कुछ समय से अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी (आप) पर जोरदार हमले बोलते हुए 12 साल बाद मुख्यमंत्री की कुर्सी हथियाने की पुरजोर कोशिश में है। पिछला लोकसभा चुनाव भाजपा को केन्द्र की सत्ता से बाहर करने के लिए सभी दलों ने इंडिया ब्लाक के बेनर तले लड़ा था, जिसमें 'आप' और कांग्रेस भी थे। आज ये दोनों एक दूसरे को नीचा दिखाने व चित करने पर आमादा हैं।

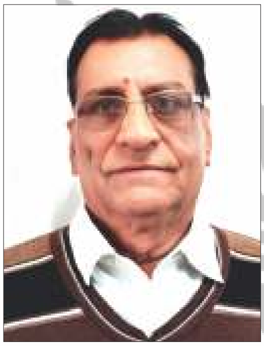

दिल्ली विधान सभा का 1993 का चुनाव भाजपा ने जीता था। इसके बाद 1998, 2003 और 2008 में कांग्रेस सरकार बनी। जब कि 2013, 2015 और 2020 में 'आप' ने चुनाव जीतकर सरकार बनाई।

भाजपा कांग्रेस और आप, तीनों के लिए यह विधानसभा चुनाव 'करो या मरो' की स्थिति वाला है। तीनों पार्टियां चुनाव जीतने के लिए एक के बाद एक लुभावने वादे कर रही हैं। पिछले तीन लोकसभा चुनावों से केंद्र में सरकार बनाने और दिल्ली की सभी संसदीय सीटें लगातार जीतने के बावजूद भाजपा पिछले ढाई दशक से राजधानी के राज्य की सत्ता से दूर है। यही नहीं, दिल्ली नगर निगम में दशकों से कायम उसकी सत्ता भी छिन चुकी है। ऐसे में, इस टीस पर भाजपा इस विधानसभा चुनाव में जीत का मरहम लगाने की पूरी कोशिश करेगी। विधानसभा सीटों के लिहाज से भले कांग्रेस के पास खोने के लिए कुछ भी नहीं, पर उसके आगे सबसे बड़ा सवाल यह है कि लोकसभा चुनाव में आप से गठजोड़ करके उसने राजधानी में वोट प्रतिशत या मतदाता वर्ग में जो अपनी पैठ बनाई है, क्या उसे 'आप' से किनारा कर वह बरकरार रख पाएगी? आम आदमी पार्टी के लिए यह इसलिए बेहद अहम चुनाव है, क्योंकि उसके पास वैकल्पिक राजनीति की जो सबसे बड़ी थाती थी, वह लुट चुकी है। उसके नेताओं पर कथित भ्रष्टाचार के आरोप लग चुके हैं और मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री व मंत्री जेल में बंद भी रहे हैं। पार्टी अब अन्य दलों की तरह गठबंधन और जोड़-तोड़ के रास्ते पर उतर आई है। इस चुनाव में उसकी सफलता-विफलता उसकी अस्मिता से जुड़ी है। कांग्रेस इस बार दिल्ली विधानसभा चुनाव अकेले ही पूरी तैयारी के साथ लड़ने जा रही है। इसके तहत उसने दिल्ली में सरकार बनने पर 300 यूनिट बिजली मुफ्त, 500 रूपए में एलपीजी गैस सिलेण्डर व महिलाओं को हर महीने 2500 रुपए देने की गारंटी के लिए 'प्यारी दीदी योजना' की घोषणा की। यह योजना कर्नाटक में कांग्रेस नीत सरकार द्वारा अपनाए गए मॉडल की तर्ज पर है।

दिल्ली में कांटे की टक्कर कतई आश्चर्य का विषय नहीं है। आम आदमी पार्टी के रूप में वैकल्पिक राजनीति का जो प्रयोग हुआ था, उसने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा था। विगत दस वर्ष से भी ज्यादा समय से पार्टी का यह प्रयोग दिल्ली के साथ पंजाब में भी कामयाब भी रहा है। आम आदमी पार्टी बहुत कम समय में ऐसे मुकाम पर पहुंच गई, जहां पार्टियों को पहुंचने में दशक लग जाते हैं। अत: पार्टी दिल्ली में कतई हारना नहीं चाहेगी और जीत के लिए उसके संघर्ष को स्वाभाविक समझा जा सकता है। उसकी इस कोशिश को समझा जा सकता है कि लोगों को लुभाने में कोई भी पार्टी उससे जीतने न पाए। वैसे आम आदमी पार्टी की व्यापक कवायद यह भी संकेत कर रही है कि उसे भाजपा ही नहीं, बल्कि इस बार कांग्रेस से भी खतरा है। यहां यह कहने में हर्ज नहीं कि इस पार्टी के हाथों से दिल्ली सरकार को छीनना काई चमत्कार ही होगा। दिल्ली में 23 फरवरी से पूर्व सरकार का गठन हो जाएगा। पिछली बार दिल्ली में 8 फरवरी को मतदान हुआ था और 11 फरवरी को परिणाम सामने आए थे। दिल्ली के लोग क्या फैसला करते हैं, यह पूरे देश के लिए महत्वपूर्ण होगा।

चार साल के अंतराल के बाद ट्रंप की फिर वापसी

भारतवंशी कमला अंतिम चरण में पिछड़कर हारी

ओम शर्मा

अमेरिका में 20 जनवरी को 47वें राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रम्प ने शपथ ग्रहण की। उन्हें सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स ने शपथ दिलाई। वे इस पद पर दूसरी बार चुने गए हैं। पिछले वर्ष 5 नवंबर को हुए राष्ट्रपति चुनाव में ट्रम्प को 312, जबकि डेमोक्रेट प्रत्याशी कमला हैरिस को 226 इलेक्टोरल वोट मिले थे। बहुमत के लिए 270 वोटों की जरूरत होती है। इसके साथ ही नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी शपथ ली। वेंस की पत्नी भारतवंशी उषा है। वर्ष 2024 में अमेरिका में कई नाटकीय घटनाक्रम देखने को मिले। इस साल राष्ट्रपति जो बाइडेन ने रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ राष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित बहस में खराब प्रदर्शन के बाद राष्ट्रपति पद के लिए अपनी दावेदारी छोड़ दी थी। इसके साथ ही कड़वाहट और आरोप-प्रत्यारोप से भरे चुनाव प्रचार के दौरान ट्रंप दो बार किए गए जानलेवा हमलों में बाल-बाल बच गए। भारत की ओर से शपथ समारोह में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने प्रतिनिधित्व किया। ट्रंप (78) ने चुनाव में भारतीय मूल की

शपथ समारोह में मौजूद मुकेश व नीता अम्बानी।

कमला हैरिस को हराया। चार साल के अंतराल के बाद उनकी वापसी ने डेमोक्रेटिक पार्टी और इसके लाखों समर्थकों के सपनों को चकनाचूर कर दिया, जो देश में पहली महिला राष्ट्रपति देखने की उम्मीद कर रहे थे। करीब 132 साल पहले राष्ट्रपति पद छोड़ने के चार साल बाद दोबारा इस पद पर काबिज होने वाले ग्रोवर क्लीवलैंड के बाद ऐसी उपलब्धि हासिल करने वाले ट्रंप अमेरिका के दूसरे राष्ट्रपति हैं। बाइडेन प्रशासन के एक अधिकारी ने कहा कि भारत व अमेरिका के संबंध बेहद मजबूत स्थिति में हैं और उम्मीद है कि राष्ट्रपति के तौर पर ट्रंप के आगामी कार्यकाल में द्विपक्षीय संबंधों को द्विदलीय समर्थन मिलता रहेगा। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्वतमान राष्ट्रपति बाइडेन और नव निर्वाचित ट्रंप दोनों के साथ संबंध मजबूत रहे हैं। जून 2023 और सितंबर 2024 के बीच मोदी और बइडेन दोनों ने अपने देशों में एक-दूसरे की मेजबानी की। ये यात्राएं द्विपक्षीय संबंधों की मजबूत प्रगति को रेखांकित करती हैं। जून 2023 में, बाइडेन ने वाशिंगटन में मोदी की राजकीय यात्रा की मेजबानी की और फिर सितंबर में अमेरिकी राष्ट्रपति जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए नयी दिल्ली की यात्रा पर पहुंचे। इसके बाद जून 2024 में दोनों नेताओं की मुलाकात इटली में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान हुई। तीन महीने बाद, मोदी डेलावेयर के विलमिंगटन में बाइडन के घर आयोजित क्वाड नेताओं के चौथे शिखर सम्मेलन के लिए अमेरिका पहुंचे। शिखर सम्मेलन के इतर द्विपक्षीय बैठक के बाद बाइडन ने कहा कि भारत के साथ अमेरिका की साझेदारी इतिहास में किसी भी समय की तुलना में अधिक मजबूत, घनिष्ठ और अधिक गतिशील है। हालांकि रिश्तों में थोड़ा उतार-चढ़ाव भी बना रहा। डेमोक्रेटिक पार्टी के दुर्भाग्य से पिछले चार साल में राष्ट्रपति जो बाइडन का

प्रशासन उन दृष्टिकोणों को अमलीजामा पहनाता हुआ नजर नहीं आया जिनका दावा वह करता रहा है। दुनिया में चल रहे दो-दो युद्धों (गाजा और यूक्रेन) को रोकने की दिशा में भी बाइडन निष्प्रभावी रहे। ट्रंप का सामान्यत: डेमोक्रेट समर्थक समझी जाने वाली अल्पसंख्यक आबादी को बड़ी संख्या में आकर्षित करना अमेरिका की घरेलू राजनीति में बड़ा शिफ्ट है। भारतवंशी डेमोक्रेट प्रत्याशी कमला हैरिस को बाइडन प्रशासन का हिस्सा होने का खमियाजा भी चुकाना पड़ा। जिन गुणों और मूल्यों का वह प्रतिनिधित्व करती रही थीं, बाइडन प्रशासन में आने के बाद उन पर धूल जमती चली गई। मतदाताओं के इस सवाल का उनके पास कोई जवाब नहीं था कि जो वादे वह इस चुनाव में कर रही हैं, उन्होंने पिछले चार साल में उन वादों को क्यों नहीं निभाया। ट्रंप की यह जीत इसलिए भी विशेष है कि इस बार वह 2016 की तुलना में ज्यादा ताकत के साथ आए हैं। पिछले चुनाव के विपरीत इस बार ट्रंप ने इलेक्टोरल कॉलेज का तो विश्वास जीता ही है, बड़ी संख्या में रिपब्लिकन पार्टी के गवर्नर भी चुने गए हैं और सीनेट में भी पार्टी ने स्पष्ट बहुमत हासिल किया है। उन्होंने शपथ लेने के बाद कहा कि अमेरिका अब स्वर्ण युग की तरफ बढ़ेगा।

भारतवंशियों को अहम पद

डोनाल्ड ट्रंप ने अपने प्रशासनिक ढांचे में महत्वपूर्ण पदों पर जो नियुक्तियां की हैं, उनमें भारतीय मूल के लोग भी शामिल हैं। काश पटेल को संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) का और जय भट्टाचार्य को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (एनआईएच) का डायरेक्टर तथा विवेक रामास्वामी को एलन मस्क के साथ सरकार के कार्यक्षमता विभाग (डीजे) का प्रभार दिया गया है। ट्रम्प की कैबिनेट में एडवोकेट हरमीत कौर ढिलों को न्याय विभाग में असिस्टेंट अटॉर्नी जनरल और उद्यमी श्रीराम कृष्नन को कृत्रिम मेधा (एआई) पर वरिष्ठ नीति सलाहकार बनाया गया है। उनके पहले के कार्यकाल में भी भारतवंशी प्रशासन में महत्वपूर्ण पदों पर रहे। इस बार ट्रम्प के फैसले चौंकाने वाले होंगे।

प्रतिद्वन्द्वी कमला हैरिस का राजनैतिक सफर

राष्ट्रपति चुनाव के अन्तिम चरण में ट्रम्प से पिछड़कर पराजित होने वाली डमोक्रेटिक प्रत्याशी निवर्तमान उपराष्ट्रपति कमला हैरिस (59) का जन्म अमेरिका के कैलिफोर्निया शहर के ओकलैंड में हुआ था। उनकी मां श्यामला गोपालन भारतीय-अमेरिकी कैंसर शोधकर्ता थीं जबकि पिता डोनाल्ड हैरिस अफ्रीकी-अमेरिकी मूल के इकोनॉमिक्स के प्रोफेसर थे। उनके नाना पी.वी गोपालन भारत सरकार के संयुक्त सचिव थे। हालांकि कमला जब केवल 7 साल की थी तभी उनके माता-पिता का तलाक हो गया। इसके बाद उनकी मां ने अकेले कमला और छोटी बहन माया की परवरिश की।

- 1990 से 1998 अलमेडा काउंटी की डिप्टी डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी रहीं
- 2004 में डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी, सैनफ्रांसिस्को
- 2010 में अटॉर्नी जनरल, कैलिफोर्निया
- 2011 से 2016 तक फिर कैलिफोर्निया की अटॉर्नी जनरल रहीं
- 2016 में सीनेटर बनने वाली पहली भारतीय अमेरिकी महिला
- 2017 से 2021 तक कैलिफोर्निया की जूनियर यूनाइटेड स्टेट्स सीनेटर रहीं
- 2021 जनवरी में अमेरिकी उपराष्ट्रपति बनीं वे यूएस की पहली

भारतीय मूल के छह लोग पहुंचे प्रतिनिधि सभा

भारतीय मूल के छह अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के लिए चुनाव जीते हैं। निर्वतमान कांग्रेस (अमेरिकी संसद) में इनकी संख्या पांच थी। सभी पांच मौजूदा भारतीय अमेरिकी सदस्यों को प्रतिनिधि सभा के लिए फिर से चुना गया है। भारतीय-अमेरिकी वकील सुहास सुब्रमण्यम ने वर्जीनिया और पूरे ईस्ट कोस्ट से चुने जाने वाले समुदाय के पहले व्यक्ति बनकर इतिहास रच दिया। सुब्रमण्यम ने रिपब्लिकन पार्टी के माइक क्लांसी को हराया। इन्होंने शपथ भी पवित्र हिन्दू ग्रंथ गीता पर ली। श्री थानेदार मिशिगन के 13वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट से लगातार दूसरी बार चुने गए। राजा कृष्णमूर्ति ने इलिनोइस के सातवें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट से लगातार पांचवीं बार जीत दर्ज की है। इसी प्रकार कैलिफोर्निया के 17वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट का प्रतिनिधित्व करने वाले रो खन्ना और वाशिंगटन राज्य के सातवें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट का प्रतिनिधित्व करने वाली प्रमिला जयपाल ने भी जीत दर्ज की। पेशे-से चिकित्सक अमी बेरा 2013 से कैलिफोर्निया के छठे कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट का प्रतिनिधित्व करने वाले भारतीय मूल के सबसे वरिष्ठ अमेरिकी सांसद हैं। उन्हें लगातार सातवीं बार फिर से चुना गया।

प्रयागराज में श्रद्धा का सैलाब

प्रशांत अग्रवाल

मकर संक्रांति 14 जनवरी को प्रयागराज में श्रद्धा का अभूतपूर्व सैलाब उमड़ पड़ा। अवसर था बारह वर्ष के अन्तराल में पड़ने वाले महाकुंभ का। जब सूर्योदय से पूर्व ही सनातन धर्म के ध्वज वाहक 13 अखाड़ों के साधु-संत और नागा सन्यासियों ने संगम में सर्वप्रथम अमृत (शाही) स्नान का आनंद लिया। इसके बाद देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं का सैलाब संगम में उतर गया। जूना अखाड़ा के पीठाधीश्वर आचार्य महामण्डलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी ने मां गंगा का पूजन किया और फिर उन्हे साड़ी अर्पित की। महाकुंभ का औपचारिक आरंभ 13 जनवरी को हो गया। नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर ने भी अन्नपूर्णामार्ग, सेक्टर 18 में 80 हजार वर्ग फीट क्षेत्र में दिव्यांग कल्याण शिविर स्थापित किया है, जिसमें दिव्यांगों की चिकित्सा, ऑपरेशन चयन, सहायक उपकरण व कृत्रिम अंग वितरण, अन्नदान-वस्त्रदान के साथ आम श्रद्धालुओं व साधु-संतों के आवास, भोजन आदि की नि:शुल्क व्यवस्था की गई है। यहां कृत्रिम अंग निर्माण कार्यशाला एवं फिजियोथैरैपी केन्द्र भी बनाया गया है। यह 7वां कुंभ है, जहां संस्थान ने इस प्रकार की सेवाएं श्रद्धालुओं के लिए नि:शुल्क समर्पित की हैं। मकर संक्रांति के स्नान पर्व पर जहां एक ओर नागा संन्यासी आम श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र थे तो वहीं किन्नर अखाड़ा के साधु-संत हर किसी का ध्यान आकर्षित कर रहे थे। जूना अखाड़ा के अमृत स्नान में जब एक-एक कर सभी साधु संत आ गए तो सबसे आखिर में आचार्य महामंडेश्वर डॉ. लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी की अगुवाई वाली किन्नर सेना ज्यों ही नजर आई, जय महाकाल के जयकारे लगने लगे। प्रयागराज में महाकुंभ मेले का इंतजार पूरी दुनिया में रह रहे सनातनियों को बहुत बेसब्री से रहता है चूंकि यह बारह वर्ष बाद आता है और इसकी मान्यता बहुत है। जैसे ही कुम्भ का आयोजन शुरू होता है, तो देश में बड़े स्तर पर हलचल हो जाती है। इस बार भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तरप्रदेश शासन की तैयारी जोरों-शोरों पर अभूतपूर्व थी और सभी कर्मचारियों में बहुत उत्साह था। करोड़ों सनातनी अपनी आस्था को लेकर यहां डुबकी लगाने पहुंचे। कुम्भ सनातन धर्म का प्रतीक माना जाता है। यहां लोग पापों के क्षय और पुण्य की प्राप्ति के लिए आते हैं। वैसे तो अब सभी हिन्दू तीर्थस्थलों पर बहुत भीड़ होती है और यदि कुम्भ की बात करें तो यहां 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालु आने वाले हैं। पिछली बार लगभग 25 करोड़ श्रद्धालु आए थे और उससे पिछली बार 15 करोड़ आए थे। जब देश आजाद हुआ था तो डेढ़ करोड़ आए थे जबकि उस समय संचार की सुविधा भी बेहतर नहीं थी। हर बार की तरह कुम्भ में भीड़ का रिकॉर्ड टूटने को है। बारह वर्ष का युग माना जाता है और एक युग बीतने के बाद गंगा-यमुना के संगम में श्रद्धालु कुंभ स्नान के लिए आते हैं। कुम्भ की उत्पत्ति समुद्र मंथन की पौराणिक कथा से जुड़ी हुई है, जब देवता और असुरों ने मिलकर समुद्र मंथन किया, तब जो अमृत निकला उसको पीने के लिए दोनों पक्षों में युद्ध हुआ, जो 12 दिनों तक चला था। इस दौरान अमृत घट से चार स्थानों पर अमृत छलका। ये स्थान हैं - प्रयाग, हरिद्वार, नासिक और उज्जैन। युद्ध के बारह दिन पृथ्वी पर बारह वर्षों के बराबर थे इसलिए कुम्भ का मेला 12 वर्षों में लगता है। तीन अमृत स्नान क्रमश: पौषपूर्णिमा 13 जनवरी, मकर सक्रांति 14 जनवरी व 29 जनवरी मौनी अमावस्या को हो चुके हैं जबकि बसंत पंचमी 3 फरवरी, माघ पूर्णिमा 12 फरवरी और महाशिवरात्रि 26 फरवरी को शेष हैं। इसके साथ ही महाकुंभ का विसर्जन होगा।

(लेखक नारायण सेवा संस्थान के अध्यक्ष हैं)

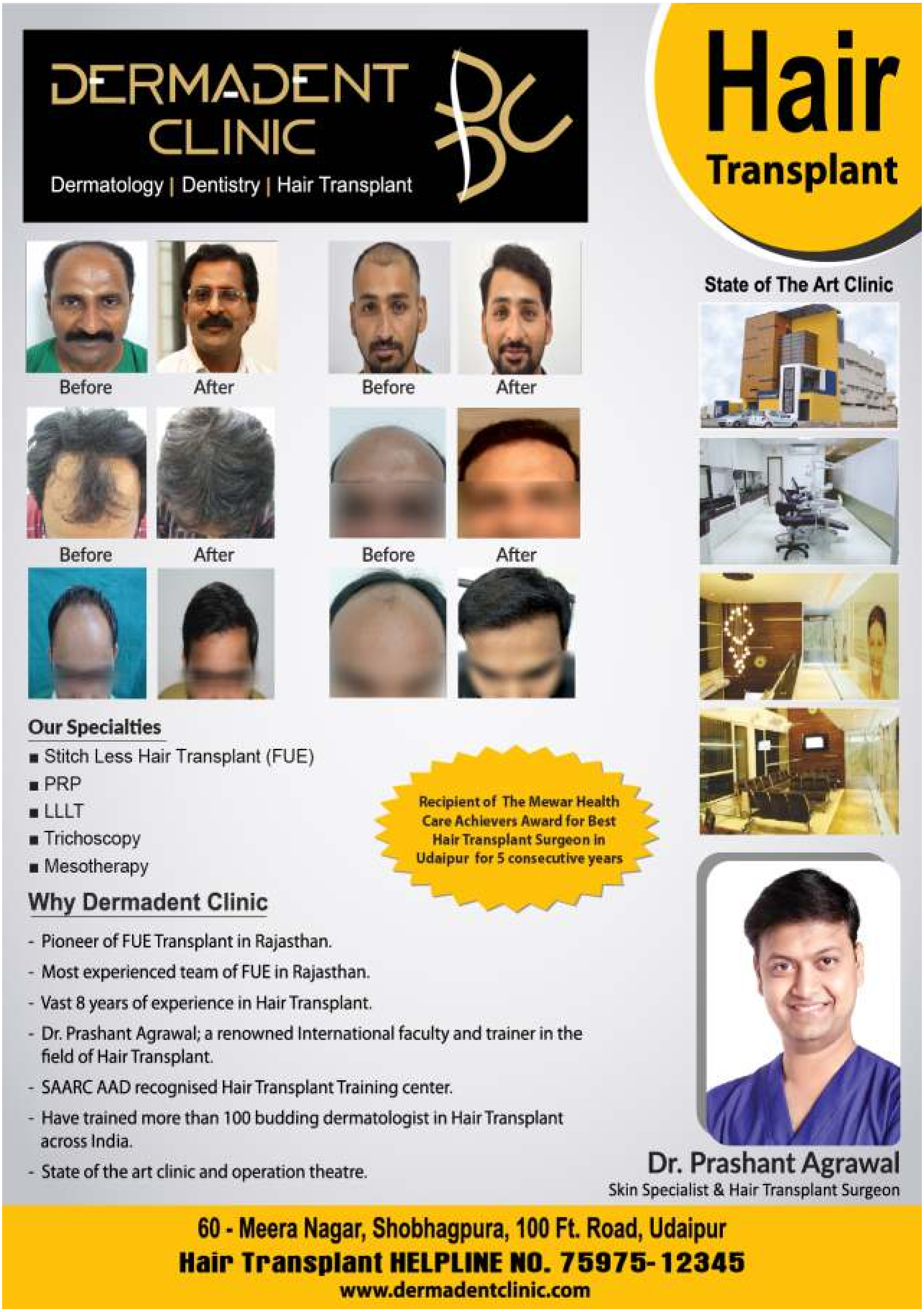
DERMADENT
CLINIC
Dermatology | Dentistry | Hair Transplant
Hair
Transplant
State of The Art Clinic
Before
After
Before
After
Before
After
Before
After
Our Specialties
Stitch Less Hair Transplant (FUE)
PRP
LLLT
Trichoscopy
Mesotherapy
Recipient of The Mewar Health Care Achievers Award for Best Hair Transplant Surgeon in Udaipur for 5 consecutive years
Why Dermadent Clinic
- Pioneer of FUE Transplant in Rajasthan.
- Most experienced team of FUE in Rajasthan.
- Vast 8 years of experience in Hair Transplant.
- Dr. Prashant Agrawal; a renowned International faculty and trainer in the field of Hair Transplant.
- SAARC AAD recognised Hair Transplant Training center.
- Have trained more than 100 budding dermatologist in Hair Transplant across India.
- State of the art clinic and operation theatre.
Dr. Prashant Agrawal
Skin Specialist & Hair Transplant Surgeon
60 - Meera Nagar, Shobhagpura, 100 Ft. Road, Udaipur
Hair Transplant HELPLINE NO. 75975-12345
www.dermadentclinic.com

नाथद्वारा में बाल साहित्य कुंभ

रिपोर्ट: अमित शर्मा

हिंदी को राष्ट्रभाषा का सम्मान दिलाने के प्रति जीवनभर समर्पित रहे साहित्यकार भगवती प्रसाद देवपुरा की एकादश पुण्यतिथि पर नाथद्वारा में उनके द्वारा स्थापित बाल साहित्य मंडल के तत्वावधान में 5-6 जनवरी को राष्ट्रीय बाल साहित्य समारोह आयोजित किया गया। जिसमें बाल साहित्य के मूर्धन्य रचनाकारों को सम्मानित किया गया। उद्घाटन सत्र में बाबू भगवती प्रसाद के लेखन और जीवन दर्शन पर अमरसिंह वधान चंडीगढ़, डॉ. राहुल दिल्ली, डॉ. ज्ञानप्रकाश पीयूष सिरसा और डॉ. रक्षा गोदावत उदयपुर ने आलेख वाचन किया। बाल साहित्य पर डॉ. सत्यनारायण 'सत्य' रायपुर, डॉ. नगेन्द्र मेहता नाथद्वारा, कृष्ण बिहारी पाठक हिंडौन, नरेन्द्र निर्मल भरतपुर, डॉ. विमला महरिया, लक्ष्मणगढ़, रेखा लोढ़ा स्मित भीलवाड़ा, विमला नागला केकडी आदि ने आलेख पढ़े। इस अवसर पर 35 से अधिक बाल साहित्य रचनाकारों को 'बाल साहित्य भूषण' उपाधि से सम्मानित किया गया। दूसरे दिन बाल पुस्तकों व पत्रिकाओं की प्रदर्शनी लगाई गई। कार्यक्रम में डॉ. शारदा प्रसाद दुबे मुम्बई, हरिवाणी कानपुर व उदयपुर की डॉ. क्षमा चतुर्वेदी को साहित्य कुसमाकर, डॉ. चांदकौर जोशी जोधपुर, डॉ. रक्षा गोदावत उदयपुर तथा सुरेश श्रीचंदानी अजमेर को साहित्य सौरभ, डॉ. सरोज गुप्ता जयपुर, अमरसिंह यादव

पुरस्कार ग्रहण करते हुए पत्रकार राजेश वर्मा (पंजाब केसरी)

ग्वालियर, मुकेश ऋषि आगरा, पूर्णिमा मित्रा बीकानेर व शांतिलाल दाधीच भीलवाड़ा को काव्य कौस्तुभ, जय बजाज इंदौर, शिखा अग्रवाल भीलवाड़ा व मंजू शर्मा जोधपुर को काव्य कुसुम, उमाशंकर व्यास बीकानेर व राजेश वर्मा (पंजाब केसरी) उदयपुर को पत्रकारश्री, हिदायत खां नागौर को डॉ. ताराचंद स्मृति सम्मान, प्रो. प्रफुल्ल ठाकुर समस्तीपुर को भगवती प्रसाद स्मृति सम्मान, आनंद प्रजापति मिर्जापुर को डॉ. आर.के. रामन स्मृति सम्मान, डॉ. रागिनी भूषण जमशेदपुर को राजपती देव, स्मृति सम्मान, संगीता पाल कच्छ को अवधनारायण उपाध्याय सम्मान व सुश्री एंजेल गांधी व कुमारी सृष्टिराज मिर्जापुर को गीतादेवी काबरा स्मृति बालश्री सम्मान प्रदान किया गया। समापन सत्र में डॉ. अजय जनमेजय बिजनौर, अरविंद साहू-राय बरेली, गौतम अरोड़ा वाराणसी, डॉ. दयाराम मौर्य प्रतापगढ़, विमला रस्तोगी दिल्ली, अनिल जायसवाल दिल्ली, डॉ. सतीश भगत बनौली, डॉ. मीरासिंह बक्सर, गोविंद भारद्वाज अजमेर, शशि पुरवार नागपुर, डॉ. शैलजा माहेश्वरी अमलनेर, बलदाऊ राम साहू दुर्ग, कन्हैया साहू भाटापारा, डॉ. नरेन्द्रनाथ चतुर्वेदी कोटा, डॉ. श्याम पलट अहमदाबाद, दीनदयाल शर्मा हनुमानगढ़, डॉ. फकीरचंद शुक्ल लुधियाना, डॉ. बंशीधर तातेड़ बाड़मेर, विजय बेशर्म नरसिंहपुर, वंदना सोनी जबलपुर, कालिका प्रसाद सेमवाल, रुद्र प्रयाग व विमल ईनाणी नाथद्वारा को भी विविध सम्मानों से अलंकृत किया गया। समारोह में साहित्यकारों का स्वागत संस्था अध्यक्ष मदनमोहन शर्मा ने तथा संयोजन प्रधानमंत्री श्यामप्रकाश देवपुरा ने किया। भव्य आयोजन में प्रद्युम्न देवपुरा व अरविंद देवपुरा का सहयोग उल्लेखनीय रहा।

मिस्र का प्राचीन ताबीज मिला

इजरायल के मध्य शहर होड हशारोन में तेल काना के प्राचीन स्थल पर एक 12 वर्षीय स्थानीय लड़की को 3500 साल पुराना मिस्र का स्कारब ताबीज मिला है। बीटल जैसे ताबीज में दो बिच्छू सिर से पूछ तक खड़े हैं। मिस्र में बिच्छू का प्रतीक देवी सेर्केट का प्रतिनिधित्व करता है।

चीन में सबसे बड़ा सोने का भंडार

चीन में दुनिया का सबसे बड़ा सोने का भंडार खोजा गया है। हुनान प्रांत के पिंगजियांग काउंटी में मौजूद भंडार में लगभग एक हजार मीट्रिक टन सोना जमा है। यह संख्या दक्षिण अफ्रीका में साउथ डीप खदान में जमा 900 मीट्रिक टन सोने के भंडार को पीछे छोड़ देता है। भूवैज्ञानिकों ने इसका मूल्य लगभग 83 अरब डॉलर आंका है।

रोशनलाल पालीवाल
डायरेक्टर
94603-24836

शुद्ध शाकाहारी भोजन

युधिष्ठिर पालीवाल
हेल्थ इंश्योरेंस स्पेशलिस्ट
93404-71727,
73401-51727

फुल थाली
60/-
रु. मात्र

हमारे यहां सभी प्रकार के शाकाहारी भोजन
व्यवस्था के ऑर्डर लिए जाते हैं।
मीनू सिस्टम भी उपलब्ध है।

पालीवाल शिव भोजनालय
एवं
STAR Health Insurance
स्टार हेल्थ इंश्योरेंस

मोहता पार्क के सामने, पहाड़ी बस स्टैण्ड,
रोडवेज बुकिंग के पास, उदयपुर (राज.)

अब डाकिया कभी-कभी ही दिखता है, पर उसे देखकर चेहरा खिल उठता है। मानो डाकिया नहीं, कोई अनजानी-सी खुशखबरी हो! खत महज खत कहां होते थे? वे ख्यालों, जज्बातों और वाक्यों के दस्तावेज होते थे। दिल यही करता है कि काश लौट आए खतों का वह गुजरा जमाना, जब डाकिया डाक लाता था और हम उसे जल्द-से-जल्द खोलने के लिए बेताब रहते थे...

गुम न हो जाएं डाकघर कहीं खो न जाएं चिट्ठिया

मेघाविनी मोहन

170 साल का हो गया भारतीय डाक-विभाग

सुख–दुःख का संदेशा पहुंचाने वाले, चिट्ठियां–तार–पार्सल–मनीऑर्डर लाने–ले जाने वाले डाकघर और चिट्ठियां कहीं हमेशा के लिए गुम न हो जाएं, डर लगता है। संचार के तमाम तेज साधनों में भी इन जैसी बात कहां? डाक–विभाग की शुरुआत भारत में 1 अक्टूबर 1854 को हुई। पर इसका मतलब यह नहीं कि इससे पहले चिट्ठियां कबूतर ही पहुंचाते थे। भारत में डाक का चलन 1776 में शुरू हो चुका था। 1773 में वारेन हेस्टिंगस भारत के गर्वनर जनरल बने। अगले साल उन्होंने कोलकाता में देश के पहले डाकघर की स्थापना करवाई। जिसने 1854 में डाक विभाग का रूप लिया था।

बचपन की खूबसूरत यादों में एक डाकिया भी है। रोज तय वक्त पर साइकिल से डाकिए का आना, आकर घर की घंटी बजाना, पूरे घर में 'डाकिया आया है' का शोर मच जाना मेरा दौड़ लगा कर बाहर गेट के पास आना, उसके झोले में से किसके नाम क्या निकलेगा– अटकलें लगाना, उसके कुछ पकड़ाने पर भागते हुए घर के अंदर जाना और मम्मी को बताना... कि फलाने की चिट्ठी आई है। कभी अंतर्देशीय, कभी पोस्टकार्ड, कभी बंद-खुले लिफाफे। पापा ऑफिस से घर आकर सबसे पहले पूछते– कोई चिट्ठी आई क्या? जब जवाब 'हां' में होता, तो उनके चेहरे पर मुस्कान आ जाती। उनके हाथ में डाक आने से पहले ही मैं उन्हें डाक का सार बता देती। फिर भी वे अंदर जाकर सबसे पहले डाक ही पढ़ते। वे दिन अब बीत गए, पर याद बहुत आते हैं।

डाक दिवस की शुरूआत

विश्व भर में संचार को बढ़ाने के लिए 9 अक्टूबर 1874 को स्विटजरलैंड में यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन की स्थापना हुई। इसी दिन को 'विश्व डाक दिवस' के तौर पर मनाने की शुरुआत 1969 से हुई। भारत में 10 अक्टूबर को 'राष्ट्रीय डाक दिवस' होता है। 9 से 14 अक्टूबर के बीच भारतीय डाक विभाग 'विश्व डाक सप्ताह' मनता है।

तीन महीनों का इंतजार कि कोई आए और उन्हें ले जाए...

क्या आपको पता है कि जब कोई डाक सही जगह पर नहीं पहुंचती या कोई उसे लौटा देता है, तो वह कहां जाती है? अगर उस पर भेजने वाले का पता लिखा है तो उसके लौटने की संभावना रहती है। अगर नहीं तो फिर वह पहुंच जाती है अपने नए घर। यह नया घर है आरएलओ ऑफिस यानी रिटर्न्ड लेटर्स ऑफिस, जहां तीन महीने रुक कर वह इंतजार करती है कि कोई आए और उसे ले जाए। तीन महीनों तक अगर कोई नहीं आता तो डाक को नष्ट कर दिया जाता है। कुछ ऐसा ही होता है पार्सलों के साथ भी। बस फर्क यह है कि उन्हें ले जाने वाले का इंतजार एक साल तक किया जाता है और कोई नहीं आता, तो सामान की नीलामी कर दी जाती है। इसे डाक नष्ट करने और सामान की नीलामी करने का अधिकार यूं ही नहीं मिला। इंडियन पोस्ट ऑफिस एक्ट, 1898 की धारा 39 में इसे यह अधिकार दिया गया है।

बदल रहा है डाकिए का रूप

स्मार्टफोन, इंटरनेट के जमाने में अब डाकिया और डाक–घर बदल गए हैं। डाक की सेवाएं लेनी भी हो, तो लोग स्पीड पोस्ट और रजिस्ट्री में ज्यादा भरोसा करते हैं। चिट्ठियां

तो अब लोग न के बराबर लिखते हैं, लेकिन आधिकारिक दस्तावेजों के आदान-प्रदान ने अभी भी डाक-विभाग का महत्व बनाए रखा है। कुछ सरकारी नौकरियों की परीक्षाओं के प्रवेश-पत्र, नियुक्ति-पत्र वगैरह अभी भी डाक से आते हैं। रक्षाबंधन पर भी डाकिए का महत्व बढ जाता है। डाकियों की संख्या कम होने से समस्याएं भी हो रही है। वैसे सरकार एक तीर से दो निशाने साधने की कोशिश कर रही है। डाकियों के जरिए लोगों तक बैंक सेवाएं, सरकारी दवाएं या किसानों तक मुफ्त-बीज जैसी चीजें या सुविधाएं पहुंचाने की योजनाएं बनती रहती है। इसलिए सूचना प्रौद्योगिकी की संसदीय समिति ने 'पोस्टमैन' की बजाय डाकिए को 'पोस्ट पर्सन' कहे जाने का सुझाव भी दिया था।

डाकघर नियम और विनियम - 2024 बुक पोस्ट सेवा बंद, रजिस्टर्ड पार्सल से जाएंगी किताबें

भारतीय डाक विभाग ने नए डाकघर एक्ट - 2023 के तहत गत वर्ष 20 दिसंबर को जारी नियम और विनियम 2024 में कुछ सेवाएं बंद कर दी हैं तो कुछ के नाम बदल दिए गए हैं। बुक पोस्ट सेवा को बंद कर दिया गया है। यानी प्रिंटेड बुक, बुक पैकेट्स, सेंपल पैकेट्स अब रजिस्टर्ड पार्सल से ही भेजे जा सकेंगे, जो महंगा हो गया है। पहले एक किलो बुक पोस्ट की कीमत 32 रूपए थी, जब कि रजिस्टर्ड पार्सल से भेजने पर अब 78 रूपए देने होंगे। इस तरह दो किलाग्राम वजन के पैकेट्स पर 45 की बजाए 116 रूपए देने होंगे और पांच किलोग्राम के लिए 229 रू देने होंगे, जब कि पूर्व में मात्र 80रू देने होते थे।

इन सेवाओं का नाम बदला

■ रजिस्टर्ड पार्सल अब पोस्ट पार्सल रिटेल कहलाएगा
■ बिजनेस पार्सल अब पोस्ट पार्सल कॉन्ट्रेक्चुअल बन गया है
■ वीपीपी अब कैश ऑन डिलिवरी (सीओडी) रिटेल कहलाएगी
■ वीपीएमओ अब सीओडीएमओ कहलाएगा

चांदी से बनी दवा जख्म के निशान भी मिटाएगी

पशुओं और इंसानों में कटने, जलने या चोट लगने से हुए घाव जल्द भर जाएंगे। साथ ही घाव का निशान भी नहीं रहेगा।

दरअसल, वैज्ञानिकों ने चांदी के नैनो पार्टिकल्स और हर्बल एसेंसिएल ऑयल को मिलाकर ऐसा फॉर्मूलेशन बनाया है, जो घाव पर पनपे जिद्दी बैक्टीरिया का खात्मा अन्य दवाइयों के मुकाबले जल्द कर देगा। नए साल में यह दवा बाजार में उपलब्ध हो जाएगी। भारतीय पशु चिकितसा अनुसंधान संस्थान आईवीआरआई, बरेली के वैज्ञानिक डॉ. रविकांत अग्रवाल ने बताया कि वर्ष 2022 में आईवीआरआई को दवा तैयार करने का प्रोजेक्ट सौंपा गया था। उन्होंने कहा कि पशुओं के लिए इस दवा को लोशन के साथ ही स्प्रे के फॉर्म में भी बनाया जाएगा, जिससे कि पशुओं पर कुछ दूरी से भी इसका इस्तेमाल किया जा सके।

गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएँ
तारा संस्थान परिवार की ओर से
तारा नेत्रालय, उदयपुर में
RGHS
सुविधा उपलब्ध
सम्पर्क सूत्र : 9549399993
Website : www.tarasansthan.org

‘मौन’ हुए आर्थिक पुनर्जागरण के नायक मनमोहनसिंह

सौम्य, शालीन और मृदुभाषी स्वभाव वाले मनमोहनसिंह भारत में आर्थिक सुधारों का सूत्रपात करने वाले, शीर्ष अर्थशास्त्री और प्रधानमंत्री के तौर पर दो बार सफलतापूर्वक गठबंधन सरकार चलाने वाले कांग्रेस के पहले नेता के रूप में सदैव याद किए जाएंगे।

गोपाल कृष्ण शर्मा

दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक राष्ट्र के 10 वर्षों तक प्रधानमंत्री रहे मनमोहनसिंह को दुनियाभर में उनकी आर्थिक विद्वता तथा कार्यों के लिए सम्मान दिया जाता था। कभी अपने गांव में मिट्टी के तेल से जलने वाले लैंप की रोशनी में पढ़ाई करने वाले सिंह आगे चलकर एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद् बने। उनका जन्म अविभाजित भारत (अब पाकिस्तान) के पंजाब प्रांत के गाह गांव में 26 सितम्बर 1932 को हुआ था। सिंह की 1990 में भारत को उदारीकरण की राह पर लाने के लिए काफी सराहना की गई।

करियर का महत्वपूर्ण मोड़

मनमोहन सिंह के करियर का महतवपूर्ण मोड़ 1991 में नरसिम्हा राव सरकार में भारत के वित्त मंत्री के रूप में उनकी नियुक्ति था। आर्थिक सुधारों की एक व्यापक नीति शुरु करने में उनकी भूमिका को अब दुनियाभर में मान्यता प्राप्त है। बाद में सिंह को भारत के 14वें प्रधानमंत्री के रूप में देश का नेतृत्व करने के लिए चुना गया जब सोनिया गांधी ने इस भूमिका को संभालने से असमर्थता जताई और उनका चयन किया। उनके प्रधानमंत्री रहते विकास और समृद्धि के नए अध्याय लिखे गए। जिनमें माना जाता है कि उनके प्रधानमंत्रित्व काल में देश की आर्थिक वृद्धि सबसे अधिक थी। मनमोहनसिंह ने 3 अप्रेल 2024 को राज्यसभा में अपनी 33 साल लम्बी संसदीय पारी समाप्त की। मनमोहनसिंह नोटबंटी के मुखर आलोचक थे और उन्होंने इसे संगठित और वैध लूट कहा था। प्रधानमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के अंतिम दिनों में सिंह को विवादास्पद मुद्दों पर अपनी सरकार के रिकॉर्ड और कांग्रेस के रूख का बचाव करते देखा गया। सिंह का 26 दिसम्बर को रात्रि 9.51 बजे दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया। उन्हें फेफड़ों में संक्रमण की शिकायत पर दो घंटे पूर्व ही अस्पताल लाया गया था। वे पिछले कुछ समय से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से भी जूझ रहे थे। उनकी आयु 92 वर्ष थी। मनमोहन सिंह हमेशा शांत रहते थे, लेकिन उनका मौन उस वक्त मुखर हो जाता था जब उन्हें बड़े फैसले करने होते थे। वर्ष 2006 में यूपीए-1 सरकार के दौरान अमेरिका के साथ परमाणु समझौता ऐसा ही बड़ा और कड़ा फैसला था। यह ऐसा वक्त था जब एक प्रधानमंत्री के रूप में स्वतंत्र निर्णय लेने की उनकी शक्ति और क्षमता की परीक्षा थी। पूरी सरकार दांव पर लगी थी लेकिन मनमोहनसिंह न झुके न फैसले से डिगे। उन्होंने अमेरिका के साथ परमाणु करार पर दस्तखत किए और वामदलों के सरकार से समर्थन वापस लेने की धमकी के बावजूद उन्होंने अपना कदम पीछे नहीं खींचा।

सम्मान

1987 में देश का दूसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण

1990 और 1994 में वित्त मंत्री के लिए एशिया मनी अवार्ड

1995 में भारतीय विज्ञान कांग्रेस का जवाहरलाल नेहरू जन्म शताब्दी पुरस्कार

सुधारों को आगे बढ़ाने में कभी नहीं हिचके

यही नहीं, सरकार के भीतर अपने सहयोगियों के निर्णय से भी सहमति नहीं होने पर उन्होंने कई बार ऐसा फैसला किया कि सभी चौंक गए। एक बार उनके मंत्रिमंडल के वरिष्ठ सहयोगी अर्जुनसिंह ने शैक्षिक संस्थान के संबंध में कुछ ऐसे निर्णय किए जिस पर विवाद की संभावना थी। मनमोहनसिंह ने सीधे अर्जुनसिंह को पत्र लिखकर सभी फैसलों को रोकने का निर्देश दे दिया। देश में सुधारों की आधारशिला सही मायने में मनमोहनसिंह ने ही रखी थी। जब वे नरसिंह राव मंत्रिमंडल में वित्त मंत्री थे। 24 जुलाई 1991 को बहुत से आर्थिक जगत के जानकार भारत की आर्थिक आजादी का दिन कहते हैं। 30 साल पहले 24 जुलाई को पेश किए गए बजट ने भारत में एक नई खुली अर्थव्यवस्था की नींव रखी थी। लाइसेंस परमिट राज को सही मायने में खत्म करने के बड़े फैसले उनके बजट का हिस्सा थे। जानकारों का कहना है कि एक बड़े अर्थशास्त्री का विजन जो देश में सकारात्मक बदलाव ला सके उसका साक्षत दर्शन मनमोहनसिंह की आर्थिक नीतियों में दिखता था। वे खांटी राजनीतिज्ञ की तरह दांव-पेच में भले ही माहिर न रहे, लेकिन उनकी संवेदनशीलता और देश के लिए बड़े योगदान को विरोधी भी सम्मान से याद करते है। उनका अंतिम संस्कार निगम बोध घाट पर 28 दिसम्बर को पूर्ण राष्ट्रीय सम्मान के साथ किया गया। उनकी तीनों बेटियों ने मुखाग्नि दी। इस मौके पर उनकी पत्नी गुरुशरण कौर सहित रिश्तेदार भी मौजूद थे।

सफरनामा

- 2004–2014 दो बार लगातार देश के प्रधानमंत्री, छह बार राज्यसभा सांसद
- 1998 में नेता प्रतिपक्ष राज्यसभा
- 1991–1996 वित्त मंत्री
- 1991 अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स में भारत के प्रतिनिधि
- 1985–87 उपाध्यक्ष, योजना आयोग
- 1982 भारत के लिए वैकल्पिक गवर्नर, आइएमएफ
- 1982–85 गवर्नर, भारतीय रिजर्व बैंक
- 1976 सचिव, वित्त मंत्रालय में आर्थिक मामलात विभाग
- 1972 मुख्य आर्थिक सलाहकार, वित्त मंत्रालय
- 1971 आर्थिक सलाहकार, विदेश व्यापार मंत्रालय, भारत

डॉ. मनमोहन सिंह उन राजनेताओं में से एक थे, जिन्होंने शिक्षा और प्रशासन की दुनिया में समान रुप से सहजता के साथ काम किया।
द्रोपदी मुर्मू, राष्ट्रपति

देश ने दूरदर्शी नेता और अद्वितीय अर्थशास्त्री खो दिया। उनकी आर्थिक नीति ने भारतीयों के जीवन को गहराई से बदल दिया।
मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस अध्यक्ष

सबसे प्रतिष्ठित नेताओं में से एक डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर देश शोकाकुल है। उन्होंने आर्थिक नीति पर अपनी गहरी छाप छोड़ी।
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

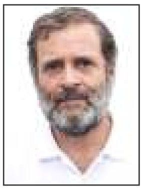

मनमोहन सिंह ने असीम बुद्धिमता और निष्ठा के साथ भारत का नेतृत्व किया। मैंने एक गुरु और मार्गदर्शक खो दिया है।
राहुल गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष

Bhanwar Singh
Director

|| SHREENATH JI ||

Narendra Singh
Director

MGP

TRUST OF PURITY SINCE 1987

Mahaveer
GOLD PALACE

Wholesale Mfrs. of Gold Ornaments

159, Opp. ICICI Bank, Clock Tower, Udaipur (Raj.)
Contact: 9414166511, 9983991311
E-mail: mahaveergoldpalace511@gmail.com

सामाजिक सद्भाव व समानता के पक्षधर संत रविदास

संत रविदास ने जीवन पर्यन्त छुआछूत जैसी कुरीतियों का विरोध करते हुए समाज में व्याप्त तमाम बुराईयों के खिलाफ पुरजोर आवाज उठाई। उन्होंने अपनी सिद्धियों के जरिये समाज में व्याप्त आडंबरों, अज्ञानता, झूठ-मक्कारी और अधार्मिकता का भंडाफोड करते हुए समाज को जागृत करने और नई दिशा देने का प्रयास किया।

योगेश कुमार गोयल

जयंती विशेष

समस्त भारतीय समाज को भेदभाव से ऊपर उठकर मानवता और भाईचारे की सीख देने वाले 15वीं सदी के महान समाज सुधारक संत रविदास का जन्म वाराणसी के गोवर्धनपुर गांव में माघ पूर्णिमा के दिन हुआ था। इस वर्ष माघ पूर्णिमा 12 फरवरी को पूरे देश में उनकी जयंती मनाई जाएगी।

महान संत, समाज सुधारक, साधक और कवि रविदास ने जीवन पर्यन्त छुआछूत जैसी कुरीतियों का विरोध करते हुए समाज में फैली तमाम बुराइयों के खिलाफ पुरजोर आवाज उठाई और उन कुरीतियों के खिलाफ निरंतर कार्य करते रहे। उनका जन्म ऐसे विकट समय में हुआ था, जब समाज में घोर अंधविश्वास, कुप्रथाओं, अन्याय और अत्याचार का बोलबाला था। धार्मिक कट्टपंथता चरम पर थी, मानवता कराह रही थी। ऐसे विकट समय में समाज सुधार की बात करना तो दूर, उसके बारे में सोचना भी मुश्किल था लेकिन जूते बनाने का कार्य करने वाले संत रविदास ने आध्यात्मिक ज्ञान अर्जित करने के लिए समाधि, ध्यान और योग के मार्ग को अपनाते हुए असीम ज्ञान प्राप्त किया और दीन-दुखियों की सेवा में जुट गए।

उन्होंने अपनी सिद्धियों के जरिये समाज में व्याप्त आंडबरों, अज्ञानता, झूठ, मक्कारी और अधार्मिकता का भंडाफोड करते हुए समाज को जागृत करने और नई दिशा देने का प्रयास किया। संत रविदास को भक्त रैदास के नाम से भी जाना जाता है। वे गंगा मैया के अनन्य भक्त थे। उन्हें लेकर 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' कहावत बहुत प्रचलित है। इस कहावत का संबंध संत रविदास की महिमा को परिलक्षित करता है। जूते बनाने के कार्य से उन्हें जो भी कमाई होती, उससे वे संतों की सेवा किया करते और उसके बाद जो कुछ बचता, उसी से परिवार का निर्वाह करते थे। एक दिन वे जूते बनाने में व्यस्त थे कि तभी उनके पास एक व्यक्ति आया और उनसे कहा कि मेरे जूते टूट गए है। इन्हें ठीक कर दो। रविदास उनके जूते ठीक करने लगे और उसी दौरान उन्होंने व्यक्ति से पूछ लिया कि वे कहां जा रहे हैं? उसने जवाब दिया, मैं गंगा स्नान करने जा रहा हूं पर चमड़े का काम करने वाले तुम क्या जानो कि इससे कितना पुण्य मिलता है। इस पर रविदास ने कहा कि आप सही कह रहे हैं, हम लोगों के गंगा स्नान से गंगा अपवित्र हो जाएगी। जूते ठीक होने के बाद व्यक्ति ने उसके बदले उन्हें एक कौड़ी मूल्य देने का प्रयास किया तो संत रविदास ने कहा कि इस कौड़ी को आप मेरी ओर से गंगा मैया को रविदास की भेंट कहकर अर्पित कर देना। व्यक्ति गंगाजी पहुंचा और स्नान करने के पश्चात जैसे ही उसने रविदास द्वारा दी गई मुद्रा यह कहते हुए गंगा में अर्पित करने का प्रयास किया कि गंगा मैया रविदास की यह भेंट स्वीकार करें, तभी जल में से स्वयं गंगा मैया ने अपना हाथ निकालकर व्यक्ति से वह मुद्रा ले ली और मुद्रा के बदले व्यक्ति को एक सोने का कंगन देते हुए वह कंगन रविदास को देने का कहा। सोने का रत्न जड़ित अत्यंत सुंदर कंगन देखकर व्यक्ति के मन में लालच आ गया और उसने विचार किया कि घर पहुंचकर वह यह कंगन अपनी पत्नी को देगा, जिसे पाकर वह बेहद खुश हो जाएगी। पत्नी ने जब वह कंगन देखा तो उसने सुझाव दिया कि क्यों न रत्नजड़ित यह कंगन राजा को भेंट कर दिया जाए, जिसके बदले वे प्रसन्न होकर हमें मालामाल कर देंगे। पत्नी की बात सुनकर व्यक्ति राज दरबार पहुंचा और कंगन राजा को भेंट किया तो राजा ने ढेर सारी मुद्राएं देकर उसकी झोली भर दी। राजा ने प्रेमपूर्वक वह कंगन महारानी के हाथ में पहनाया तो महारानी इतना सुंदर कंगन पाकर इतनी खुश हुई कि उसने राजा से दूसरे हाथ के लिए भी वैसे ही कंगन की मांग की। राजा ने अगले ही दिन व्यक्ति को दरबार बुलाया और उसे वैसा ही एक और कंगन लाने का आदेश देते हुए कहा कि अगर उसने तीन दिन में कंगन लाकर नहीं दिया तो वह दंड का पात्र बनेगा। राजाज्ञा सुनकर उसके होश उड़ गए। वह गहरी सोच में डूब गया कि आखिर दूसरा कंगन वो कहां से लाएगा? उसे जब और कोई रास्ता नहीं सूझा तो उसने निश्चय किया कि वह संत रविदास के पास जाकर उन्हें सारे वाकये की जानकारी देगा कि कैसे गंगा मैया ने स्वयं यह कंगन उन्हें देने के लिए दिया था, जो उसने लोभवश अपने पास रख लिया। अंततः यही सोचकर वह रविदास की कुटिया में जा पहुंचा। रविदास उस समय प्रभु का स्मरण कर रहे थे। व्यक्ति ने जब उन्हें सारे वृतांत की विस्तृत जानकारी दी तो रविदास ने उनसे नाराज हुए बगैर कहा कि तुमने मन के लालच के कारण कंगन अपने पास रख लिया। इसका पछतावा मत करो। रही बात राजा को देने के लिए दूसरे कंगन की तो तुम उसकी चिंता भी मत करो, गंगा मैया तुम्हारे मान-सम्मान की रक्षा करेगी। यह कहते हुए उन्होंने अपनी वह कठौती (चमड़ा भिगोने के लिए पानी से भरा काठ का पात्र) उठाई, जिसमें पानी भरा हुआ था और जैसे ही गंगा मैया का आह्वान करते हुए अपनी कठौती से जल छिड़का, गंगा मैया वहां प्रकट हुई और रविदास के आग्रह पर उन्होंने रत्न जड़ित एक और कंगन उस व्यक्ति को दे दिया। इस प्रकार खुश होकर व्यक्ति राजा को कंगन भेंट करने चला गया और रविदास ने उसे अपने बड़प्पन का जरा भी अहसास नहीं होने दिया। ऐसे महान थे संत रविदास।

सृजन और संकल्प का पर्व वसंत

प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल

वसंत को ऋतुराज कहते हैं। ऋतुराज का अर्थ ही है जिसमें सब कुछ सुशोभित हो। प्रकृति अपने जीवन चक्र में यौवनावस्था में होती है। कालिदास ऋतु संहार में इसको विवेचित करते हुए एक ऐसे वातावरण को प्रस्तुत करते हैं जिसमें आम बौराया है। पुष्प सुगंध बिखेर रहा हैं। सर्वत्र नवलता है। वसंत पंचमी इसी नवलता का स्वागत है। स्वागत प्रकृति के सर्वोत्तम सृजन परख रूप का। पत्ते पुष्प से सुगंधित। नर-नारी उल्लास से भरपूर। इसलिए इस अवसर पर सरस्वती की पूजा का विधान है। ये विद्या और बुद्धि की प्रदाता हैं। संगीत की उत्पत्ति करने के कारण ये संगीत की देवी भी हैं। ऋग्वेद में भगवती सरस्वती का वर्णन करते हुए कहा गया है-
प्रणो देवी सरस्वती वाजेभिर्वाजिनीवती धीनामणित्रयवतु।

अर्थात् ये परम चेतना हैं। सरस्वती के रूप में ये हमारी बुद्धि, प्रज्ञा तथा मनोवृत्तियों की संरक्षिका हैं। भारत में विद्या परंपरा शुष्क युक्ति की नहीं है। केवल तर्क से, युक्ति से, विश्लेषण से विद्या प्रतिष्ठित नहीं होती है। उसे सृजनात्मकता का सहकार्य चाहिए। विज्ञान को कला और कला को विज्ञान का साथ चाहिए। तकनीक को शिल्प और शिल्प को तकनीक चाहिए। इसीलिए श्वेत वस्त्रधारणी, गौरवर्णा सरस्वती वीणा और पुस्तक दोनों धारण करती हैं। कमलासना हैं, हंसवाहिनी हैं। नीर और क्षीर का विवेक जो कर सके, वही विद्यावान है। इसलिए वसंत में सरस्वती की पूजा का तात्पर्य है कि इसका विवेक होना कि जीवन में कितना काम आवश्यक है और कितना तर्क। कितना पदों और संबंधों पर आधारित समाज अपेक्षित है और कितना सृजन धर्मी, संवेदना, संवेग और कमनीयता पर आधारित मानव जीवन। ऐसे में वसंत के स्वागत और उस स्वागत में साहित्य, संगीत और कला की अधिष्ठात्री का पूजन महत्वपूर्ण है। ज्ञात हो कि मां शारदा का प्राचीनतम मंदिर पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में मुज्जफराबाद के निकट पवित्र कृष्णा-गंगा नदी के तट पर स्थित है।

पौराणिक मान्यता है कि स्वयं ब्रह्मा जी ने इस मंदिर का निर्माण कर मां शारदा को वहां स्थापित किया था इसीलिए उस मंदिर को मां शारदा का प्राकट्य स्थल माना जाता है। विद्या और ज्ञान की अधिष्ठात्री के पूजन का यह अवसर इसी प्रकार के सुगम्य, सांगीतिक, युक्ति-प्रयुक्ति की परंपरा स्थापित करने का प्रतीक दिन है। इस महान परंपरा में समकालीन परिदृश्य बड़ा अच्छा नहीं दिख रहा है। जब यह अहमन्यता घर कर जा रही हैं कि हम जो कह रहे हैं वही अंतिम है। हमारी बातें मानी जाती हैं तो लोकतंत्र है। ऐसे में वसंतोत्सव उल्लास का, उत्साह का, नवलता का पर्व नहीं हो सकता है। केवल प्रकृति में नवलता होने से जीवन नया नहीं होता है। जीवन नवल हो, सुवासित हो, समाज समंजित हो, इसके लिए समरसता की जरूरत है। बिना मिले, बिना समरस हुए, एक रस हुए, अलग-अलग बजना और अलग-अलग बोलना संगीत को सृजित नहीं करता है। विविध स्वर जब समन्वित होते हैं, साथ आते हैं तभी संगीत बनता है। समाज जीवन का संगीत भी इससे अलग नहीं हो सकता है। समाज जीवन का संगीत भी इससे अलग नहीं हो सकता है। समाज जीवन का संगीत बिना राष्ट्रीय हितों को सामने रखे हुए सर्वहितकारी और लोक कल्याणकारी नहीं हो सकता है। केवल तर्क से भी सरस समाज नहीं बनेगा, तर्क से तो समाज में यांत्रिकता आएगी और यांत्रिकता होगी तो पूर्जे टकराएंगे। स्वर होगा, लय होगी, कोमलता होगी, तो सामंजस्य बनेगा, सहकार बनेगा। जहां एक ओर वसंत ऋतु मन में उल्लास का संचार करती है, वहीं यह हमें उन वीरों का भी स्मरण कराती है, जिन्होंने देश और धर्म के लिए अपने प्राणों की बलि दे दी। हमें सरस्वती का प्राकट्य दिवस वसंत पंचमी जीवन के महान संकल्पों के दिवस के रूप में मनाना चाहिए।

अबूधाबी में स्वामी नारायण मंदिर पाटोत्सव

अयोध्या में जन्मे संत की दुनिया में हो रही पूजा

मनीष उपाध्याय

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अबूधाबी में बने प. एशिया के सबसे बड़े हिंदू मंदिर स्वामी नारायण का पाटोत्सव इसी माह धूमधाम से मनाया जा रहा हैं। पिछले वर्ष फरवरी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसका उद्घाटन किया था। मंदिर निर्माण के लिए यूएई के राष्ट्रपति ने 27 एकड़ भूमि का निःशुल्क आवंटन किया था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले वर्ष 13-14 फरवरी को अपनी अधिकारिक यात्रा के दौरान अबूधाबी (संयुक्त अरब अमीरात) में बने पश्चिमी एशिया के सबसे बड़े हिंदू मंदिर (स्वामी नारायण) का उद्घाटन किया था, जिसका प्रथम पाटोत्सव इस माह उल्लासपूर्वक मनाया जा रहा है। इस मंदिर के निर्माण के लिए यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने 27 एकड़ भूमि का नि:शुल्क आवंटन किया था। अबू धाबी में यह पहला हिंदू मंदिर है। जो अपनी भव्यता से दुनियाभर के लोगों को आकर्षित कर रहा है।

सर्वधर्म समभाव का प्रतीक

स्वामी नारायण मंदिर संयुक्त अरब अमीरात में सांस्कृतिक विविधता और सहिष्णुता का प्रतीक तो है ही भारत और यूएई के बीच मैत्री प्रगाढ़ता और साझा मूल्यों का भी प्रतीक है। नागर शैलीमें सात शिखर वाले इस मंदिर के निर्माण में सर्वधर्म समभाव का भी अनूठा संयोग रहा है। मुस्लिम शासक ने भूमि दी, चीफ आर्किटेक्ट इसाई थे तो प्रोजेक्ट मैनेजर सिख। फाउंडेशनल डिजाइनर बौद्ध तो निर्माणकर्ता कम्पनी पारसी समूह की थी। जिसके डायरेक्टर जैन समुदाय से थे।। मंदिर परिसर की एक दीवार वॉल ऑफ हार्मोनी का निर्माण दाऊदी बोहरा समुदाय ने करवाया।

छपैया में जन्मे सम्प्रदाय प्रणेता

हिंदू धर्म में कई सम्प्रदाय हैं, जिसमें से एक है स्वामीनारायण संप्रदाय। इस संप्रदाय के संस्थापक भगवान स्वामी नारायण थे, जिनका जन्म 3 अप्रेल 1781 को उत्तरप्रदेश के छपैया (अयोध्या) गांव के सरयूपारीय तिवारी ब्राह्मण हरि प्रसाद पाण्डे-भक्तिदेवी के परिवार में हुआ। बचपन में हरिकृष्ण, नीलकंठ, घनश्याम नाम से भी इन्हें माता-पिता पुकारते थे। स्वामीनारायण जी को सहजानंद स्वामी के नाम से भी जाना जाता है। कहा जाता है कि इनके पैर में कमल का चिह्न देखकर ज्योतिषियों ने कह दिया था कि ये बालक लाखों लोगों के जीवन को सही दिशा देगा।

402 खम्भों का मंदिर

शेख जायद हाइवे पर अल रहबा के समीप स्थित बोचासनवासी श्री अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) द्वारा निर्मित स्वामी नारायण मंदिर के 402 गोलाकार-षट्कोणीय बलुआ पत्थर के खंभों पर उत्कृष्ट नक्काशी है, जिसे राजस्थान (पिंडवाड़ा) और गुजरात के कुशल कारीगरों ने उकेरा है। खंभों पर 25000 से अधिक पत्थर के खण्डे लगे हैं। मंदिर के लिए उत्तरी राजस्थान से 700 से अधिक कंटेनर में दो लाख घनफुट से अधिक बलुआ पत्थर अबूधाबी ले जाया गया। लोहे का कहीं भी इस्तेमाल नहीं हुआ है।

कम उम्र में ही शुरु कर दिया था शास्त्रों का अध्ययन

पांच साल की उम्र में उन्होंने अध्ययन शुरु कर दिया था। आठ साल में जनेऊ संस्कार होते ही, उन्होंने शास्त्रों का अध्ययन करना शुरु कर दिया। बहुत कम समय में उन्होंने कई शास्त्रों का अध्ययन कर लिया था। वे 11 वर्ष की आयु में घर छोड़कर देश भ्रमण पर निकल गए। भ्रमण के दौरान लोगों से मिलते, सत्संग करते और प्रवचन देते। उनकी ख्याति तेजी से फैलने लगी और उनके अनुयायियों की संख्या बढ़ने लगी।

स्वामीनारायण संप्रदाय की स्थापना

कहते हैं कि जगह-जगह ज्ञान और अध्यात्म की अलख जगाने के दौरान वे गुजरात के लोज गांव पहुंचे और यहां उन्होंने स्वामीनारायण संप्रदाय की स्थापना की। स्वामीनारायण संप्रदाय के अनुयायियों के जरिए उन्होंने समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने में अपना योगदान दिया। उन्होंने विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं में राहत कार्य भी चलाए। स्वामीनारायण के इस सेवाभाव के कारण ही लोग उन्हें भगवान का अवतार मानने लगे। भगवान स्वामीनारायण ने अपने शिष्यों को दार्शनिक सिद्धांतों, नैतिक मूल्यों, अनुष्ठान आदि की शिक्षा दी। स्वामीनारायण संप्रदाय में कई गुरु हुए, जिन्होंने भगवान स्वामीनारायण की आध्यात्मिक विरासत को आगे बढ़ाया। वहीं भगवान स्वामीनारायण के तीसरे आध्यात्मिक उत्तराधिकारी शास्त्री जी महाराज ने 1907 में बीएपीएस स्वामीनारायण संस्था की स्थापना की, जिसके द्वारा दुनियाभर में कई मंदिर बनाए। बीएपीएस को कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार भी मिल चुके हैं।

बीएपीएस की गुरु परम्परा

स्वामी केशव जीवनदासजी के नाम से पहचान रखने वाले महंत स्वामी महाराज बीएपीएस के छठे आध्यात्मिक गुरु थे। वे 1933 में मध्यप्रदेश के जबलपुर में जन्में। छात्र जीवन के दौरान ही 1951-52 में वह बीएपीएस संस्था के ब्रह्मस्वरूप शास्त्रीजी महाराज के आध्यात्मिक उत्तराधिकारी योगीजी महाराज के सम्पर्क में आए और उनके साथ आध्यात्मिक यात्राएं शुरु की। 1957 में योगीजी महाराज ने उन्हें पार्षद दीक्षा दी और नाम वीनू भगत रख दिया। 1961 में गढ़दा में बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर के कलश महोत्सव के दौरान योगीजी महाराज ने उनका नाम बदलकर स्वामी केशव जीवनदास रखा और उन्हें दादर (मुम्बई) मंदिर का महंत नियुक्त किया। साल 1971 में योगीजी महाराज के निधन के बाद उन्होंने खुद को पूरी तरह से सम्प्रदाय के प्रमुख स्वामी महाराज के प्रति समर्पित कर दिया। 1971 से महंत स्वामी भारत और विदेशों में यात्रा कर रहे हैं। जुलाई 2012 को अहमदाबाद में वरिष्ठ संतों की उपस्थिति में स्वामी महाराज ने महंत स्वामी को अपना आध्यात्मिक उत्तराधिकारी घोषित किया। 13 अगस्त 2016 को प्रमुख स्वामी महाराज के निधन के बाद महंत स्वामी भगवान स्वामीनारायण की गुणातीत परम्परा में छठे गुरु की भूमिका में आ गए। इस समय महंत स्वामी महाराज भक्तों के लिए आध्यात्मिक मार्गदर्शक हैं और बीएपीएस स्वामीनारायण संस्था की वैश्विक सामाजिक आध्यात्मिक गतिविधियों की देखरेख करते हैं। उनकी प्रेरणा से आस्ट्रेलिया (सिडनी), फ्रांस (पेरिस) और द. अफ्रीका

Subhash Gupta
94141-50585

Vipul Gupta 97827-24531
Harshit Gupta 97824-70240

Me

Monika Enterprises

All Kind of Audio, Video & Electronics Appliances

LED, Ref, A.C., Washing Machine, Home Appliances

Panasonic
SAMSUNG
HAVELLS
TATA Sky

8, Indra Market, Nada-Khada, Bapu Bazar, Udaipur (Raj.)

मन को नियंत्रण में लाए बिना साधना नहीं

मन दैनन्दिन कार्यों के साधने का माध्यम है। मन में रज, तम और सत्व तीनों भाव होते हैं। एक साधक के लिए मन में सत्व भाव का होना जरूरी है। इसके लिए मन पर नियंत्रण आवश्यक है। यह नियंत्रण साधना से आता है।

आनंदमूर्ति गुरुमां

प्रकृति के हर पदार्थ में रजस, तमस और सत्व ये तीन गुण कार्य कर रहे हैं। प्रत्येक मन में इन तीनों गुणों का सामंजस्य है। हालांकि मन में किसी भी समय पर कोई एक ही गुण अधिक क्रियाशील रहता है, लेकिन जब मन में तमोगुण की प्रधानता होती है, तब आलस्य, नींद क्रोध इत्यादि बढ़ जाते हैं। उसकी सोच में घृणा, हिंसा, द्वेष प्रकट होते हैं। जब मन में रजोगुण बढ़ता है, तब मनुष्य का तन अति क्रियाशील हो जाता है और मन की सोच बहुत ज्यादा बढ़ जाती है। राजसिक व्यक्ति का मन अति क्रियाशील होने से द्वेष, द्वंद्व की स्थिति में रहता है और लड़ने-झगड़ने में समय बिताता है। राजसिक मनुष्य की क्रियाशीलता हमेशा ही नकारात्मक नहीं होती, सकारात्मक भी होती है। वह काम कर सकता है, दौड़ सकता है। जिससे शरीर की क्रियाशीलता बढ़ जाती है। ऐसा मनुष्य टिककर नहीं बैठ सकता, कुछ-न-कुछ करता ही रहेगा। इसके विपरीत तामसिक मनुष्य जब भी कुछ करेगा तो गलत ही करेगा। राजसिक मनुष्य संभवत: कुछ सृजन भी करेगा, अच्छा काम भी करेगा। लेकिन तामसिक मनुष्य केवल नकारात्मक कार्य ही करेगा। ऐसे ही जब मन में सत्व गुण का प्रभाव बढ़ता है, तब सात्विकता, पवित्रता, ध्यान, एकाग्रता, सुमिरन जैसे सुंदर भाव प्रकट हो जाते हैं। अगर अपने सात्विक भाव को गहरा करने के लिए साधना करते हैं तो सत्व गुण बढ़ जाएगा। अगर सत्व गुण को

बढ़ाने के लिए साधना नहीं की जाए तो मन में रजस या तमस की अधिकता रहेगी। जब आप किसी महात्मा के सान्निध्य में रहते हैं, तो बिना चाहे या बिना मांगे, आपको उनके ज्ञान की, वैराग्य की, ध्यान की ऊर्जा मिलती रहती है। जैसे मन में तीन गुण होते हैं। ऐसे ही मन के तीन तल होते हैं- चेतन, अवचेतन और अचेतन मन। मनुष्य किसी जन्म में पशु, किसी जन्म में पक्षी, किसी जन्म में मनुष्य रहा है। इन योनियों में दुख, सुख, खुशी, उन्माद, प्रमाद, काम इत्यादि की अनुभूतियों की छाप उसके अचेतन मन पर पड़ी हुई है। करोड़ों जन्मों में आपने जो भी कुछ देखा, जो कुछ चाहा, जो कुछ सुना, उस हर अनुभव के संस्कार बीजरूप से आपके अचेतन मन में हैं। अचेतन मन में अनंत जन्मों के पड़े हुए संस्कार आपके अवचेतन मन को प्रभावित करते हैं और आपका अवचेतन मन आपके चेतन मन पर असर डालता है। मान लीजिए कि आप एक बड़े से टैंक में बहुत-सी-चीजें, जैसे- रसोई का बचा हुआ खाने-पीने का सामान, कपड़े, कूड़ा, कागज, पत्रिका, पुरानी चीजें कोई और कबाड़ डालते जाओ और फिर 20 साल बाद उसे खोलो , तो क्या वे सारी चीजें आपको वैसी ही मिलेंगी जैसी डाली थीं? सब चीजें बिगड़ चुकी होंगी। उनके रूप-रंग बदल गए होंगे। उनमें रसायनिक बदलाव हुआ होगा। आप खुद भी उनको पहचानना चाहो तो पहचान नहीं पाओगे। यही हालत हमारे अचेतन मन में जन्मों-जन्मों से पड़े संस्कारों की है कि सीधे आप खुद भी उन्हें पहचान नहीं पाओगे। अनंत जन्मों में आपकी पंच ज्ञानेंद्रियों और पंच कर्मेंद्रियों द्वारा भोगे और महसूस किए अनुभवों की स्मृति अचेतन मन में है और उसी का प्रभाव आपके चेतन मन पर आता है। मनुष्य संसार की दौड़ से बचने के लिए आध्यात्मिक प्रवचन सुनता है। उस पर अमल करने की कोशिश करता है, पर अमल होता नहीं, क्योंकि अचेतन मन में जा चुके संस्कार इतने प्रभावशाली होते हैं कि गुरु का सुना हुआ ज्ञान, पढ़े हुए ग्रंथ ये सब नाकाम हो जाते हैं। इन कारणों से मनुष्य कभी-कभी बहुत ग्लानि में चला जाता है।

दुखी होता है, परेशान भी होता है कि हम क्यों नहीं अच्छे साधक हो सकते ? हम क्यों नहीं अच्छे शिष्य बनते ? हम क्यों गलती करते हैं? व्यक्ति ये सब सोचकर मन में बहुत पीड़ित भी होता रहता है। साधना करने की इच्छा होते हुए भी कर नहीं पाता है। इसके पीछे कारण यह है कि आपके संस्कार और मन में प्रधानरूप से होने वाले रजोगुण और तमोगुण। रजोगुण और तमोगुण को नियंत्रित करने के लिए, सत्वगुण को बढ़ाने के लिए, मन की अशुद्धियों को और कुसंस्कारों को दूर करने के लिए दो चीजें जीवन में ले आएं – पहली है हठयोग के अनुसार यौगिक जीवन का अनुसंधान और राजयोग की समझ, दूसरी चीज है कर्मयोग के अनुसार आचरण। हठयोग में यम–नियम का पालन अस्तेय, अपरिग्रह, अचौर्य, शौच मतलब तन और मन की शुद्धि, सत्य वचन, अपरिग्रह मतलब चीजों को इकट्ठा न करना आदि आते हैं। अपने जीवन में तपस्या को लाएं।

आप संकल्पपूर्वक सुबह चार बजे उठ जाओ तो यह भी तप है। गुरु की आज्ञा का पालन करना भी तप है। निष्काम सेवा करना तप है।

जिस कर्म में प्रसन्नता और किसी पुरस्कार की अपेक्षा नहीं, भय या लोभ के बिना जिस कर्म को करें, उसे सेवा कहते हैं, कर्मयोग कहते हैं। इस कर्मयोग के आचरण से आपके मन में सत्वगुण बढ़ता है। परंतु अचेतन गन में भय, क्रोध, लोभ इत्यादि के जो संरकार पड़े हैं, उनका क्या करें ? ये तो ऐसे बीज हैं, जहां से फसलें निकलती ही रहेंगी। आप जब तक जड़ नहीं काटोगे, तब तक पेड़ तो बढ़ता ही रहेगा। शरीर मन का ही स्थूल रूप है और मन शरीर का सूक्ष्म रूप है। आसन, प्राणायाम होते तो शरीर के द्वारा ही हैं, पर उनका प्रभाव सीधे आपके मन पर आता है। यह बात अच्छे से समझिए कि अनियंत्रित, असंयमित मन कभी साधक नहीं हो सकता। इसलिए अगर मन में रजोगुण–तमोगुण ज्यादा हैं, तो उनको ठीक करने के लिए संकल्पबद्ध होकर साधना करिए।

प्रत्यूष

राजस्थान से रहा खास जुड़ाव

मनमोहन के फैसलों ने देश को दी नई दिशा

पंकज कुमार शर्मा

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की छवि एक अर्थशास्त्री प्रधानमंत्री के रूप में रही है, लेकिन अपने दस साल के कार्यकाल में उन्होंने प्रभावी नीतियों के जरिये न सिर्फ देश की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाया, बल्कि ऐसे कानून भी पारित किए, जो देश के विकास में मील का पत्थर साबित हुए। डॉ. सिंह आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके लिए फैसले आज भी बेहद प्रासंगिक हैं।

कक्षा 6-14 साल तक के बच्चों को अनिवार्य शिक्षा के लिए शिक्षा का अधिकार कानून हो या फिर भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ाई के लिए सूचना का अधिकार कानून। ये दोनों महत्वपूर्ण कानून यूपीए-1 के दौरान पारित किए गए। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में 100 दिन के रोजगार की गारंटी देने वाली योजना नरेगा, जो आज मनरेगा के नाम से जानी जाती है, वह मनमोहन सिंह की दूरगामी सोच का ही नतीजा है। कोरोना महामारी के दौरान जब कहीं कोई काम नहीं था तो शहर से गांवों में लौटे करोड़ों लोगों के लिए यह योजना जीविका का आधार बनी। इस प्रकार आपदाओं से निपटने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अधिनियम बनाना, महिलाओं के खिलाफ होने वाली घरेलू हिंसा से निपटने के लिए कानून, भ्रष्टाचार के खिलाफ लोकपाल कानून, जजों की नियुक्ति के लिए कानून बेहद महत्वपूर्ण थे। हालांकि जजों की नियुक्ति वाला कानून बाद में सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया था, लेकिन बाकी सभी कानून आज बेहद महत्वपूर्ण बने हुए हैं तथा उनका समाज पर व्यापक प्रभाव हुआ है। यूपीए शासन में शुरू की गई कई अन्य योजनाएं जैसे भारत निर्माण, जवाहरलाल नेहरू रिन्यूवल मिशन, ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन, अनिवार्य विवाह पंजीकरण, जेंडर बजटिंग ऐसे प्रयास थे, जिन्होंने समाज में व्यापक बदलाव किए तथा देश की प्रगति में सहायक बने। उस समय सत्ता को नजदीक से देखने वाले विशेषज्ञ कहते हैं कि सिंह नए विधेयकों पर होने वाली बैठकों में स्वयं हिस्सा लेते थे तथा उनसे जुड़े हर पहलू पर पहले स्वयं मंथन करते थे। उसके बाद आगे की प्रक्रिया शुरू होती थी। सिंह का मानना था कि प्रभावी कानून देश की प्रगति में महत्वपूर्ण बदलाव लाते हैं। मनमोहन सिंह का राजस्थान से भी गहरा जुड़ाव रहा और इसी क्रम में उनका दो बार उदयपुर भी आना हुआ था। इसी दौरान उनसे मुलाकात में संगठन के साथ उदयपुर के विकास को लेकर चर्चा हुई। वे पहली बार 8 सितंबर 2005 को उदयपुर आए थे जहां ब्रिटेन के प्रधान मंत्री टोनी ब्लेयर के साथ उनकी अन्तरराष्ट्रीय व्यापार, जलवायु परिवर्तन, वैश्विक शांति-सहयोग और आर्थिक विकास जैसे मुद्दों पर होटल उदय विलास में विशेष शिखर वार्ता हुई थी। उदयपुर की उनकी दूसरी यात्रा 21 जुलाई 2006 को पूर्व विदेश सचिव और विद्याभवन सोसायटी के अध्यक्ष जगत मेहता के आमंत्रण पर थी। विद्याभवन सोसायटी के संस्थापक डॉ. मोहन सिंह मेहता के पुत्र एवं पूर्व विदेश सचिव जगत मेहता और डॉ. मनमोहन सिंह घनिष्ट मित्र थे। विद्याभवन प्लेटिनम जुबली समारोह में मुख्यअतिथि मनमोहन सिंह ने डॉ. मोहन सिंह मेहता के शिक्षा में योगदान की चर्चा करते हुए विद्याभवन में दी जाने वाली शिक्षा को वैज्ञानिक सोच और मानवतावाद से प्रेरित बताया। यहां उन्होंने उदयपुर की झीलों और पहाड़ियों के संरक्षण पर विशेष कार्ययोजना बनाने की जरूरत पर जोर देते हुए शहर के प्राकृतिक सौन्दर्य, और इतिहास की प्रशंसा करते हुए महाराणा प्रताप को याद किया। प्रधानमंत्री बनने के कुछ दिन बाद तक डॉ. सिंह जयपुर स्थित विकास अध्ययन संस्थान (आईडीएस) के चेयरमैन भी रहे। वे 22 नवम्बर 2002 से 14 जून 2004 तक इस पद पर रहे। उनके समय में संस्थान ने आर्थिक नीति, जल नीति और कमजोर वर्ग के कल्याण के लिए समावेशी नीति पर काम किया।

डॉ. मनमोहन सिंह ने संसद में आखिरी बार राजस्थान का प्रतिनिधित्व किया। 19 अगस्त 2019 से 3 अप्रेल 2024 तक वे राजस्थान से राज्यसभा सांसद रहे। वे प्रदेश में 2003 के विधानसभा चुनावों में टिकट वितरण के लिए गठित कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी के चेयरमैन भी रहे।

JKsuper
— cement —
BUILD STRONG
JKsuper
— cement —
BUILD STRONG
Toll Free No.:
1800-266-4606
JKcement
JKsuper
JKcement
Happy
REPUBLIC DAY
26th of January

कांग्रेस के नए मुख्यालय में आज़ादी से अब तक की गाथा

मनमोहन सिंह के नाम पर पुस्तकालय समर्पित

नई दिल्ली (प्रब्यू) अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के दिल्ली में कोटला रोड पर नए मुख्यालय भवन का उद्घाटन कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने किया। इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी सहित तमाम वरिष्ठ नेता मौजूद थे। पूर्व में कांग्रेस का कार्यालय अकबर रोड पर था।

पांच मंजिला और ग्राउंड फ्लोर वाली यह कॉर्पोरेट शैली की आधुनिक इमारत पार्टी के 140 साल के गौरवशाली इतिहास को दर्शाती है। इसमें दुर्लभ तस्वीरें, पार्टी के ऐतिहासिक क्षणों, फैसलों और नेताओं के विचारों को दर्शाया गया है। इमारत की दीवारों पर आजादी से लेकर वर्तमान तक का इतिहास छपा है। कार्यालय में प्रवेश करते ही कांग्रेस के प्रथम अध्यक्ष व्योमकेश चंद्र बनर्जी व वर्तमान अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की तस्वीरें हैं। हर मंजिल पर महात्मा गांधी, जवाहर लाल नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री, सरदार पटेल, सुभाष चंद्र बोस, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, नरसिम्हा राव, सोनिया गांधी, मनमोहन सिंह जैसे नेताओं की तस्वीरें व इतिहास की जानकारी लिखी है। भवन के इंटीरियर डिजाइन में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा की खास भूमिका रही है। उन्होंने सुनिश्चित किया कि इमारत आधुनिक हो, लेकिन इसमें कांग्रेस के इतिहास और विचारधारा की झलक भी बनी रहे।

महत्वपूर्ण पलों की झलकियां

भवन में कांग्रेस के सभी प्रधानमंत्रियों और उनके कार्यकाल की उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया है। कांग्रेस के ऐतिहासिक सत्रों की झलकियां, जैसे 1885 का पहला अधिवेशन और आजादी के आंदोलन के दौरान लिए गए फैसले भी देखे जा सकते हैं। इस भवन को बनने में बारह साल लगे। इसका शिलान्यास तत्कालीन प्रधानमंत्री सरदार मनमोहन सिंह ने किया था। उनके नाम पर भवन में पुस्तकालय स्थापित किया गया है।

From **Publishing** to Nursing **Edtech** to **NNL Academy**

The Next Level of Nursing Education

A Legacy of Publishing
CBS Nursing Books

Setting a benchmark in healthcare knowledge, CBS continues to provide quality educational resources that generations of medical professionals trust...

Scan here to explore our catalogue

Shaping Tomorrow with Nursing Ed-Tech
NNL One

Bringing CBS's legacy to the digital world, NNL One offers cutting-edge nursing education under the expert guidance of the masterminds from across India. Learn anywhere, anytime...

Download the app now

Nurturing Success at
NNL Academy

Building on our digital strengths, NNL Academy opens the doors to our first-ever offline center— with state-of-the-art facilities, including simulation & CBT labs

Scan now to explore the Academy insights!

Join us on a journey to smarter learning...

CBS Publishers & Distributors Pvt. Ltd.
204, Patparganj Industrial Area, Patparganj, New Delhi, Delhi, 110092

Nursing Next Exam Prep Pvt. Ltd.
2nd Floor, AMCO Tower, A-5,6,7, Amaltash Marg A- Block, Sector- 9, Noida, Uttar Pradesh- 201301

NNL Academy
C-32, KRBL Tower, I Floor, Sector 62, Noida, Uttar Pradesh- 201309

For more information, contact us at 9555353330 or write to us at bhupesharora@nursingnextlive.in

शुद्ध संकल्पों का शाश्वत स्रोत हैं-शिव

युक्ति से मुक्ति और विधि से सिद्धि प्राप्त होती है। परमात्मा शिवि की आराधना से इहलोक और परलोक सिद्ध हो जाते हैं। हमारा जीवन सुख-शांति, समृद्धि और आनंद से भर जाता है।

ब्रह्माकुमारी चक्रधारी

शास्त्रों-पुराणों में भगवान शिव को निराकार दिव्य ज्योति स्वरूप माना गया है। ज्योतिर्लिंग के रूप में परमेश्वर शिव को ब्रह्मा, विष्णु और देवी-देवताओं का आराध्य कहा गया है। भारत में चारो दिशाओं में स्थित बारह ज्योतिर्लिंग सृष्टि से शिव के दिव्य अवतरण और शक्तियों के साथ पुनर्मिलन का यादगार स्थान हैं। पूरी मानवता को ईश्वरीय ज्ञान, योग मानवीय मूल्यों और देव गुणों से सशक्त व सुसंस्कृत करने का स्मृति पीठ है।

परमात्मा शिव के दिव्य स्वरूप, श्रेष्ठ गुण, आलौकिक शक्ति और कल्याणकारी कर्तव्यों की याद में साल में एक बार महाशिवरात्रि मनाई जाती है। साथ ही हर माह मासिक शिवरात्रि और सप्ताह में प्रत्येक सोमवार को भगवान शिव की उपासना की जाती है। यजुर्वेद में कहा गया है तन्मे मन शिवसंकल्पमस्तु। अर्थात मेरे मन का प्रत्येक संकल्प शिवमय हो, यानि शुभ और कल्याणकारी हो। शिव ही मन के शुभ विचारों, एकाग्रता और प्रसन्नता का आधार हैं, शुद्ध संकल्पों के शाश्वत स्रोत हैं।

देखा जाए तो शिव शब्द में ही उनका मंगलकारी कर्तव्य समाया हुआ है। शि अक्षर का अर्थ है पाप नाशक और व का अर्थ मुक्तिदाता है। परमेश्वर शिव के इस तत्व दर्शन को समझ जाने से तथा उनके श्रेष्ठ मत यानी श्रीमद पर चलने से व्यक्ति आत्मोन्नति और परमात्मा की अनुभूति कर लेता है। वह पवित्र और पुण्यात्मा बन जाता है। सही अर्थों में जीवनमुक्ति, गति और सद्गति को प्राप्त कर लेता है।

शिवरात्रि वास्तव में शिव और शक्ति के मिलने का एक महान पर्व है। यह पर्व न केवल उपासकों को अपनी इंद्रियों को नियंत्रित करने में मदद करता है, बल्कि उन्हें काम, क्रोध, लोभ, ईर्ष्या, द्वेष और अभिमान आदि मनोविकारों से रोकता है। कहा जाता है कि मासिक शिवरात्रि के दिन व्रत उपवास रखने और भगवान शिव की सच्चे मन से उपासना करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। शिव पुराण के अनुसार जो सच्चे मन से इस व्रत को करता है, उसकी सारी इच्छाएं पूरी हो जाती हैं। इस व्रत का पालन आध्यात्मिक अर्थ में करने से व्यक्ति को परमात्मा शिव का वरदान हमेशा और सहज रुप से प्राप्त होता है।

शिवरात्रि मनाने की आध्यात्मिक विधि अत्यंत सरल और सहज है। परमात्मा शिव को प्रसन्न करने के लिए और उनसे सकारात्मक शक्ति व वरदानों को पाने के लिए सूर्योदय से पहले उठें। शिव के सत्य स्वरूप के ध्यान में कुछ पल बिताएं। मन बुद्धि को अंतरात्मा और परमात्मा के रूहानी ज्योति स्वरूप में स्थित, स्थिर और एकाग्र करें। उनके श्रेष्ठ ज्ञान, गुण और कर्तव्यों का स्मरण करें।

शिवजी को धतूरा आदि चढ़ाए। इसका भाव यह है कि अपनी समस्त विषाक्त प्रवृत्तियों व संस्कारों को परमात्मा शिव के चरणों में अर्पित कर दें। शिवलिंग पर जल और दूध अर्पण करें। इसका भाव यह है कि हम सद्गुणों को अपनाने और दुर्गुणों को त्यागने का दृढ़ संकल्प करें। शिवरात्रि पर उपवास करने का मतलब सिफ एक दिन भोजन का त्याग नहीं है, बल्कि मन और बुद्धि से सदा परमात्मा शिव के उप यानी समीप वास करना है। तभी उनके स्नेह, सहयोग और सहभागिता का अनुभव हमेशा होता रहेगा। अगर भगवान शिव को ध्यान में हमेशा रखेंगे, तो वे हमारा ध्यान हमेशा रखेंगे।

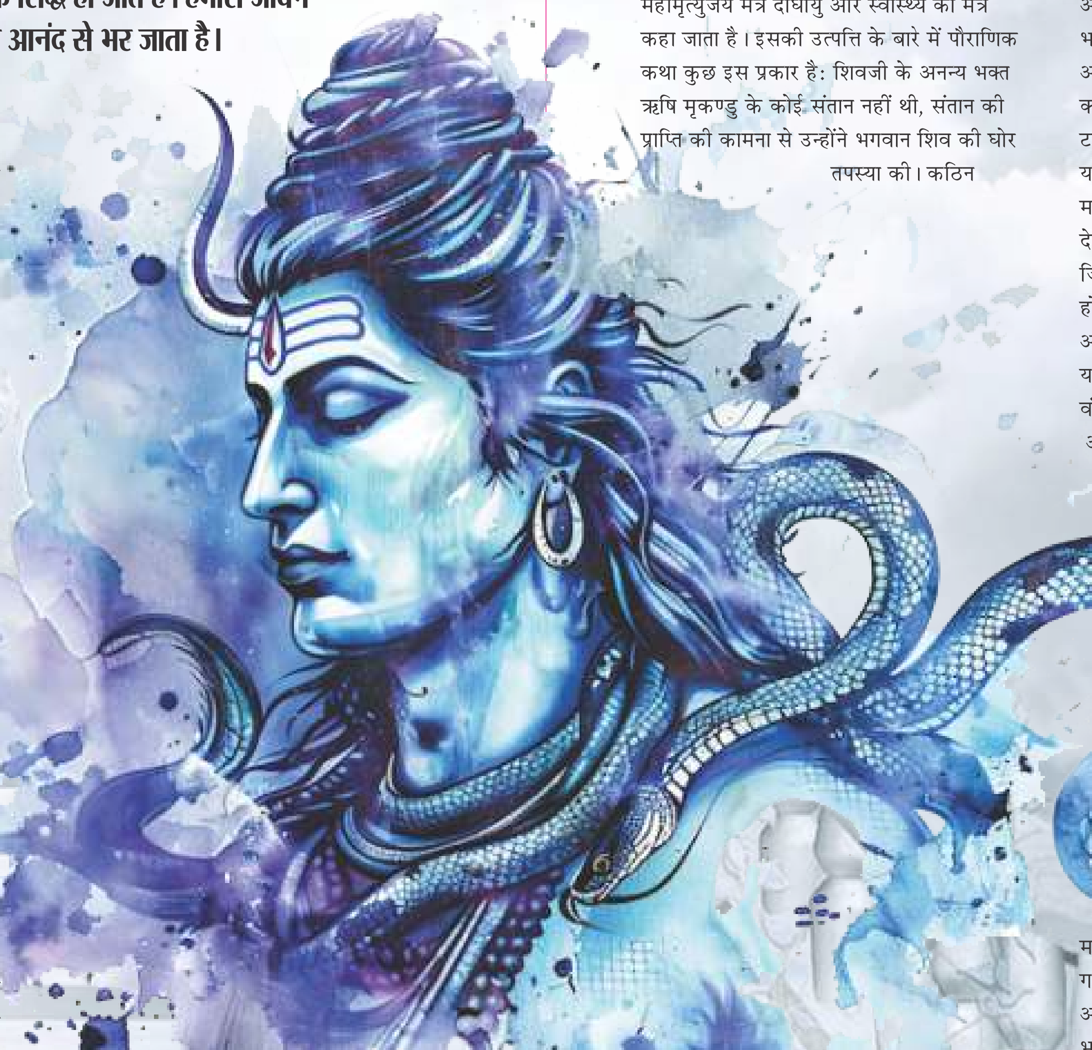

नकारात्मकता दूर होती

जहां भी वास्तुदोष हो वहां की सुख-शांति के लिए शिवलिंग पर अभिषेक करने के बाद जलहरी के जल को घर लाकर उससे ॐ नम: शिवाय मंत्र जपते हुए पूरे भवन में छिड़काव करना चाहिए। ऐसा करने से वहां की नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है, सुख-समृद्धि आती है। उत्तर पूर्व दिशा ईश की दिशा मानी गई है। सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह और शुद्ध विचारों में वृद्धि के लिए शिव परिवार की तस्वीर लगाने से शुभ फलो में वृद्धि संभव है। वास्तु दोषों के लिए तुलसीदासजी द्वारा रचित श्री रुद्राष्टकम का पाठ किया जाना सकारात्मक परिणाम देगा। जिस तस्वीर में शिव परिवार एक साथ हो यानी भगवान शिव, मां पार्वती, बेटे गणेश और कार्तिकेय हों वह तस्वीर घर में लगाना शुभ माना गया है। इससे घर में क्लेश नहीं होता और घर के बच्चे आज्ञाकारी होते व उनकी एकाग्रता बढ़ती है। भगवान शिव का निवास कैलाश पर्वत उत्तर दिशा में है। इस कारण शिवजी की मूर्ति या फोटो घर के उत्तर दिशा में लगाना श्रेष्ठ रहता है। उत्तर दिशा में शिवजी की फोटो या मूर्ति ऐसी जगह पर लगानी चाहिए, जहां घर में आने-जाने वाले सभी लोग महादेव के दर्शन कर सकें इससे आपसी रिश्ते और मजबूत होते हैं।

अनिता जैन, वास्तुविद

दीर्घायु का महामंत्र

महामृत्युंजय मंत्र दीर्घायु और स्वास्थ्य का मंत्र कहा जाता है। इसकी उत्पत्ति के बारे में पौराणिक कथा कुछ इस प्रकार है: शिवजी के अनन्य भक्त ऋषि मृकण्डु के कोई संतान नहीं थी, संतान की प्राप्ति की कामना से उन्होंने भगवान शिव की घोर तपस्या की। कठिन तपस्या से प्रसन्न होकर शिव जी ने ऋषि मृकण्डु की इच्छानुसार उन्हें संतान रूप में पुत्र का वरदान तो दिया, किंतु संतान अल्पायु होगी, ऋषि को यह भी चेताया। कुछ समय पश्चात ऋषि मृकण्डु के यहां पुत्र उत्पन्न हुआ, जिसके बारे में ज्योतिषियों ने बताया कि उनकी आयु केवल 16 वर्ष की होगी। ऋषि मृकण्डु यह जानते थे कि उनकी संतान को अल्पायु होना है, लेकिन यह सुनते ही वे विषाद से घिर गए। संतान जन्म के बावजूद उन्हें विषाद में देख उनकी पत्नी ने जब उनसे उनके दुख का कारण पूछा, तो उन्होंने सारी बात कह सुनाई। तब उनकी पत्नी ने कहा कि शिवजी की कृपा होगी, तो यह विधान भी वे टाल देंगे। ऋषि मृकण्डु ने अपने पुत्र का नाम मार्कण्डेय रखा और उन्हें शिव मंत्र भी दिया। मार्कण्डेय शिव भक्ति में डूबे रहते। जब थोड़ा बड़े हुए तब उनकी अल्पायु को लेकर चिंतित माता ने यह बात उनसे कह सुनाई और कहा कि वह शिव भक्ति से इसे टालने का प्रयास करें। शिवजी चाहेंगे, तो जरूर यह वरदान देंगे। मार्कण्डेय ने निश्चय किया कि माता-पिता के सुख के लिए वह उन्हीं सदाशिव देव से दीर्घायु होने का वरदान भी प्राप्त करेंगे, जिन्होंने उन्हें जीवन दिया है। आयु के वर्ष पूरे होने को आए थे। मार्कण्डेयजी ने शिवजी की आराधना के लिए महामृत्युंजय मंत्र- ॐ त्र्यबकं यजामहे सुगंधि पुष्टिवर्धनम। उर्वारुकमिव वंधनाम मृत्योर्मुक्षीय मामृतात।। की रचना की और शिव मंदिर में बैठ कर इसका अखंड जाप करने लगे। जब समय पूरा हुआ, तो यमराज के भेजे दूत मार्कण्डेय को छूने का साहस भी नहीं कर पा रहे थे, क्योंकि वह महाकाल की आराधना में आंख मूंद कर लीन थे। उनका अखंड जाप रुक ही नहीं रहा था। अंतत: यमदूत वापस चले गए और यमराज को सारा वृतांत कहा। तब स्वयं यमराज को मार्कण्डेय जी के प्राण लेने उनके पास जाना पड़ा। उन्होंने अपना पाश मार्कण्डेय पर डाला तो बालक मार्कण्डेय शिवलिंग से लिपट गए। ऐसे में पाश गति से शिवलिंग पर भी गिरा। यमराज की इस आक्रामकता से शिवजी क्रोधित हो गए और अपने भक्त बालक को यूं यमराज के हाथों जाता देख प्रकट होने को विवश हुए। प्रकट हुए शिवजी को क्रोधित देख कर यमराज ने हाथ जोड़ कर विधि के लिखे विधान की याद दिलाई, तो शिवजी ने मार्कण्डेय को दीर्घायु का वरदान देकर विधान ही बदल दिया। तब यमराज ने बालक मार्कण्डेय के प्राण छोड़ दिए और हाथ जोड़ कर कहा, मैं आपके भक्त मार्कण्डेय द्वारा रचित महामृत्युंजय मंत्र का जाप करने वाले जीव को पीड़ा नहीं दूंगा। आगे चलकर बालक मार्कण्डेय महान ऋषि के रूप में विख्यात हुए और मार्कण्डेय पुराण की रचना की। कहते हैं कि महामृत्युंजय मंत्र के जप के कारण ही रावण ने भी अपने नौ सिर शिव पूजा में काटकर अर्पित किए थे।

-प्रवीण आचार्य

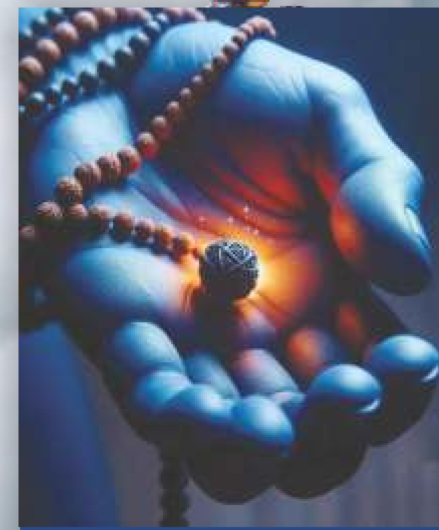

आदिदेव महादेव

जटा विराज गंगधार शिव चंद्र सोहते।
निहारते स्वरूप तेज तीन लोक मोहते।।
विराजमान कंठ नाग है त्रिशूल हाथ में।
जहां-जहां चले शिवा सदैव बैल साथ में।।

लपेट बाघ छाल अंग भस्म देह साजते।
बढ़े महेश पांव व्योम ताल ढोल बाजते।।
निमग्न भूतनाथ ध्यान बैठ मुक्तिधाम में।
शिव धरा समीर अग्नि नीर आसमान में।।

शिव प्रसन्न होय बेलपत्र दूध नीर से।
प्रसून भांग घी दही गुलाल औ अबीर से।।
नमः शिवाय जाप आठ याम सोमवार को।
करे पुकार दर्श देवता लगे कतार को।।

खुले त्रिनेत्र क्रोध ताप विश्व धूम्र सा जले।
कृपा करे महेश तो मनुष्य मोद में पले।।
करे प्रणाम भक्त नीलकंठ के स्वरूप को।
कृपालु तेजपुंज आदिदेवता अनूप को।।

प्रिया देवांगन प्रियू

सनाढ्य समाज रजत जयंती समारोह

रेणु शर्मा तथा डॉ. अनिल शर्मा को सम्मानित करते अतिथि।

उदयपुर। वर्तमान सूचना प्रौद्योगिकी एवं बढ़ती प्रतिस्पर्द्धा के दौर में सामाजिक विषयों के प्रति जागरूकता समाज उत्थान का प्रमुख कारक है। यह विचार मेवाड़ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. रमेशचन्द्र तिवारी ने निम्बार्क शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में आयोजित सनाढ्य समाज साहित्य मंडल की स्थापना एवं सामाजिक पत्रिका सनाढ्य सरिता के राष्ट्र स्तरीय रजत जयंती समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए। समारोह के विशिष्ट अतिथि इंदौर के वरिष्ठ समाजसेवी पं. जगदीश पचौरी, कोटा सनाढ्य समाज के अध्यक्ष ओम प्रकाश टंकारिया, जयपुर समाज के अध्यक्ष लाभेशचंद्र शर्मा, बारां सनाढ्य समाज अध्यक्ष डॉ. रमेश चन्द्र शर्मा, ब्राह्मण अंतरराष्ट्रीय संगठनके संभागीय अध्यक्ष डॉ. अनिल शर्मा थे। समारोह में वरिष्ठ प्रतिभाओं रेणु शर्मा प्रबंध सम्पादक प्रत्यूष पत्रिका, भगवती प्रसाद शर्मा, पं. बिंदुलाल सनाढ्य, महेन्द्र कुमार शर्मा, जमनालाल तिवारी, नाथूलाल सनाढ्य, अम्बालाल सनाढ्य, आनंदीलाल सनाढ्य, रामलाल गौड़, पं. जगदीश पचौरी, लाभेशचन्द्र शर्मा, राजेन्द्र प्रसाद सनाढ्य, पंकज सनाढ्य, आरपी सनाढ्य एवं डॉ. अनिल शर्मा को महर्षि सम्मान दिया गया। इनके अलावा विभिन्न क्षेत्रों में विशेष उल्लेखनीय योगदान देने वाली 48 प्रतिभाओं को सनाढ्य विभूषण सम्मान तथा शिक्षा, लेखन, साहित्य सृजन, संगीत एवं खेल क्षेत्र की 16 प्रतिभाओं को सनाढ्य गौरव सम्मान प्रदान किया गया।

हियाश्री लिटिल मिस इंडिया की फाइनलिस्ट

उदयपुर। सीडलिंग स्कूल में 10वीं कक्षा की छात्रा हियाश्री पालीवाल कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी (कीट) की ओर से ओडिशा में लिटिल मिस इंडिया (नन्ही परी) की फाइनलिस्ट बनी। हियाश्री को मिस पॉपुलर का खिताब मिला। पिता सौरभ पालीवाल व माता नेहा पालीवाल (अर्चना ग्रुप) ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया है।

मिस पॉपुलर का खिताब प्राप्त करती हियाश्री पालीवाल

अग्रवाल एलिगेंट क्लब का गठन

बैठक में मौजूद मनीषा अग्रवाल और अन्य सदस्य।

उदयपुर। अग्रवाल समाज में सामाजिक समरसता और सौहार्द के लिए अग्रवाल एलिगेंट क्लब का गठन किया गया है। यह जानकारी अनुराग अग्रवाल व नीन अग्रवाल ने दी। क्लब के मनोज बंसल, रितु अग्रवाल व निशा अग्रवाल ने बताया कि समाज की एक अलग पहचान स्थापित करने के लिए सबसे पहले क्लब का संविधान तेयार होगा। क्लब के अश्विनी बंसल ने बताया कि संविधान के अनुसार ही गतिविधियों का संचालन होगा। पहली बैठक के अंत में धन्यवाद की रस्म रचना अग्रवाल ने अदा की। इस अवसर पर सदस्य प्रदीप अग्रवाल व मनीषा अग्रवाल उपस्थित थे।

नई तकनीक व बेहतर गुणवत्ता से बढ़ेगा निर्माण उद्योग : सुथार

उदयपुर। प्री इंजीनियरियड बिल्डिंग निर्माण में पंद्रह वर्षों से कार्यरत लोटस हाई-टेक इंडस्ट्रीज के फाउंडर प्रवीण सुथार ने होटल रैडिसन ब्लू, ग्रेटर नोएडा में आयोजित क्लरटॉप की वार्षिक कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया और बताया कि इस सैक्टर में योगदान देने वाले देश के 150 से अधिक उद्यमियों ने हिस्सा लिया। उद्योग की बढ़ती आवश्यकताओं और वैश्विक चुनौतियों पर पैनल चर्चा में सुथार ने कहा कि हाई टेक्नोलॉजी के बिना वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करना असंभव होगा। नई तकनीकों को अपनाने और ग्राहक सेवाओं को बेहतरी से ही हम अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपनी पहचान बनाए रख सकते हैं।

मन की शुद्धि का भागवत श्रेष्ठ माध्यम - आचार्य ब्रजेश

भागवतम की पूजा करते हुए बबीता शशिकांत खेतान परिवार।

उदयपुर। श्री श्याम सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष शशिकांत खेतान के नेतृत्व में 121 यजमान भक्त जोड़ों द्वारा गत दिनों रामेश्वर धाम में श्रीमद्‌भागवतम सप्ताह आयोजित हुआ। जिसमें वृंदावन के आचार्य ब्रजेश जी महाराज के सानिध्य में वृदांवन के ही 121 ब्राह्मण पंडितों ने यजमान के समक्ष विराजमान होकर विधिवत भागवत की पूजा अर्चना की। आचार्य ब्रजेश जी ने भागवत कथा का विभिन्न जीवंत झांकियों के साथ रसास्वादन कराया। आचार्य जी के अनुसार कलियुग में मन को शुद्ध करने का भागवत श्रवण सरल व श्रेष्ठ माध्यम है। इससे पूर्व बबीता शशिकांत खेतान ने भागवतम की पूजा तथा अंत में प्रमुख यजमानों ने आरती की।

राजस्थान विद्यापीठ का 39वां स्थापना दिवस

कुलपति ने पेश किया भविष्य का विजन

उदयपुर। बाबा आम्टे दिव्यांग विश्वविद्यालय जयपुर के कुलपति प्रो. देवस्वरूप ने कहा कि शिक्षा को केवल व्यावसायिक सफलता का माध्यम नहीं, बल्कि विचारशीलता और मूल्यपरकता का आधार बनाना अनिवार्य है। वे जनार्दन राय नगर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड विश्वविद्यालय) के स्थापना दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। कुलपति प्रो. एसएस सारंगदेवोत ने कहा कि आने वाले समय में विद्यापीठ 100 बेड के अस्पताल को पूर्ण रूप से संचालित करेगा और आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर सेंटर खोलेगा, जहां विद्यार्थी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में भविष्य निर्माण की दिशा में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। अध्यक्षीय उद्‌बोधन देते हुए कुलाधिपति प्रो. बलवंत राय जानी ने कहा कि विद्यापीठ की स्थापना एक बीज के रूप में हुई, जो आज शिक्षा के विशाल वटवृक्ष के रूप में खड़ा है। कुल प्रमुख भंवरलाल गुर्जर ने विद्यापीठ की यात्रा को साझा किया। विशिष्ट अतिथि डॉ. निरूपमा सिंह, पीठ स्थविर डॉ. कौशल नागदा आदि मौजूद रहे। अतिथियों ने 10 वर्षों के विजन डॉक्यूमेंट का विमोचन किया। धन्यवाद कुलसचिव डॉ. तरूण श्रीमाली ने दिया। संचालन डॉ. हीना खान, डॉ. हरीश चौबीसा, डॉ. रचना राठौड़, डॉ. अमी राठौड़ ने किया।

मनीष भटनागर का अभिनंदन

उदयपुर। जिला रसद अधिकारी मनीष भटनागर को राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस पर राज्य स्तर पर जयपुर में सम्मानित किए जाने पर उदयपुर कार्यालय में अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के प्रांत संगठन मंत्री राकेश पालीवाल एवं जिलाध्यक्ष शिवकुमार शर्मा के नेतृत्व में उपरणा पहनाकर अभिनंदन किया गया।

डॉ. कमलेश बने अतिरिक्त निदेशक

उदयपुर। राज्य सरकार ने सूचना एवं जनसंपर्क सेवा के वर्ष 2005 बैच के अधिकारी डॉ. कमलेश शर्मा को अतिरिक्त निदेशक के रूप में पदोन्नत किया है। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग से जारी आदेश के तहत, विभागीय पदोन्नति समिति की अभिशंसा पर डॉ. शर्मा को वर्ष 2024-25 की रिक्ति पर संयुक्त निदेशक से अतिरिक्त निदेशक बनाया गया है।

उपाध्याय जी को नमन

आर.एन.टी मेडिकल कॉलेज, उदयपुर के सामुदायिक चिकित्सा विभाग से 31 वर्ष के गरिमामयी निष्कंलक सेवाकाल से निवृत्ति पाकर समाज सेवा में समर्पित सहृदयी व हंसमुख श्री ओमप्रकाश जी उपाध्याय अब हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके जीवन मूल्य और आदर्श लाइट हाउस की तरह समाज का पथ-प्रदर्शन करते रहेंगे। 8 दिसंबर 2024 को उनका निधन हो गया। उपाध्याय जी एक व्यावहारिक व्यक्तित्व के धनी थे। उनके जीवन का सबसे बड़ा गुण यह था कि जो आदर्श उनके हृदय में घर कर लेता था उसे वह व्यावहारिक जीवन में उतारते थे और स्वयं उससे अनुप्राणित होने के बाद परिवार को भी उसी मार्ग पर बढ़ने की प्रेरणा देते थे। उनका नैतिक मूल्यों पर गहरा विश्वास था और उसी के अनुरूप आचरण भी। वे जब मित्रों अथवा परिवार में अपने सार्थक जीवन के अनुभव साझा करते थे, तब समय ठहर सा जाता था। यही प्रेरक प्रसंग उनके परिवार व समाज के लिए मार्गदर्शक बने रहेंगे। विषय विशेषज्ञता और सेवा-काल के दौरान प्राप्त अनुभवों से उन्होंने अनेकों विद्यार्थियों का उनके शोधकार्य में मार्गदर्शन किया। वे धर्म-परायण व्यक्ति थे, न्यू केशवनगर में हर पर्व-त्योहार को बड़े उल्लास से मनाने में सदैव अग्रणी रहते थे। उनका कॉलोनी (न्यू केशवनगर) के युवाओं से इस तरह का तालमेल था कि प्राय: सामाजिक-सांस्कृतिक पर्वों से कॉलोनी गुंजायमान रहती थी। गरबा, रावण दहन और गणेश पूजा के आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाते थे।उन्होंने भरपूर जीवन जीया। परिवार के बच्चों को भी उन्होंने खूब स्नेह दिया और आगे बढ़ने की सतत प्रेरणा दी। उनके द्वारा निष्पादित सामाजिक कार्यों में परिवार व अर्द्धांगिनी विमला जी का भी बढ़ चढ़ कर योगदान रहा उपाध्याय जी का जन्म आगरा में और प्रारंभिक शिक्षा राजसमंद में हुई। उदयपुर से स्नातक की शिक्षा प्राप्त करने के बाद 1962 में आगरा विश्व विद्यालय से समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर डिग्री हासिल की। वे अपने पीछे शोक सन्तप्त जीवन संगिनी श्रीमती विमला देवी जी, पुत्र मनीष पुत्रवधू अमिता शर्मा, पुत्रियां श्रीमती रेणु व शिखा, बहिन श्रीमती मिथिलेश जी सहित पौत्र-पौत्रियों एवं भाई-भतीजों का समृद्ध व सम्पन्न परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन पर विभिन्न सामाजिक व राजनैतिक संगठनों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। दिवंगत आत्मा को शत-शत नमन।

-एन.के शर्मा

आठ साल बाद चैंपियंस ट्राफी की वापसी

भारतीय टीम के सभी मैच दुबई में, पाकिस्तान से मुकाबला 23 को

अभिजय शर्मा

इस साल पाकिस्तान में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी वनडे टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल के आधार पर होगा और भारतीय टीम के सभी मुकाबले दुबई में खेले जाएंगे। इसमें भारतीय टीम का 23 फरवरी को पाकिस्तान के साथ होने वाला मुकाबला भी है। आइसीसी टूर्नामेंट के इतिहास में पहली बार फाइनल के लिए दो वेन्यू तैयार किए गए है। दरअसल, बीसीसीआइ भारतीय क्रिकेट कौंसिल ने सुरक्षा कारणों से भारतीय टीम को पाकिस्तान भेजने से साफ इंकार कर दिया था। इस कारण काफी लंबी जद्दोजहद के बाद यह तय हुआ कि भारत और पाकिस्तान की टीमें 2028 तक आइसीसी टूर्नामेंट के लिए एक-दूसरे के देश नहीं जाएंगी और तटस्थ स्थल पर मैच खेलेंगी। इस कारण आइसीसी को चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल के लिए दो वेन्यू का इंतजाम करना पड़ा।

एक सेमीफाइनल दुबई व एक लाहौर में

शेड्यूल के मुताबिक टूर्नामेंट का पहला सेमीफाइनल मुकाबला दुबई में जबकि दूसरा लाहौर में खेला जाएगा। भारतीय टीम यदि सेमीफाइनल में जगह बनाती है तो वह अपना

मैच दुबई में खेलेगी।

आठ साल बाद हो रहा

चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन आठ साल के लंबे अंतराल के बाद हो रहा है। आखिरी बार यह टूर्नामेंट 2017 में इंग्लैंड की मेजबानी में खेला गया था। इस वनडे टूर्नामेंट के फाइनल में भारत को हराकर पाकिस्तान की टीम पहली बार चैंपियन बनी थी। आठ टीमों के इस टूर्नामेंट में 15 मैच होंगे। भारतीय टीम के सभी ग्रुप स्टेज के मुकाबले दुबई में खेले जाएंगे। वहीं, बाकी टीमों के मैच पाकिस्तान में ही होंगे। यह टूर्नामेंट 19 दिनों तक चलेगा। पाकिस्तान में रावलपिंडी, लाहौर और कराची मैचों की मेजबानी करेंगे। पाकिस्तान के हर एक मैदान पर तीन-तीन ग्रुप मैच खेले जाएंगे। लाहौर दूसरे सेमीफाइनल की मेजबानी करेगा। अगर भारत फाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं करता है तो लाहौर ही नौ मार्च को फाइनल की मेजबानी भी करेगा। अगर भारत क्वालिफाई करता है तो फाइनल दुबई में खेला जाएगा। सेमीफाइनल और फाइनल दोनों में रिजर्व डे होंगे। भारत से जुड़े तीन ग्रुप मैच और पहला सेमीफाइनल दुबई में खेला जाएगा।

भारत और ऑस्ट्रेलिया का दबदबा...

भारत और ऑस्ट्रेलिया ने सर्वाधिक दो-दो, बार खिताब जीता है। भारतीय टीम 2002 और 2013 में जबकि ऑस्ट्रेलिया टीम 2006 और 2009 में चैंपियन बनी थी।

सात टीमें बन चुकी हैं चैंपियन...

चैंपियंस ट्रॉफी को अब तक कुल आठ टीम जीत चुकी हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के अलावा दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, श्रीलंका, वेस्टइंडीज और पाकिस्तान ने खिताब जीता।

टूर्नामेंट कार्यक्रम

तारीख	मैच	स्थान
19 फरवरी	पाकिस्तान बनाम न्यूजीलेंड	कराची, पाकिस्तान
20 फरवरी	बांग्लादेश बनाम भारत	दुबई
21 फरवरी	अफगानिस्तान बनाम द. अफ्रीका	कराची, पाकिस्तान
22 फरवरी	ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड	लाहौर, पाकिस्तान
23 फरवरी	पाकिस्तान बनाम भारत	दुबई
24 फरवरी	बांग्लादेश बनाम न्यूजीलैंड	रावलपिंडी, पाकिस्तान
25 फरवरी	ऑस्ट्रेलिया बनाम दक्षिण अफ्रीका	रावलपिंडी, पाकिस्तान
26 फरवरी	अफगानिस्तान बनाम इंग्लैंड	लाहौर, पाकिस्तान
27 फरवरी	पाकिस्तान बनाम बांग्लादेश	रावलपिंडी, पाकिस्तान
28 फरवरी	अफगानिस्तान बनाम ऑस्ट्रेलिया	लाहौर, पाकिस्तान
1 मार्च	दक्षिण अफ्रीका बनाम इंग्लैंड	कराची, पाकिस्तान
2 मार्च	न्यूजीलेंड बनाम भारत	दुबई
4 मार्च	सेमीफाइनल 1	दुबई
5 मार्च	सेमीफाइनल 2	लाहौर, पाकिस्तान
9 मार्च	फाइनल	लाहौर, पाकिस्तान
		(यदि भारत क्वालिफाई नहीं करता है)
		(अगर भारत ने क्वालिफाई किया तो मैच दुबई में)
10 मार्च	रिजर्व है	

सभी मैच डे–नाइट होंगे।

Happy Republic Day

Abhimanyu Jain
Mo.: 9772237255
7550177136

ABHI'S BUILD TECH

Abhi's Buildtech

Wholesale Distributor of Building Material

9, Mangalam Plaza, Behind Petrol Pump,
Hiran Magri, Sector -4, Udaipur 313001 (Raj.)
E-mail: abhimanyujain0298@gmail.com

रेती, गिट्टी, ईंटें, सरिया,
सफेद सीमेंट, पुट्टी,
टाईल्स एडेसिव के विक्रेता

Authorised Distributor
of Wonder Sand

Lokesh Jain
Mo.: 9828061138

FRIENDS

FRIENDS
SUPPLIERS Co.

42, Mox Marg, Shastri Circle,
Udaipur, 313 001 (Raj.)

Authorised Market Organizer

J.K. Cement Work's (Nimbahera)
J.K. White Cement Work's (Gotan)

कलम के पुरोधाओं से साक्षात्कार

डॉ. लक्ष्मीनारायण नंदवाना का निबंध संग्रह **'स्मृतियों की सुगंध'** हिन्दी साहित्य को वर्ष 2024 का एक नायाब तोहफा है, जिसमें देश-प्रदेश के ख्यातनाम 33 साहित्यकारों के जीवन-दर्शन और सृजन से परिचय कराया गया है। डॉ. नंदवाना को राजस्थान साहित्य अकादमी में सचिव रहते अनेक वरेण्य लेखक-कवियों से रूबरू होने का अवसर मिला और उसका उन्होंने सही उपयोग करते हुए उन्हें और उनकी रचनाधर्मिता को नजदीक से जाना। उन्हीं सस्मरणों का संग्रह है- **'स्मृतियों की सुगंध'।** संग्रह में संजोयी स्मृतियों में राजस्थान के प्रबुद्ध कलमकारों के साथ देश के कालजयी साहित्यकार डॉ. नामवर सिंह, बाबा नागार्जुन, नरेन्द्र देव, पं. विद्या निवास मिश्र, प्रभाष जोशी, डॉ. विश्वंभरनाथ उपाध्याय, प. विष्णु कांत शास्त्री, मन्नू भंडारी के प्रेरक जीवन प्रसंग भी शामिल हैं। संग्रह के ललित लेखन में डॉ. नन्दवाना की साहित्यिक यात्रा के खास पड़ाव भी स्वत: उभरते जाते हैं। उन्होंने साहित्यकारों से साक्षात्कार के दौरान उन्हें जैसा देखा-समझा वह उनकी यादों का एक ऐसा झरोखा बना, जिसमें झांकने से कलम के ऐसे महारथियों के छवि दर्शन के साथ उनकी गांथाओं की गूंज सुनने को मिलती है, जिन्होंने कला, साहित्य और संस्कृति की ज्योत को अखंड तो रखा ही साथ ही शोषित-पीड़ित मानवता की पैरोकारी में जीवन ही समर्पित कर दिया। राजस्थान के जिन साहित्यकारों की रचनाधर्मिता, उनकी जीवन-दृष्टि और खास प्रसंगों की सुगंध इस संग्रह से उठती है, उनमें पं हरिभाऊ उपाध्याय, पं. जनार्दनराय नागर, लक्ष्मी कुमारी चूंडावत, पं. झाबरमल्ल शर्मा, कोमल कोठारी, डॉ. दयाकृष्ण विजय, कर्पूरचंद कुलिश सावित्री परमार, यादवेन्द्र शर्मा चंद्र, हमीदुल्ला, हरीश भादानी, स्वयं प्रकाश, प्रकाश आतुर, नंद चतुर्वेदी, आलमशाह खान, नवल किशोर शामिल हैं।

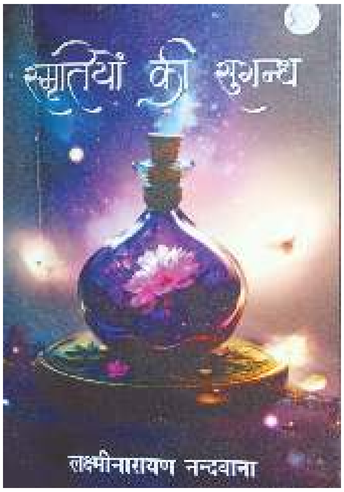

'स्मृतियों की सुगंध' को प्रबुद्ध लेखक-आलोचक डॉ. पल्लव के उपालंभ का परिणाम बताते हुए डॉ. नंदवाना कहते हैं कि इन संस्मरणों को लिखने के लिए डॉ. पल्लव उन्हें दिल्ली से बराबर टीक टिकाते रहे। इसके लिए डॉ. पल्लव को भी हम साधुवाद देना चाहेंगे। जिनकी वजह से नामचीन लेखकों-कवियों की स्मृतियां मानस-पटल पर साकार हो सकीं। कौटिल्य बुक्स, नई दिल्ली से प्रकाशित संग्रह का आवरण भी आकर्षक बन पड़ा है। 'यादो का अंश' के बाद लेखक का यह दूसरा संस्मरण संग्रह है। हालांकि इससे पूर्व उपन्यास, व्यंग्य, जीवनी, आलोचना, साक्षात्कार आदि विधाओं में लेखक की कृतियां प्रकाश में आ चुकी हैं। आशा करता हूं- वर्ष 2025 में भी उनकी एक ओर नई कृति को देखने का अवसर मिलेगा। बधाई।

-विष्णु शर्मा हितैषी

पाठक पीठ

प्रत्यूष का नव वर्ष का प्रथम अंक काफी अच्छा था। इसमें नए साल के नए सृजन और संकल्पों को लेकर सम्पादकीय, संभल हिंसा की रपट, प्रयागराज कुंभ, निशानेबाज ओलम्पियन स्वप्निल कुसाले के संघर्ष की कहानी, वेदव्यास और भावना शर्मा की कविता, राशिफल आदि काफी अच्छे थे। सममुच 'प्रत्यूष' एक परिवार की सम्पूर्ण पत्रिका है।

ग्लोरी फिलिप,
डायरेक्टर, सेंट मैथ्यू स्कूल

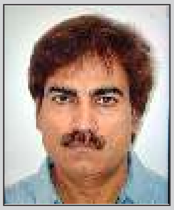

नि:संतान दम्पत्तियों को आईवीएफ के माध्यम से सन्तान सुख उपलब्ध करने की दृष्टि से आज देश में कई चिकित्सालय काम कर रहे हैं। इस चिकित्सा में नवाचार संबंधी आईवीएफ विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. तरूण अग्रवाल का विश्लेषणात्मक आलेख काफी अच्छा लगा। ऐसी जानकारियां आम आदमी तक पहुंचाने के लिए आपका धन्यवाद। प्रत्यूष के जनवरी अंक में लगभग सभी आलेख पठनीय थे। नववर्ष की बधाई।

हेमशंकर माली, *डायरेक्टर,*
माईल स्टोन आर्किटेक्ट

जो राजनेता आज 'भारतीय संविधान' के बारे में नाना प्रकार की बातें कर रहे हैं, पहले वे उससे आद्योपांत पढ़लें और समझ लें। फिर वे बताएं कि संविधान प्रदत्त निर्देशों की कहां किस प्रकार अवज्ञा हो रही है। खाली हवा में बातें करना व्यर्थ है। भारतीय लोकतंत्र की आत्मा है हमारा संविधान और उसकी अनदेखी करने का अर्थ है आत्मघात। संविधान को लेकर लिखा गया, गौरव शर्मा का आलेख काफी अच्छा लगा।

सुथनकर, *डायरेक्टर,*
रामा फास्फेट लि.

जनवरी - 25 का अंक देखा। जिसमें सम्पादकीय आलेख काफी बौद्धिक और नव वर्ष में नई सोच और नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देने वाला था। जिसमें कहा गया कि राजनैतिक दलों को राष्ट्र के हित चिंतन में समय देना चाहिए। परिवार तक ही सीमित रहना अपने मतदाताओं के साथ विश्वासघात ही है। पड़ौसी देशों में भारतवंशी लोगों के साथ प्रताड़ना और हिंसा का जो व्यवहार हो रहा है, उसका सटीक जवाब उन्हें देना ही होगा।

सुरेश सुथार,
समाजसेवी

जे.के.टायर एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड
जेकेग्राम, कांकरोली (राज.)

गणतंत्र दिवस
के शुभ अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं

JKTYRE
& INDUSTRIES LTD.

समानांतर सिनेमा को नई दिशा दे गए श्याम बेनेगल

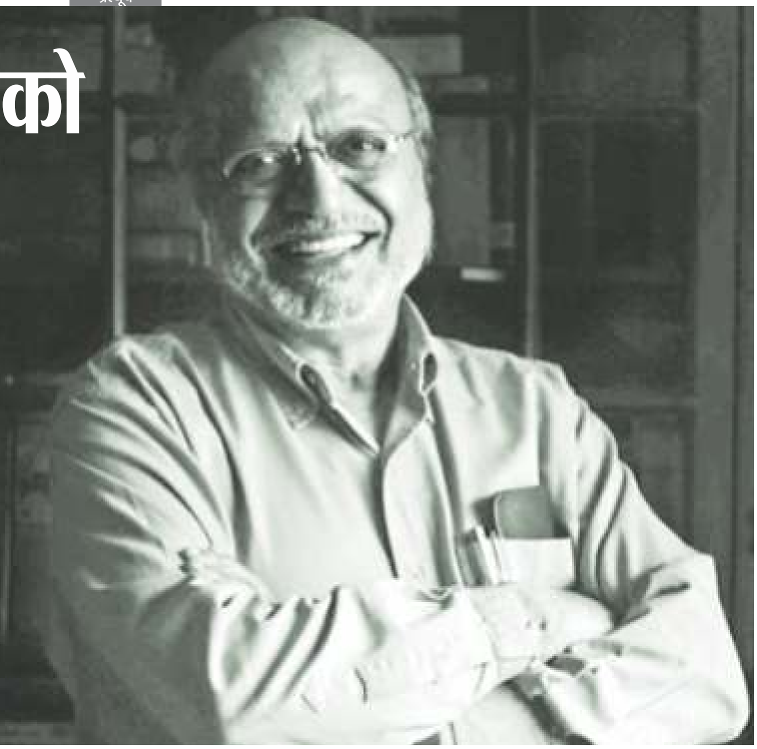

श्याम बेनेगल की सबसे पहली फिल्म 'अंकुर' थी। 1974 में आई यह कमर्शियल सिनेमा की मांग को पूरा न करने वाली एक एतिहासिक फिल्म थी। उनकी इस पहली ही फिल्म ने तीन राष्ट्रीय पुरस्कार जीते। यह फिल्म नारी सशक्तीकरण और सामाजिक मुद्दों पर आधारित थी। फिल्म में नसीरूद्दीन शाह, स्मिता पाटिल, ओमपुरी और शबाना आजमी जैसे नए कलाकारों ने काम किया। फिल्म को अन्तरराष्ट्रीय सराहना मिली।

ओमपाल सिलन

यथार्थवादी सिनेमा के पितामह माने जाने वाले फिल्मकार श्याम बेनेगल(90) का पिछले वर्ष 23 दिसंबर को निधन हो गया। सिनेमा जगत में उनकी उपलब्धियों को चंद वाक्यों में तो नहीं समेटा जा सकता। लेकिन उनके आठ दशक के सफर को याद जरूर किया जा सकता है। फिल्म इंडस्ट्री में श्याम बाबू के तौर पर विख्यात बेनेगल ने पिछली सदी के सातवें दशक से लेकर आठवें दशक के दौरान अंकुर, निशांत और मंथन जैसी फिल्मों के साथ भारतीय समानांतर सिनेमा आंदोलन की शुरुआत की थी। आज भी दूरदर्शन के प्रसारण 'भारत एक खोज' को लोग याद करते हैं। दो साल की 'होमी भाभा फेलोशिप' के दौरान बच्चों के लिए तथा टीवी के लिए उन्होंने कई काम किए। पचास साल तक के फिल्मी निर्देशन ने उन्हें आठ बार राष्ट्रीय पुरस्कार दिलाए।

फिल्म सोसायटी की स्थापना

श्याम बेनेगल का जन्म 14 दिसंबर 1934 को हैदराबाद में हुआ था। वहीं की ओसमानिया यूनिवर्सिटी से इकॉनोमिक्स में एमए करने वाले बेनेगल ने आगे जाकर हैदराबाद फिल्म सोसाइटी की स्थापना की। उनका संबंध कोंकणी बोलने वाले चित्रपुर सारस्वत परिवार से था। उनका पूरा नाम श्याम सुंदर बेनेगल था। जब वह 12 साल के थे, उन्होंने फोटोग्राफर पिता श्रीधर बी. बेनेगल के कैमरे से पहली फिल्म शूट की थी।

ऐड एजेंसी से शुरुआत

बेनेगल ने 1959 में बतौर कॉपीराइटर मुंबई बेस्ड ऐड एजेंसी लिंटास एडवरटाइजिंग से करियर की शुरुआत की थी। 1962 में उन्होंने पहली डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'घर बेठा गंगा' बनाई, जो गुजराती में थी।

1970 के दशक में निर्देशन की शुरुआत

बेनेगल अंकुर, निशांत, मंथन जैसी प्रतिष्ठित फिल्मों के निर्देशन के लिए जाने जाते थे। 1970 के दशक से उन्होंने निर्देशन की शुरुआत की थी। 1970 और 1980 के दशक में उन्होंने 'अंकुर' (1975), 'निशांत' (1976), 'मंथन' (1977), 'भूमिका' (1978), 'मंडी' (1983), 'मम्मो' (1984), 'सरदारी बेगम' (1996), जैसी कलात्मक फिल्में बनाई। उसके बाद की 'जुबैदा' (2001), 'वैल्कम टू सज्जनपुर' (2004), और 'वैल डन अब्बा' (2010) फिल्मे भी खूब सराही गई।

अंकुर ने 40 पुरस्कार जीते

श्याम बेनेगल की फिल्म अंकुर की चर्चा सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी हुई।

इस फिल्म की सफलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उनकी पहली ही फिल्म अंकुर ने 40 से ज्यादा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय अवॉर्ड जीते। पहली फिल्म बनाने से पहले उन्होंने कई विज्ञापन फिल्में बनाई थीं। उन्होंने अपने गुरू सत्यजीत रे और देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू पर भी डॉक्यूमेंट्री बनाई। अपनी आत्मकथा 'एक्ट ऑफ लाइफ' में अमरीश पुरी ने श्याम बेनेगल को चलता-फिरता विश्वकोश बताया।

बेहतरीन अभिनेता दिए

बेनेगल ने भारतीय सिनेमा को शबाना आजमी, स्मिता पाटिल, नसीरुद्दीन शाह, ओम पुरी, अमरीश पुरी, अनंत नाग जैसे महान अभिनेता दिए, फिल्मों के अलावा दूरदर्शन पर आने वाले मशहूर सीरियल 'भारत एक खोज', 'संविधान कहता है' जोकर', और 'कथा सागर' का निर्देशन श्याम बेनेगल ने ही किया था।

मुजीब : एक राष्ट्र का निर्माण

'मुजीब: द मेकिंग ऑफ नेशन' फिल्म अक्तूबर, 2023 में रिलीज हुई थी। इसमें मुजीबुर्रहमान के राजनीतिक सफर की शुरुआत के बारे में दिखाया गया है। उन्होंने किस तरह बांग्लादेश की स्वाधीनता के लिए काम किया। इस फिल्म को राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम और बांग्लादेश फिल्म विकास निगम ने मिलकर बनाया था। इस फिल्म को बंगाली के साथ-साथ हिन्दी भाषा में भी रिलीज किया गया था। यह अत्यन्त दुखद है कि बांग्लादेश के नए हुक्मरान शेख मुजीब के राष्ट्र की स्वतंत्रता और नव निर्माण में दिए योगदान को ही नकारने पर आमादा हैं।

दादा साहब फाल्के अवार्ड

- 2005 में वे दादा साहब फाल्के अवॉर्ड से सम्मानित हुए।
- 1976 में पद्मश्री और फिर 1991 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।
- मंथन पहली ऐसी फिल्म थी, जो दर्शकों के आर्थिक सहयोग से बनी और डेयरी आंदोलन पर आधारित थी। उनकी फिल्मों की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वे आम लोगों के जीवन की सच्चाई और उनके संघर्षों को प्रामाणिकता के साथ प्रस्तुत करती हैं।

अक्रोध से क्रोध को जीतें, दुष्ट को भलाई से जीतें, कृपण को दान से जीतें, झूठ बोलने वाले को सत्य से जीतें।

-धम्मपद

HAPPY REPUBLIC DAY

Jaideep Shikshan Sansthan

Modern Complex, Bhuwana, Udaipur
Providing Inclusive Education since 1985
Tel No. 9460028679, 7891445401 | Email: jaideepschool85@gmail.com

Jaideep Senior Secondary School, Modern Complex, Bhuwana

Jaideep Public School, Modern Complex, Bhuwana

The Kids Paradise, Modern Complex, Bhuwana

Jaideep Upper Primary School, Chitrakoot Nagar, Bhuwana

Jaideep Middle School, Dagliyo Ki Magri, Bhuwana

Dr. Devendra Kumawat Director

Mrs. Madhu Kumawat Asst. Director

Er. Vivek Kumawat Technical Director

Er. Niharika Kumawat Administrator

English & Hindi Medium

100% Board Results | Well Equipped Labs | Smart Classrooms | CCTV covered campus | Sports Club | Lush Green Campus | Transportation Facilities

प्रत्यूष

स्वतंत्रता के सूत्रधार थे महर्षि दयानंद

राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए स्वामी दयानंद सरस्वती के महान योगदान पर अभी हमारी दृष्टि नहीं पड़ी है। संसार उन्हें एक धार्मिक महापुरुष के रूप में ही जानता है। वास्तव में स्वामी जी एक स्वतंत्र विचारक थे, किसी परंपरा और पूर्वाग्रह से बंधे रहना उन्हें स्वीकार न था। वेदों के प्रति उनकी निष्ठा और भक्ति उसी कारण थी, कि वेद मानव की स्वतंत्र-चिंतन शक्ति के द्वारों को खोलकर उसे एक अनंत आकाश प्रदान करते हैं। वेद से स्वतंत्र चिंतन शक्ति पाने वाले उदारचेता दयानंद अपनी मातृभूमि को पराधीनता में जकड़ा देखकर चुप रहें, ये संभव न था। 1857 की क्रांति को दबाकर अंग्रेज सरकार ने भारतीय जन मानस के धार्मिक घावों पर मरहम लगाने के लिए कई घोषणाएं की थीं। महारानी विक्टोरिया ने कहा था- हम चेतावनी देते हैं कि यदि किसी ने हमारी प्रजा के धार्मिक विश्वासों पर, पूजा पद्धति में हस्तक्षेप किया तो उसे हमारे तीव्र कोप का शिकार होना पड़ेगा। इस लोक लुभावनी घोषणा के अंतर्निहित भावों को समझ कर उसका प्रतिकार करते हुए ऋषि दयानंद सत्यार्थ प्रकाश में घोषणा करते हैं- मतमतांतरों के आग्रह से रहित, अपने-पराए का पक्षपात शून्य, प्रजा पर माता-पिता के समान कृपा, न्याय और दया के साथ भी विदेशियों का राज पूर्ण सुखदायक नहीं है। जीवन के हर क्षेत्र में स्वतंत्रता की अभिव्यक्ति देने वाले सन्यासी द्वारा देश की स्वतंत्रता का यह शंखनाद ही आगे चलकर भारत के जन-मन में गूँजने लगा। स्वाधीनता के इतिहास में जितने भी आंदोलन हुए उनके बीज स्वामी जी अपने अमर ग्रंथ सत्यार्थ प्रकाश के माध्यम से डाल गए थे। गाँधीजी के नमक आंदोलन के बीज महर्षि ने तभी डाल दिए थे, जब गाँधीजी मात्र 6 वर्ष के बालक थे सन 1857 में स्वामी जी सत्यार्थ प्रकाश में लिखते हैं- नोंन के बिना दरिद्र का भी निर्वाह नहीं, किंतु नोंन सबको आवश्यक है। वे मेहनत मजदूरी करके जैसे-तैसे निर्वाह करते हैं, उन पर भी नोंन का कर दंड तुल्य ही है। इससे दरिद्रों को बड़ा क्लेश पहुँचता है। स्वदेशी आंदोलन के मूल सूत्रधार भी महर्षि दयानंद ही थे। उन्होंने लिखा है- जब परदेशी हमारे देश में व्यापार करेंगे तो दारिद्रय और दु:ख के बिना दूसरा कुछ भी नहीं हो सकता । स्वदेशी भावना को प्रबलता से जगाते हुए ऋषि बड़े मार्मिक शब्दों में लिखते हैं- इतने से ही समझ लो कि अंग्रेज अपने देश के जूते का भी जितना मान करते हैं, उतना अन्य देश के मनुष्यों का भी नहीं करते। महर्षि की इसी स्वदेशी भावना का परिणाम था कि भारत में सबसे पहले सन 1879 में आर्य समाज लाहौर के सदस्यों ने विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार का सामूहिक संकल्प लिया था, जिसका विवरण 14 अगस्त, 1979 में स्टेट्स मैन अखबार में मिलता है महर्षि दयानंद के राष्ट्रीय विचारों के महत्व को अंग्रेज बहुत गहराई से अनुभव करते थे। सन 1911 की जनगणना के अध्यक्ष मि. ब्लंट लिखते हैं- दयानंद मात्र धार्मिक सुधारक नहीं थे, वह एक महान देशभक्त थे। यह कहना अधिक ठीक होगा कि उनके लिए धार्मिक सुधार राष्ट्रीय सुधार का ही एक उपाय था। एक अन्य स्थान पर ये ही ब्लंट लिखते हैं- आर्य समाज के सिद्धांतों में देशप्रेम की प्रेरणा है। आर्य सिद्धांत और आर्य शिक्षा समान रूप से भारत के प्राचीन गौरव के गीत गातें हैं। ऐसा करके वे अपने अनुयायियों में राष्ट्र के प्राचीन गौरव की भावना भरते हैं।

-पंकज कुमार शर्मा

भोजन से पहले पानी पीने से वजन हो सकता है कम

पानी पीने की आदत में लगातार बदलाव सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है। कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने 1464 अध्ययनों का विश्लेषण करने के बाद ये दावा किया है। उनके अनुसार अगर व्यक्ति रोजाना पानी पीने की मात्रा थोड़ी-थोड़ी बढ़ाए तो वजन कम करने में मदद मिल सकती है। इसके अलावा मधुमेह, यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन से जुड़ी समस्याएं भी दूर रहती हैं। कैलीफॉर्निया यूनिवर्सिटी के यूरोलॉजिस्ट प्रोफेसर बेंजामिन ब्रेयर का कहना है कि भोजन से पहले दो कप पानी पीने से वजन कम करने में मदद मिलती है।

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

Ph. : 0294-2493357, 2493358
2494457, 2494458, 2494459
9829665739, 9680884172
869633357, 8696904457
8696904458, 8696904459

Website : www.shreejproadlines, shreejppackersandmovers

King Of Mini Truck

प्रो. गौतम पटेल
9414471131
8696333358

॥ जय हनुमन्ते नमः॥

SJP ROADLINES

श्री J.P. Roadlines

प्लॉट नं. 1/200, प्रताप नगर, सुखेर, बाईपास रोड़,
सामुदायिक भवन के पास, प्रताप नगर, उदयपुर (राज.)

B.O. : No. 136, R.K. Puram Vill. Gokul, N.H. 8 Udaipur (Raj.)

सम्पूर्ण भारत के लिए मिनी ट्रक सेवा **TATA, 407, 709, 909, LPT,** केन्टर व आईशर दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, गुजरात एवं ऑल साउथ के लिए डोर टू डोर डिलीवरी के लिए उपलब्ध है।

गाजर से बनाएं स्वादिष्ट पकवान

इन दिनों गाजर खूब आ रही है। आप अक्सर घर में गाजर का हलवा बनाती हैं। लेकिन गाजर से अलग-अलग तरह के स्वादिष्ट पकवान भी बनाए जा सकते हैं। इस बार प्रस्तुत है गाजर से बने कुछ स्वादिष्ट पकवानों की विधि...

कमला गौड़

गाजर-अंकुरित मेथी सूप

सामग्रीः ■ टमाटर : 2 ■ लहसुन की कली : 8-10 ■ कटी हुई गाजर : 4 ■ अंकुरित मेथी दाना : 2 बड़े चम्मच ■ अदरक-लहसुन पेस्ट : 1 चम्मच ■ नमक और काली मिर्च : स्वादानुसार ■ मक्खन : 1 बड़ा चम्मच

विधिः एक पैन में मक्खन पिघलाकर लहसुन पेस्ट डालकर गाजर, मेथी दाना, टमाटर मिलाकर चार प्याला पानी डालकर कुकर में पका लें। ठंडा होने पर मिक्सी में पीस कर छान लें। दोबारा गरम करें। कटा हुआ लहसुन, नमक, काली मिर्च डालकर थोड़ी देर पकने दें। बाउल में डालकर मक्खन से सजाकर सर्व करें।

गाजर ब्रेड रोल

सामग्रीः ■ कसी हुई गाजर : 1/2 किलो ■ उबले हुए आलू : 1/2 किलो ■ बारीक कटी धनिया पत्ती और हरी मिर्च : आवश्यकतानुसार ■ हल्दी पावडर : 1/2 चम्मच ■ नमक : स्वादानुसार ■ तेल : तलने के लिए ■ ब्रेड : 10-12 स्लाइस

विधि : कड़ाही में एक बड़ा चम्मच तेल डालकर गरम करें और कसी हुई गाजर को हल्का भून लें। आलू डालकर थोड़ी देर और भूने, ऊपर से नमक, मिर्च, धनिया पत्ती, हल्दी डालकर अच्छी तरह मिलाकर आंच से उतार कर ठंडा होने के लिए रख दें। अब इसकी छोटी-छोटी लोइयां बना लें। एक ब्रेड स्लाइस को पानी में भिगोकर तुरंत निकाल लें, हाथ से दबाकर पानी निथार लें, गाजर की लोई भरकर रोल बनाएं। कड़ाही में तेल गर्म करके रोल को मध्यम आंच पर सुनहरा होने तक तल लें। गरमा-गरम ब्रेड रोल्स प्लेट में सजाकर चटनी या सॉस के साथ सर्व करें।

गाजर की मठरी

सामग्रीः ■ मैदा - 200 ग्राम गेहूं का आटा ■ 100 ग्राम - कसी हुई गाजर ■ 200 ग्राम - नमक : स्वादानुसार ■ तेल - तलने के लिए ■ कलौंजी - 1/2 चम्मच

विधिः गाजर को छीलकर धोकर मिक्सी में पीस लें। मैदा और आटा को छान कर नमक, कलौंजी और आधा कप तेल डालकर मिला लें। आवश्यकतानुसार पानी डालकर मिश्रण को सख्त गूंथ लें। छोटी-छोटी लोइयां बेलकर कांटे से गोद लें। कड़ाही में तेल गरम करके धीमी आंच पर सुनहरी होने तक तलें। ठंडी हो जाने पर डिब्बे में भर कर रख दें। गरम भी परोस सकती हैं।

गाजर का कलाकंद

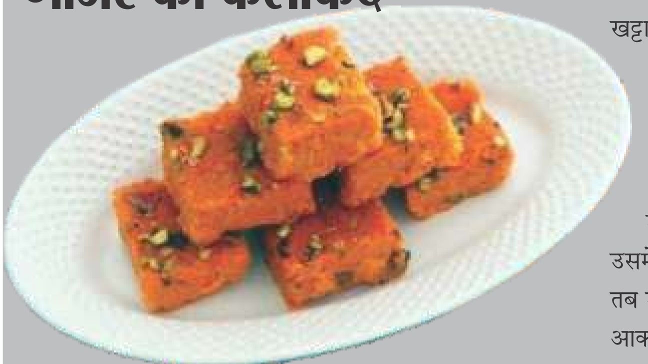

सामग्रीः ■ कद्दूकस की हुई लाल गाजर - 250 ग्राम ■ दूध - 3 कप ■ दही खट्टा - 3 बड़े चम्मच ■ मिल्कमेड - आधा टिन ■ चीनी - 2 बड़े चम्मच और चांदी का वर्क इच्छानुसार।

बनाने की विधि : कद्दूकस की हुई गाजर को हाथ से कसरकर निचोड़े ताकि उसका पानी निकल जाए। दूध को एक कड़ाही में उबलने रखें। उबलते दूध में दही डाल दें। जब दूध फट जाए, तो निचुड़ी हुई गाजर डाल दें व चीनी भी। जब मिश्रण गाढ़ा होने लगे और पानी सूख जाए तो उसमें आधा मिल्कमेड डाल दें। जब मिश्रण इकट्ठा होकर कड़ाही छोड़ने लगे, तब उसे एक चिकनी थाली में पलटकर जमा दें। ठंडा होने पर बर्फी के आकार में पीस काट लें।

गाजर की बर्फी

सामग्री: ■ कसी हुई गाजर : 1 किलो ■ खोया : 250 ग्राम ■ चीनी : 400 ग्राम ■ इलायची पावडर : 1/2 चम्मच ■ कटे हुए काजू-पिस्ता : 50 ग्राम ■ घी : आवश्यकतानुसार

विधि : कड़ाही में चार बड़े चम्मच घी डालकर गर्म करके कसी हुई गाजर डालकर धीमी आंच पर पकाएं। सारा पानी सूख जाने पर खोया को कस कर मिला दें। थोड़ी देर खोए को भूनकर चीनी डालकर चलाए। जब गाजर मिश्रण घी छोड़ने लगे, तब आंच से उतार कर इलायची मिलाकर थाली में घी लगाकर मिश्रण को फैला दीजिए। ऊपर से मेवा लगा दिजिए। बर्फी के आकार में काटकर तैयार बर्फी सर्व करें।

गाजर शाही कचौड़ी

सामग्री: ■ भरावन के लिए : कद्दूकस किया गाजर ■ 2 कप : उबली मटर ■ 1/2 कप : गरम मसाला ■ 1 टी स्पून : अमचूर ■ 1 टी स्पून : लाल मिर्च पावडर ■ नमक : स्वादानुसार ■ तेल : 2 बड़े चम्मच ■ सौंफ : 1/2 चम्मच ■ हींग : जरा सी

कवरिंग के लिए: ■ मैदा : 4 कप ■ तेल : तलने के लिए ■ नमक : थोड़ा सा

विधि : कड़ाही में तेल गर्म करके हींग, सौंफ डालकर तड़का लें। गाजर, मटर डालकर धीमी आंच पर भून लें। भरावन की सारी सामग्री डालकर दो-तीन मिनट भूनकर आंच से उतार लें। अब मैदे में दो चम्मच तेल डालकर मोयन लगाकर जरा नमक मिलाकर पानी से आटा गूंथ लें। छोटी-छोटी लोइयां बनाकर हथेली से फैलाकर बीचों-बीच भरावन सामग्री भरकर कचौड़ियां तैयार कर लें। कड़ाही में तेल गर्म करके धीमी आंच पर कचौड़ियां सुनहरी होने तक तलें। चटनी के साथ गरमा-गर्म सर्व करें।

Charbhuja

चारभुजा ग्रुप

(मिनरल्स एण्ड क्रशिंग प्लांट)

उदयपुर शहर के सर्वश्रेष्ठ

4 स्टेज क्रशिंग प्लॉट द्वारा निर्मित उच्चतम क्वालिटी युक्त

क्रशर गिट्टी एवं M सेंड रेती

9887388676, 9929955517

टोल फ्री नम्बर – 1800 1212 582

इस माह आपके सितारे

पं. शोभालाल शर्मा

मेष

स्थिति में कोई विशेष सुधार नहीं लगता, 4 फरवरी पश्चात पैतृक मामले सुलझेंगे, भाई–बहिनों से भी मन मुटाव संभव, स्वास्थ्य में अनमनापन रहेगा, विरोधी पक्ष हावी हो सकता है, कर्म क्षेत्र ठीक–ठाक रहेगा, भरोसा करना घातक हो सकता है, भाग्य पक्ष सामान्य रहेगा।

वृषभ

आर्थिक लाभ की प्रबल संभावनाएं परंतु रूकावटें भी संभव हैं, सफलता के 99वें पायदान से आप शून्य पर आ सकते हैं, भाग्य का पूरा सहयोग रहेगा, वाणी का विरोधाभास आपको हानि दे सकता है, भौतिक सुखों में वृद्धि संभव, सन्तान पक्ष से वैमनस्यता संभव।

मिथुन

क्रोध पर नियंत्रण रखें, कार्य क्षेत्र में उठा–पटक रहेगी, स्वास्थ्य सामान्य प्रतीत हो रहा है। बाहर जाने का मन बनेगा एवं यात्राएं शुभ रहेगी, पिता के स्वास्थ्य में एकदम गिरावट महसूस करेंगे, किन्ही वरिष्ठ जनों के परामर्श से ही काम करे तो शांति का अनुभव होगा।

कर्क

लाभ के अवसर मिलेंगे, परंतु भाग्य का पूरा साथ नहीं मिलेगा। कार्य विस्तार की योजनाएं बनेगी, मांगलिक कार्यों में अभिरूचि रहेगी, जीवन साथी के सहयोग से कार्यशैली में निखार आयेगा। खांसी, दमा से परेशानियां बढ़ सकती हैं, भूमिगत द्रव्यों से लाभ मिल सकता है।

सिंह

माह का उत्तरार्द्ध नई ऊर्जा का संचरण करेगा। लाभ के अवसर भी प्राप्त होंगे, परंतु स्वयं की गलतियों से मौका हाथ से निकल सकता है, दाम्पत्य जीवन में मधुरता का अनुभव करेंगे, शत्रु परास्त होंगे, स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, संतान पक्ष में हर्षोल्लास रहेगा।

कन्या

कमर से नीचे के अंग में परेशानियाँ उभर सकती हैं, जिससे खर्च बढ़ेगा। धर्म कार्य में रूचि रहेगी। कार्य क्षेत्र में मान–सम्मान को लेकर विवाद हो सकता है, ख्यालों की दुनिया से बाहर निकलें एवं यथार्थ में ही जीये, स्वास्थ्य पक्ष सामान्य रहेगा।

तुला

यह माह प्रसन्नता भरा रहेगा, जहां हाथ डाला वहीं लाभ होगा, सुनिश्चित करना होगा की आप स्वयं की दिनचर्या है। कारागार की यात्रा भी संभव है, प्रत्येक कार्य विवेक पूर्वक करें, भौतिक सुख–सुविधाओं में वृद्धि संभव है।

इस माह के पर्व/त्योहार

2 फरवरी	माघ शुक्ल चतुर्थी पंचमी	बसंत पंचमी
4 फरवरी	माघ शुक्ल सप्तमी	देवनारायण जयंती
10 फरवरी	माघ शुक्ल त्रयोदशी	नर्मदा प्राकट्योत्सव / विश्वकर्मा जयंती/गुरू गोरखनाथ जयंती
11 फरवरी	माघ शुक्ल चर्तुदशी	पं. दीन दयाल जयंती
12 फरवरी	माघ पूर्णिमा	संत रविदास जयंती
23 फरवरी	फाल्गुन कृष्णा दशमी	स्वामी दयानन्द सरस्वती जयंती
26 फरवरी	फाल्गुन कृष्णा त्रयोदशी	महाशिवरात्रि
27 फरवरी	फाल्गुन कृष्णा चर्तुदशी	स्वामी दयानन्द अमावस्या सरस्वती बोधोत्सव

वृश्चिक

अनियोजित कार्यों से हानि की संभावनाएं रहेगी, रक्त सम्बंधी गुप्त विकार प्रकट हो सकते हैं, नया वाहन क्रय करने के बारे में सोच सकते हैं, मान सम्मान बढ़ेगा। आपकी प्रगति से अन्यों को द्वेष हो सकता है, सावधानी रखे, राजनितिक गतिविधियों से दूर रहें।

धनु

परिवर्तन को स्वीकार करें, लाभ में रहेंगे, राजकीय एवं शासकीय कार्यों से नकारात्मक मिल सकती है, दाम्पत्य जीवन में तनाव एवं अवसाद का अनुभव करेंगे, अपनी अमिरूचि पर ध्यान दें, पैतृक मामले पक्ष में रहेंगे, सन्तान पक्ष से चिंता रहेगी।

मकर

माह का पूर्वाद्ध खुशियों से भरा रहेगा, कुछ न कुछ नया करने की अभिप्रेरणा बनी रहेगी, जिसका लाभ भी मिलेगा। अध्यात्म की ओर रूचि बढ़ेगी जिसके दीर्घकालिक लाभ रहेंगे, महत्वाकांक्षाओं पर कुठाराघात सहना पड़ेगा, संतान पक्ष से सकारात्मक संदेश मिलेगा।

कुम्भ

अपनी जिज्ञासाओं को असीम क्षेत्र दिजिये, जिससे भविष्य में छुपे रहस्य एवं लाभ को प्राप्त कर सके, पारिवारीक मामलो को किसी मध्यस्य के माध्यम से सुलझेंगे, अपने अधि कार्य करने वालों को संतुष्ट रखे लाभ होगा, भाग्य में असमानता का बोध रहेगा, स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

मीन

मन की अस्थिरता के चलते दैनन्दिन काम करना दुविधापूर्ण रहेगा। महत्वकांक्षा की पूर्ति के लिए सही दिशा में चिंतन करना होगा, अपने जीवन साथी पर पूर्ण भरोसा करें और उनकी सहायता से ही कोई कार्य करना श्रेयस्कर होगा।

प्रत्यूष समाचार

भूपाल नोबल्स संस्थान ने स्थापना दिवस मनाया

उदयपुर। महाराणा भूपालसिंह जी द्वारा वर्ष 1923 में स्थापित भूपाल नोबल्स संस्थान ने एक शताब्दी से अधिक समय में कई कीर्तिमान स्थापित करते हुए गत दिनों 103वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास से मनाया। सर्वप्रथम संस्थान के पौराणिक नर्बदेश्वर महोदव मंदिर प्रांगण में वैदिक मंत्रोच्चार से हवन कर उसमें आहुतियां दी गई। प्रबंध निदेशक मोहब्बत सिंह राठौड़ ने स्वागत भाषण में संस्थान की उपब्धियों का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि आज का दिन नये संकल्प लेने का शुभ दिन है। मुख्य अतिथि संस्थान के कार्यवाहक अध्यक्ष कर्नल प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत ने कहा कि सकारात्मकता के साथ संस्थान विकास में सहयोग करें। उन्होंने कहा 103 वर्ष पूर्व संस्थान की स्थापना करना गौरव की बात थी, तब साक्षरता दर मात्र .05 प्रतिशत थी। उन्होंने इस अवसर पर महाराणा भूपालसिंह व महेन्द्र सिंह मेवाड़ को याद किया। ओल्ड ब्वायज एसोसिएशन के सचिव भानुप्रतापसिंह झीलवाड़ा ने एसोसिएशन द्वारा संस्थान के विद्यार्थियों के हित में की जाने वाली गतिविधियों की जानकारी दी। अध्यक्षीय उद्‌बोधन में संस्थान के मंत्री डॉ. महेन्द्रसिंह आगरिया ने रक्तदान का महत्व बताया और संकल्प दिलाया कि हम पूर्वजों के बताए मार्ग पर चलकर बच्चों को सन्मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करेंगे। विशिष्ट अतिथि एक भारत श्रेष्ठ भारत शिविर के कैम्प कमाण्डेट लेफ्टिनेंट कर्नल मनमोहनसिंह रावत, लेफ्टिनेंट कर्नल शैलेन्द्रसिंह राठौड़ थे। ओल्ड ब्वायज एसोसिएशन व विद्या प्रचारिणी सभा के तत्वावधान में 103 यूनिट रक्तदान हुआ।

विद्याभवन में बाल पुस्तक महोत्सव

उदयपुर। विद्याभवन सोसायटी व विद्या भवन शिक्षा संदर्भ केन्द्र द्वारा समझ के साथ पढ़ना अभियान के तहत दूसरे उदयपुर बाल पुस्तक महोत्सव का आयोजन 3 से 31 जनवरी तक किया गया। मुख्य अतिथि पुलिस महानिरीक्षक राजेश मीणा ने उद्‌घाटन किया। इस अवसर पर विद्या भवन सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. जितेन्द्र तायलिया, उपाध्यक्ष हंसराज चौधरी, मुख्य संचालक (सीईओ) राजेन्द्र भट्ट और चौकसी समूह की सीएसआर प्रमुख नम्रता चौकसी भी उपस्थित थीं।

भण्डारी चेरिटेबल ट्रस्टः 310 यूनिट रक्त संकलन

उदयपुर। शीला भंडारी की 11वीं पुण्यतिथि पर भंडारी चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से रक्तदान शिविर लगाए गए। आयोजक गजेन्द्र भंडारी ने बताया कि आरएनटी ब्लड बैंक में 153 यूनिट रक्तदान किया गया। इस अवसर पर पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ प्रशासक गुलाबचंद कटारिया, चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी, सहकारिता मंत्री गौतम दक, भाजपा शहर जिलाध्यक्ष रवीन्द्र श्रीमाली, देहात जिलाध्यक्ष चन्द्रगुप्त सिंह चौहान, शहर भाजपा जिला उपाध्यक्ष अतुल चंडालिया, जिला महामंत्री किरण जैन आदि मौजूद थे।

सुथार समाज विकास संस्थान कार्यकारिणी ने ली शपथ

उदयपुर। श्री विश्वकर्मा मेवाड़ सुथार समाज विकास संस्थान की कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह श्री विश्वकर्मा मंदिर रकमपुरा में हुआ। अध्यक्षता सुरसुनिया धूणी की बाल योगिनी शारदा नाथ ने की। विकास संस्थान के अध्यक्ष चमनशेखर सुथार, महिला अध्यक्ष मीनाक्षी, उपाध्यक्ष राजेश सुथार, कोषाध्यक्ष नरेन्द्र सुथार, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जगदीश सुथार, महासचिव रामनारायण, संगठन मंत्री जगदीश सुथार, कार्यवाहक सदस्य पन्नालाल, सहसचिव बाबूलाल, ओमप्रकाश, रविन्द्र सुथार और लालशंकर ने शपथ ली। कार्यक्रम में 30 अप्रेल आखातीज पर सामूहिक विवाह के आयोजन का निर्णय किया गया।

मिराज फूड्स के नए प्लांट का शुभारंभ

नाथद्वारा। राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मार्केट में रैडी टू ईट एवं फ्रोजन उत्पादों की बढ़ती हुई मांग को ध्यान में रखते हुए हाल ही में मिराज फूड्स के अत्याधुनिक प्लांट का शुभारंभ मिराज ग्रुप के चेयरमैन मदन पालीवाल की धर्मपत्नी सुशीला देवी पालीवाल, सुपुत्री देवहुति पालीवाल एवं विकास पुरोहित ने किया।

अच्छे चरित्र की राष्ट्र निर्माण में बड़ी भूमिका : अग्रवाल

उदयपुर। गीतांजलि इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल स्टडीज में दो दिवसीय राष्ट्रीय कांफ्रेंस में भारतीय समाज में बदलते प्रतिमान और उनके प्रबंधकीय प्रभाव विषय पर गहन चर्चा हुई। गीतांजलि ग्रुप के चेयरमैन जेपी अग्रवाल ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि अच्छा चरित्र लोगों को एक अच्छा राष्ट्र विकसित करने में मदद करता है। एमबीए निदेशक डॉ. पीके जैन ने बताया कि मुख्य अतिथि निरमा यूनिवर्सिटी अहमदाबाद के डायरेक्टर जनरल डॉ. अनूप कुमार सिंह ने महिला सशक्तिकरण पर जोर दिया। विशिष्ट अतिथि एपेक्स यूनिवर्सिटी जयपुर के प्रो. वाइस चांसलर डॉ. राकेश जयपुर ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सकारात्मक पहलुओं को स्वीकार कर अपने कार्यों में समावेश करना चाहिए। असिस्टेंट डायरेक्टर रिसर्च डॉ. प्रदीप गर्ग ने धन्यवाद ज्ञापित किया। वित्त नियंत्रक बीएल जांगिड़ ने कहा कि कार्यक्रम में उपस्थित छात्रों, शिक्षकों और प्रबंधन क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने तकनीकी प्रगति और नैतिक मूल्यों के संतुलन की आवश्यकता पर सहमति व्यक्त की।

युवा हर चुनौती का सामना करने में सक्षमः पंड्या

उदयपुर। देव संस्कृति विश्वविद्यालय हरिद्वार के कुलपति और अखिल विश्व गायत्री परिवार के युवा प्रतिनिधि डॉ. चिन्मय पंड्या ने कहा कि हमारे देश का युवा हर चुनौती का सामना करने में सक्षम है, इसमें कोई दोराय नहीं है। यह 21वीं सदी युवाओं की ही है। जिस देश का युवा सशक्त हो, जो देश युवाओं का देश हो उस देश को विकसित राष्ट्र बनने से कोई नहीं रोक सकता है। डॉ. चिन्मय गायत्री परिवार की युवा इकाई द्वारा राजस्थान के संयोजन में यूनिसेफ और सुविवि के साझे में हुई दो दिवसीय युवा महोत्सव आरोहण सभा को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर सांसद डॉ. मन्नालाल रावत ने गायत्री परिवार युवा पीढ़ी के माध्यम से समाज के नवनिर्माण पर विश्वास जताया। प्रो. पीके कालरा ने युवाओं को निस्वार्थ सेवा कार्यों के लिए आगे आने का आह्वान किया। इस मौके पर गायत्री शिक्षण सेवा संस्थान के निदेशक डॉ. शैलेन्द्र पंड्या भी मौजूद थे।

डॉ. लक्ष्यराज की कलाकारों से भेंट

उदयपुर। नमस्ते इंडिया इंटरनेशनल ग्रुप और दुबई इंटरनेशनल आर्ट सेंटर की ओर से सिटी पैलेस में तीन दिवसीय दी इंटरनल उदयपुर कला प्रदर्शनी संपन्न हुई। महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन के प्रबंध न्यासी डॉ. लक्ष्यराजसिंह मेवाड़ ने कला की प्रशंसा की। फाउण्डेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. मयंक गुप्ता ने बताया कि फाउंडेशन के सहयोग से इस अंतरराष्ट्रीय कला उत्सव में अंतरराष्ट्रीय और स्थानीय कलाकारों द्वारा कला प्रदर्शन के साथ ही कार्यशाला के माध्यम से कला के ज्ञान का आदान-प्रदान किया गया।

खराड़ी को आदिवासी समाज रत्न पुरस्कार

उदयपुर। पूर्व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दिनेश खराड़ी को राष्ट्रीय आदिवासी समाज रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। कानपुर में संपन्न ऑल इंडिया आदिवासी एम्प्लॉइज फेडरेशन के 52वें अखिल भारतीय राष्ट्रीय अधिवेशन में मुख्य अतिथि गोवा के एसटी एससी आयोग के चेयरपर्सन दीपक करमलकर ने डॉ. खराड़ी को यह सम्मान प्रदान किया।

डॉ. मेहता आईडब्ल्यूपी के गवर्निंग बोर्ड में सम्मिलित

उदयपुर। विद्याभवन सोसायटी और झील संरक्षण समिति से जुड़े डॉ. अनिल मेहता को ग्लोबल वाटर पार्टनरशिप (जीडब्ल्यूपी) के भारतीय शाखा इंडिया पार्टनरशिप के गवर्निंग बोर्ड में चुना गया है। स्वीडन स्थित जीडब्ल्यूपी 180 देशों में कार्यरत एक अंतर सरकार संस्था है जो जल संसाधन प्रबंधन पर काम करती है।

किरण व मेहरा सम्मानित

कोटा। युगधारा उदयपुर की अध्यक्ष एवं साहित्यकार किरणबाला 'किरण' तथा राजस्थान साहित्य अकादमी के पूर्व प्रभारी सचिव कवि-गीतकार रामदयाल मेहरा को चम्बल साहित्य संगम कोटा द्वारा चंबल साहित्यश्री से गत दिनों सम्मानित किया गया। संस्थान सचिव हलीम आईना ने बताया कि यह सम्मान उन्हें समाज सेवी धन्नालाल की स्मृति में प्रदान किया गया। इस दौरान संस्थापक अध्यक्ष बद्रीलाल दिव्य की काव्यकृति 'स्वर्ग-नरक' का लोकार्पण भी संपन्न हुआ।

एनएसयूआईः प्रदीप प्रदेश महासचिव

उदयपुर। एनएसयूआई के राष्ट्रीय प्रभारी कन्हैयाकुमार, राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी के निर्देशानुसार राजस्थान के प्रदेश प्रभारी साहिल शर्मा, प्रदेश प्रभारी अखिलेश यादव, प्रदेश अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा की। इसमें उदयपुर से प्रदीप चौधरी को प्रदेश महासचिव के पद पर नियुक्त किया है।

उद्यमियों ने सरकार का जताया आभार

उदयपुर। राजस्थान के 20 जिलों के मिनरल ग्राइंडिंग उद्योग से जुड़े उद्यमियों को मिनरल उद्योग पर ट्रांजिट पास व्यवस्था हटाने से राहत मिली है। यह जानकारी ऑल राजस्थान मिनरल प्रोसेसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष गोपाल अग्रवाल, महासचिव रोहित मेहता ने दी। उन्होंने कहा पूर्व में मिनरल उद्योग पर लागू की गई व्यवस्था का राजस्थान के करीब 20 जिलों में कार्यरत मिनरल ग्राइंडिंग उद्योग के लोगों ने विरोध किया था। इस व्यवस्था के खिलाफ ऑल राजस्थान मिनरल प्रोसेसर्स एसोसिएशन के माध्यम से पूर्व में माननीय उच्च न्यायालय में याचिका दायर की गई थी। जिला कलेक्टर ने मुख्य सचिव को ट्रांजिट पास व्यवस्था को अव्यवहारिक बताते हुए मिनरल उद्यमियों की बात सरकार तक पहुंचाई। बीकानेर माइनर मिनरल उद्योग संघ के अध्यक्ष विजय कुमार जोशी, उपाध्यक्ष अभिषेक सिंघानिया, सचिव अशोक सोलंकी, कोषाध्यक्ष संजय भनोत, उपाध्यक्ष प्रकाश फुलानी, कोषाध्यक्ष राजेन्द्र पुरोहित, सह सचिव आशीष मित्तल, सह कोषाध्यक्ष अशोक ओझा, पलाश वैश्य, गिरीश भगत, राकेश नाहर, सुरेश जैन, सुनील छाजेड़ ने भी इस राहत पर सरकार का आभार जताया।

रॉकवुड्स का भव्य वार्षिकोत्सव

उदयपुर। रॉकवुड्स हाई स्कूल के दो दिवसीय वार्षिकोत्सव में प्री प्राइमरी से कक्षा चार तक के कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यकम की थीम 'रॉक ए जेन' संस्कृति से जुड़े रहना और नए विचारों के साथ नई उड़ान को भरना थी। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि निवृत्तिकुमार मेवाड़ थीं। उन्होंने आने वाली पीढ़ी को संस्कारवान और अपनी जड़ों से जुड़े रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम में डॉ. दीपक शर्मा, विक्रमजीत सिंह शेखावत, डॉ. वसुधा नीलमणि, रेनू राठौर आदि उपस्थित रहे।

नीरजा मोदी स्कूल का वार्षिकोत्सव

उदयपुर। सोजतिया द्वारा संचालित नीरजा मोदी स्कूल का वार्षिकोत्सव रंगारंग प्रस्तुतियों के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर स्कूल के श्रेष्ठ छात्रों को सम्मानित किया गया। वार्षिकोत्सव में मुख्य अतिथि पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया थे। विशिष्ट अतिथि राजस्थान सरकार के सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन मंत्री गौतम दक, उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, उदयपुर सर्राफा एसोसिएशन के अध्यक्ष यशवंत आंचलिया, सुरेश गुंदेचा, उद्योगपति व समाजसेवी संकेत मोदी, पेसिफिक ग्रुप के सीईओ शरद कोठारी और खेल अधिकारी महेश पालीवाल थे। संस्थापक प्रो. रणजीतसिंह सोजतिया ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर चेयरमैन डॉ. महेंद्र सोजतिया, सेक्रेटरी रीना सोजतिया, ट्रस्टी डॉ. ध्रुव सोजतिया, नेहल सोजतिया, स्कूल निदेशक साक्षी सोजतिया मौजूद रहे।

प्रेक्षा वरिष्ठ नागरिक संघ का स्थापना दिवस

उदयपुर। सामाजिक संस्था प्रेक्षा वरिष्ठ नागरिक संघ का 7वां स्थापना दिवस समारोह तेरापंथ भवन में हुआ। अध्यक्षता मुख्य संरक्ष राजकुमार फत्तावत और मोती पोरवाल ने की। कार्यक्रम के दौरान भंवरलाल मुणोत, राजमल चपलोत, ललित पोरवाल, मोतीलाल पोरवाल, विमला तोतावत, प्रकाश देवी कंठालिया, विजयलक्ष्मी मुंशी व हुकुमबाई पोरवाल को समाज गौरव अलंकरण से विभूषित किया गया। इस अवसर पर शांतिलाल सिंघवी, अर्जुन खोखावत आदि समाजजन मौजूद थे।

चिकित्सकों ने किया नववर्ष का स्वागत

उदयपुर। नववर्ष की वेला में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन उदयपुर की ओर से लाभगढ़ रिसोर्ट में न्यू ईयर ग्रेंड सेलिब्रेशन आयोजित हुआ। आयोजन में शहर के ख्यातनाम डॉक्टरों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. एमपी शर्मा थे। इस खास मौके पर ओ आर्म नेविगेशन मशीन की लांचिंग भी की गई। इस दौरान डॉक्र्स ने गीत-गजल, नगमें सुनाकर उल्लास का रंग भर दिया। आईएमए के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. एमपी शर्मा ने न्यू ईयर ग्रेंड सेलिब्रेशन कार्यक्रम के दौरान डॉ. आनंद गुप्ता व सदस्यों को बेस्ट ब्रांच अवार्ड की ट्रॉफी प्रदान की। उन्होंने डॉ. गुप्ता के सांगठनिक कौशल और चिकित्सक हितों के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की। इस दौरान डॉ. अमित खंडेलवाल, डॉ. अनुराग तलेसरा, डॉ. भगराज चौधरी, डॉ. डैनी मंगलानी, डॉ. दीपक शाह, डॉ. कनिष्क मेहता, डॉ. मनोज अग्रवाल, डॉ. नीलेश पतिरा, डॉ. निशांत अश्वनी, डॉ. संजय गांधी, डॉ. शिव कौशिक, डॉ. तरुण अग्रवाल, डॉ. उमेश स्वर्णकार आदि मौजूद रहे।

पिम्स उमरड़ा और 185 सैन्य अस्पताल के बीच एमओयू

उदयपुर। काफी समय से पिम्स अस्पताल देश के वीर सैनिकों व उनके परिवार का बखूबी इलाज कर रहा है, जिसके तहत 185 सैन्य अस्पताल और पेसिफिक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पिम्स अस्पताल) उमरड़ा उदयुपर के बीच गत दिनों एमओयू हुआ। एमओयू पर पिम्स अस्पताल के चेयरमैन आशीष अग्रवाल, नमन अग्रवाल मैनेजिंग डायरेक्टर व मेडिकल डायरेक्ट डॉ. कमलेश शेखावत और 185 सैन्य अस्पताल के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल मुकुल गुप्ता ने हस्ताक्षर किए। समझौते का मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक आपदाओं, मानव निर्मित संकटों और युद्ध के समय स्वास्थ्य सेवा संसाधनों को साझा करना है।

कान के अंदर जटिल कैंसर का सफल ऑपरेशन

उदयपुर। पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के चिकित्सकों ने कान के अंदर वाले हिस्से के जटिल कैंसर से पीड़ित 75 साल की महिला का सफल ऑपरेशन किया है। लखावली निवासी महिला को पिछले एक साल से कान में दर्द की शिकायत के चलते स्थानीय चिकित्सालय में दिखाया तो जांच करने पर कैंसर का पता चला। परिजनों ने महिला को पेसिफिक हॉस्पिटल में सर्जन डॉ. सौरभ शर्मा को दिखाया। डॉ. शर्मा ने बताया कि इस ऑपरेशन में ईएनटी सर्जन डॉ. एसएस कौशिक के साथ मिलकर माइक्रोस्कोप की मदद से सावधानी पूर्वक ट्यूमर को निकालकर पिन्ना को बचाते हुए वापस बाहर का कान बनाया गया। उन्होंने बताया कि कान के कैंसर की बीमारी हड्डी तक फैल चुकी थी, जिसका लैटरल रेडिकल टेम्पोरल बोन रिसेक्शन सर्जरी से सफल उपचार किया गया। निशुल्क इलाज के लिए परिजनों ने पीएमसीएच के चेयरमैन राहुल अग्रवाल, एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर अमन अग्रवाल का आभार जताया।

यूसीसीआई में राष्ट्रीय कार्यशाला

उदयपुर। उदयपुर चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज में खान सुरक्षा महानिदेशालय उत्तर पश्चिमी अचंल उदयपुर के तत्वावधान में खानों में व्यावसायिक स्वास्थ्य सेवाएं-वर्तमान परिदृश्य, चुनौतियां और आगे की राह विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला हुई। मुख्य अतिथि व खान सुरक्षा महानिदेशक उज्जवल ताह और विशिष्ट अतिथि निदेशक खान एवं भू विज्ञान विभ्झाग, राजस्थान भगवती प्रसाद थे, जबकि सम्मानित अतिथि खान सुरक्षा उपमहानिदेशक आरटी मांडेकल, हिंदुस्तान जिंक सीईओ अरुण मिश्रा, यूसीसीआई अध्यक्ष मांगीलाल लूणावत थे।

चौथी बार अध्यक्ष बने मनवानी

उदयपुर। पूज्य प्रतापनगर सिंधी पंचायत के वर्ष 2025-27 के तीन वर्षों के लिए हुए चुनाव में उमेश मनवानी निर्विरोध चुने गए। उमेश मनवानी गत सात वर्षों से अध्यक्ष पद की सेवाएं दे रहे हैं। उपाध्यक्ष पद पर विक्की राजपाल, सहसचिव पद पर अजय गंगानी व कोषाध्यक्ष पर मनीष विधानी चुने गए।

निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर

उदयपुर। सर्वोदय मानव सवो चैरिटेबल ट्रस्ट, श्री बिलोचिस्तान पंचायत, सनातन धर्म सेवा समिति के तत्वावधान में सनातन मंदिर में निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर लगाया गया। इसमें जयदृष्टि आई हॉस्पिटल की नेत्र रोग विशेष डॉ. शर्वा पंड्या, टीम ने 98 मरीजों की आंखों की निशुल्क जांच की। श्री बिलोचिस्तान पंचायत व सनातन धर्म सेवा समिति के अध्यक्ष नानकराम कस्तूरी, महासचिव विजय आहुजा, उपाध्यक्ष मनोज कटारिया, सर्वोदय मानव सेवा चेरिटेबल ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. उपवन पंड्या भी मौजूद थे।

सावित्रीबाई फुले जयंती समारोह

उदयपुर। सावित्रीबाई फुले भारत की पहली महिला शिक्षिका थी। उन्होंने अपने जीवन में महिला सशक्तीकरण शिक्षा और सामाजिक सुधार के कई कार्य किए। उन्होंने बाल विवाह, छुआछूत और जाति भेदभाव के खिलाफ संघर्ष किया और महिला शिक्षा के लिए अनेक स्कूल स्थापित किए। ये विचार उदयपुर संभाग स्तरीय सावित्रीबाई फुले जयंती के अवसर पर दिनेश माली ने व्यक्त किए। मोहनलाल सुखाड़िया रंगमंच पर सर्व ओबीसी समाज महापंचायत ट्रस्ट, सामाजिक अधिकारिता एवं न्याय विभाग एवं सावित्री बा फुले पर्यावरण एवं शिक्षण संस्थान के तत्वावधान में सावित्री बाई फुले जयंती मनाई गई। इस मौके पर 149 शिक्षिकाओं एवं 18 प्रतिभाओं को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए उपरणा ओढ़ाकर सावित्रीबाई फुले साहित्य व स्मृति चिह्न भेंटकर अभिनंदन किया गया। सर्व ओबीसी समाज महापंचायत ट्रस्ट के संस्थापक दिनेश माली ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. सुधा चौधरी ने की व मुख्य अतिथि मोतीलाल सांखला थे। विशिष्ट अतिथि लोकेश चौधरी, रमाकांत अजारिया, भंवरलाल सुहालका, पीएस पटेल, सूर्य प्रकाश सुहालका, मणिबेन पटेल थी। संचालन सूर्यप्रकाश सुहालका, राजेन्द्र सेन व नम्रता चौधरी ने किया।

डॉ. अरविंदर ने हार्वर्ड में शत-प्रतिशत ग्रेड प्राप्त की

उदयपुर। डॉ. अरविंदर सिंह, सीईओ अर्थ डायग्नोस्टिक्स ने हाल ही में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी अमेरिका से कम्युनिकेशन और प्रजेंटेशन स्किल्स में 100 प्रतिशत अंक के साथ प्रमाण पत्र प्राप्त किया। कुछ दिन पहले ही डॉ. सिंह ने गुगल से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में भी 100 प्रतिशत अंक प्राप्त किए थे, जो उनकी तकनीकी जानकारी और भविष्य की दिशा में सकारात्मकता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्हें ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और ब्रिटिश पार्लियामेंट से भी सम्मान मिल चुका है।

कार्निवल व एलुमनी मीट में शानदार प्रस्तुतियां

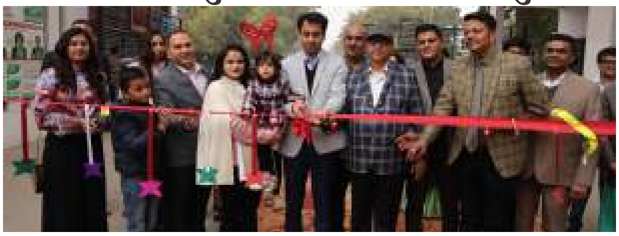

उदयपुर। दिल्ली पब्लिक स्कूल में क्रिसमस कार्निवल के साथ ही एलुमनी मीट 2024 का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि जिला कलक्टर अरविंद पोसवाल ने उद्घाटन किया। कार्यक्रम में प्राथमिक विभाग के बच्चों ने रैली डांस, आर्केस्ट्रा, क्रिसमस कैरॉल व समूह गान की प्रस्तुति दी। विशिष्ट अतिथि पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल और अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट राजीव द्विवेदी ने लकी ड्रा के विजेताओं के नाम की घोषणा की व पुरस्कार प्रदान किए। इस मौके पर प्राचार्य संजय नरवारिया, उपप्राचार्य राजेश धाभाई, प्रो वाइस चेयरमैन गोविंद अग्रवाल, प्रबंधन समिति के सदस्य मणि अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, देवेश अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

राजपूत समाज और आदिगौड़ ब्राह्मण समाज परिचय सम्मेलन

उदयपुर। मेवाड़ राजपूत समाज सेवा संस्थान के तत्वावधान में युवक-युवती परिचय सम्मेलन फतह स्कूल में हुआ। मुख्य अतिथि प्रीतमसिंह पंवार थे। अध्यक्षता मोहन सिंह राठौड़ ने की। विशिष्ट अतिथि प्रतापसिंह सोलंकी, अति विशिष्ट अतिथि गजेन्द्रसिंह राठौड़ थे। करणसिंह चौहान ने बताया कि युवक-युवती परिचय सम्मेलन में राजस्थान के अनेक जिलों से युवक-युवतियां परिचय देने उदयपुर आए। लक्ष्मणसिंह चौहान ने कहा कि सरकार की ओर से समाज को जो जमीन आवंटित हुई, उसमें सभी समाजजन सहयोग बढ़-चढ़कर करें। आदिगौड़-सनाढ्य ब्राह्मण समाज समिति के तत्वावधान में निम्बार्क शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में 18वां वैवाहिक परिचय सम्मेलन हुआ। डॉक्टर-इंजीनियर्स-सीए सहित 164 लड़के और 53 लड़कियों सहित 217 ने परिचय दिया और अपने भावी जीवन साथी के लिए अपेक्षाएं बताई। सम्मेलन स्थल पर 26 जोड़ों की वैवाहिक सहमति बनी। सम्मेलन के मुख्य अतिथि महंत रास बिहारी थे। विशिष्ट अतिथि डॉ. हरगोविंद गौड़, केके शर्मा, डॉ. अनिल शर्मा आदि थे। अध्यक्षता सत्यनारायण गौड़ ने की।

मार्बल एसोसिएशन कैलेंडर का विमोचन

उदयपुर। उदयपुर मार्बल एसोसिएशन के नववर्ष 2025 के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन एवं घनश्यामसिंह कृष्णावत सभागार में स्थायी प्रोजेक्टर का लोकार्पण हुआ। एसोसिएशन अध्यक्ष पंकज गंगावत ने बताया कि नववर्ष कैलेंडर विमोचन एवं प्रोजेक्टर का लोकर्पण सांसद मन्नालाल रावत एवं शहर विधायक ताराचंद जैन ने किया। सांसद रावत व विधायक जैन ने उदयपुर मार्बल मंडी से संबंधित समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। सचिव नीरज शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में एसोसिएशन के नव मनोनीत संरक्षक महिपाल सिंह रूपपुरा एवं विरमदेव सिंह कृष्णावत का स्वागत किया गया।

डॉ. चक्रवर्ती राजस्थान लोन टेनिस के उपाध्यक्ष बने

उदयपुर। राजस्थान लोन टेनिस के चुनाव में उदयपुर के टेनिस खिलाड़ी डॉ. दीपांकर चक्रवर्ती निर्विरोध उपाध्यक्ष चुने गए। डॉ. चक्रवर्ती ने बताया कि हाल ही में ऑल इंडिया टेनिस एसोसिएशन से मान्यता प्राप्त होने से अब विभिन्न वर्गों की टेनिस प्रतियोगिता राजस्थान टेनिस एसोसिएशन के माध्यम से हो सकेगी।

मोटिवेशनल सेमिनार एवं सम्मान समारोह

उदयपुर। कालका माता स्थित रॉयल संस्थान उदयपुर में मोटिवेशनल सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आइएएस प्रहलाद नारायण शर्मा, पूर्व आईसीएआर डीडीजी और महाराणा प्रताप उदयपुर यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर एनएस राठौड़, सीनियर वेयर हाउस मैनेजर प्रभुदयाल कुमावत रहे। संस्थान निदेशक जीएल कुमावत ने बताया कि 2024 में प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर परिणाम देने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

हिंदुस्तान जिंक शीर्ष 50 ग्रेट मैनेजर कंपनियों में शामिल

उदयपुर। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी एकीकृत जिंक उत्पादक कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड को 2024 के लिए भारत में ग्रेट मैनेजर की शीर्ष 50 कंपनियों में स्थान मिला है। पीपल बिजनेस कंसल्टिंग की ओर से यह मान्यता प्रदान की गई। कंपनियों के लिए ग्रेट मैनेजर्स पुरस्कार सबसे प्रशंसित पुरस्कारों में से एक हैं, जो संगठनों के उद्योग में बेंचमार्क स्थापित करने के सक्षम बनाता है। भारत के शीर्ष 50 में शामिल होने के अलावा हिंदुस्तान जिंक के तीन मैनेजर को 2024 के लिए भारत के शीर्ष 100 ग्रेट मैनेजर में नामित किया गया है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी और पूर्णकालिक निदेशक अरुण मिश्रा ने कहा कि हम इस उपलब्धि पर गौरवांवित हैं।

अल्ट्रासाउंड ट्यूमर एस्पिरेटर से कॉम्प्लैक्स न्यूरोसर्जरी

उदयपुर। पारस हेल्थ ने 56 वर्षीय एक व्यक्ति की सफलतापूर्वक एक कॉम्प्लैक्स न्यूरोसर्जरी की। व्यक्ति एक बड़े ब्रेन ट्यूमर से जूझ रहा था। इस वजह से उसके बोलने, हाथ और पैर की हरकत प्रभावित हो रही थी। मरीज की 2016 में पहले भी सर्जरी प्लान की गई थी, लेकिन बहुत ज्यादा खून बहने की वजह से उक्त सर्जरी को रोकना पड़ा था। अपनी हालत खराब होने का अनुभव करने के बाद मरीज उदयपुर के पारस हेल्थ न्यूरोसर्जन डॉ. अमितेंदु शेखर के पास आया। जहां उनकी टीम ने ट्यूमर को सुरक्षित और प्रभावी ढंग से हटाने के लिए अल्ट्रासाउंड ट्यूमर एस्पिरेटर सहित एडवांस्ड न्यूरोसर्जिकल तकनीकों का इस्तेमाल किया। यह प्रक्रिया बहुत कम ब्लीडिंग के साथ की गई, जिसमें रोगी की सुरक्षा सुनिश्चित हुई और इसमें शामिल खतरे काफी कम हो गए। सर्जरी के बाद मरीज के स्वास्थ्य में काफी सुधार हुआ है।

नन्हे शूटर ने क्वालीफाई किया

उदयपुर। प्रतिभाशाली नन्हे राष्ट्रीय शूटर, कपिश तोमर ने हाल ही भोपाल में आयोजित 10 मीटर एयर राइफल शूटिंग की राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में सब यूथ श्रेणी में नेशनल के लिए क्वालीफाई कर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इस शानदर प्रदर्शन के दम पर कपिश ने भारतीय टीम के ट्रायल के लिए भी क्वालीफाई किया है।

उदयपुर कैटरिंग डीलर्स समिति का स्नेह मिलन

उदयपुर। उदयपुर कैटरिंग डीलर्स समिति की ओर से नववर्ष 2025 के कैलेंडर और नववर्ष स्नेह मिलन गत दिनों हुआ। मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया, कैलेंडर विमोचनकर्ता विप्र फाउण्डेशन के प्रदेशाध्यक्ष नरेन्द्र पालीवाल, विशिष्ट अतिथि समाजसेवी प्रमोद सामर, पूर्व राज्यमंत्री जगदीश राज श्रीमाली, हिंदू जागरण मंच चित्तौड़ प्रांत रविकांत त्रिपाठी, हाड़ौती हलवाई कैटरर्स एसोसिएशन कोटा के अध्यक्ष अन्नू अग्रवाल, कार्यक्रम अध्यक्ष जयपुर कैटरिंग डीलर समिति के अध्यक्ष मनोज सेवानी, उदयपुर अध्यक्ष कमल गुर्जर, सचिव नरेश बंदवाल सहित पदाधिकारी रहे। सांसद गरासिया ने कहा कि झीलों के शहर में होने वाली सामान्य से लेकर शाही शादियों तक कैटरिंग समिति से जुड़े लोग ना सिर्फ खाना परोसते हैं, बल्कि संस्कृति भी परोसते है। प्रमोद सामर ने कहा कि ये लोग भोजन, सजावट आदि पर काफी मेहनत करते हैं। जगदीश राज श्रीमाली ने कहा कि शहर के कैटरिंग व्यवसाय से जुड़ें लोगों की विश्वसनीयता के चलते रॉयल और डेस्टिनेशन वेडिंग काफी बढ़ गई है। नरेन्द्र पालीवाल ने कहा कि लेबर्स को समय पर फ्री करने को लेकर स्थानीय प्रशासन और सरकार से बात कर समय सीमा निर्धारित किया जाए। समिति अध्यक्ष कमल गुर्जर ने धन्यवाद देते हुए कहा कि यह आयोजन सभी की मेहनत और भामाशाहों के सहयोग से हुआ। समिति के सचिव नरेश बंदवाल ने कहा कि कैटरिंग व्यवसाय में आधी रात तक खाना उपलब्ध करवाना एक बड़ी चुनौती है।

विश्व हिंदी साहित्य संस्थान का गठन

मावली। नई साहित्यिक संस्था विश्व हिंदी साहित्य संस्थान का गठन किया गया है। जिसकी कार्यकारिणी में अध्यक्ष बसंत कुमार त्रिपाठी, निदेशक डॉ. बनवारीलाल पारीक नवल, उपाध्यक्ष पीयूष जोशी, महासचिव तरुण कुमार दाधीच, संगठन महासचिव गोपालकृष्ण गर्ग, सचिव दिनेश बोरीवाल, मुख्य समन्वयक डॉ. ललित नारायण आमेटा, प्रवक्ता शुभम कडेला एवं संरक्षक डॉ. जगदीश चन्द्र शर्मा को मनोनीत किया गया है। त्रिपाठी ने बताया कि संस्था का उद्देश्य स्कूल-कॉलेज में साहित्यिक प्रतियोगिताएं, साहित्यकारों का सम्मान, गोष्ठियों एवं सेमिनार आयोजित करना एवं नवोदित साहित्यकारों को प्रोत्साहन देना होगा।

कैलेंडर का विमोचन

नाथद्वारा प्रात:काल-मिराज कैलेंडर का विमोचन करते मिराज समूह के सीएमडी मदन पालीवाल व अन्य।

इंडस्ट्रियल फेयर का समापन : 100 करोड़ पार व्यापार

उदयपुर। लघु उद्योग भारती उदयपुर इकाई के तत्वावधान में डीपीएस मैदान में इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर-2025 के समापन समारोह में मुख्य अतिथि जनजाति मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने उद्यमियों को सलाह दी कि अगर पर्यावरण ठीक नहीं है तो हम कुछ नहीं कर पाएंगे। चाहे कितने ही विकसित हो जाएं। इसलिए पर्यावरण का पूरा ध्यान रखें। विशिष्ट अतिथि डीपीएस स्कूल के संचालक गोविंद अग्रवाल, आरएसएस के विभाग संचालक हेमेन्द्र श्रीमाली, लघु उद्योग भारती के जिला अध्यक्ष मनोज जोशी और प्रदेश महामंत्री योगेन्द्र शर्मा थे। आईआईएफ-2025 का उद्देश्य उदयपुर को व्यापार का केन्द्र बनाना है। उन्होंने बताया कि इन चार दिनों में 100 करोड़ से अधिक का कारोबार हुआ जिसमें करीब सवा लाख लोग आए।

जय राजस्थान का 53वां स्थापना दिवस

उदयपुर। जयराजस्थान दैनिक के 53वें स्थापना दिवस पर गत दिनों आयोजित समारोह में वरिष्ठ पत्रकार विष्णु शर्मा हितैषी, सनत जोशी, दिलीप कोठारी, सुरेश लखन, महेश व्यास, भूपेन्द्र चौबीसा, तुक्तक भानावत को सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. प्रेम भंडारी व विशिष्ट अतिथि डॉ. सी.पी अग्रवाल थे। संयोजन मधु अग्रवाल ने किया। पत्र के सम्पादक शैलेश व्यास ने 53 वर्षीय प्रकाशन यात्रा पर प्रकाश डाला। काव्यगोष्ठी एवं कैलेण्डर का विमोचन भी हुआ।

इलेक्ट्रोनिक्स ट्रेड एसोसिएशन का स्नेह मिलन

उदयपुर। इलेक्ट्रोनिक्स ट्रेड एसोसिएशन का स्नेह मिलन शुभमंगल गार्डन में हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. आनंद गुप्ता ने सभी सदस्यों को जीवन प्रबंधन को लेकर जागरूक किया। पूर्वाध्यक्ष रमेश शाह ने संगठन के गठन के बारे में बताया। पूर्वाध्यक्ष सुरेश धोका ने बताया कि समारोह में डायरी का विमोचन कर वितरण किया गया।

डॉ. भाणावत को भारत भूषण सम्मान

उदयपुर। लेकसिटी के करेंसी मैन डॉ. विनय भाणावत को नेशनल ऐंटी हेरसमेंट फाउंडेशन ने भारत भूण राष्ट्रीय सम्मान-2024 से नवाजा । यह सम्मान डॉ. भाणावत को नोटाफिलिस्ट एवं कौमी एकता के लिए दिया गया।

जार पत्रकार सम्मान समारोह

पहले राष्ट्र फिर परिवार : सैनी

उदयपुर। जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (जार) के प्रदेशाध्यक्ष संजय सैनी ने कहा कि पत्रकार के लिए सबसे पहले राष्ट्र फिर परिवार और समाज है। वे पेसिफिक कॉलेज ऑफ पैरा मेडिकल साइंस सभागार में आयोजित संभागीय जार पत्रकार सम्मान समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से की गई भेंट का उल्लेख करते हुए पत्रकारों के लिए आवास और चिकित्सा सुविधाओं में सुधार की जानकारी दी। जार के प्रदेश महासचिव सुरेश पारीक ने भी विचार व्यक्त किऐ। मुख्य अतिथि पेसिफिक मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अभिषेक आचार्य ने पत्रकारिता को समाज में बदलाव लाने का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। वरिष्ठ पत्रकार विष्णु शर्मा हितैषी ने ग्रामीण पत्रकारों की कठिनाइयों पर बात की। जिलाध्यक्ष राकेश शर्मा राजदीप ने संगठन में अनुशासन के लिए किए गए कड़े निर्णयों पर चर्चा की। मंचासीन अतिथियों में वरिष्ठ पत्रकार विष्णु शर्मा हितैषी, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सुभाष शर्मा, नरेश शर्मा और समाजसेवी मुकेश माधवानी शामिल थे। समारोह के दौरान जार संवाद का विमोचन और लेपटॉप बेग, विंडशीटर का लोकार्पण भी किया गया।

इनका भी हुआ सम्मान: उमेश चौहान, दिनेश हाड़ा, जयवंत भैरविया, दिनेश जैन, डॉ सीमा चम्पावत, जिलाध्यक्ष राकेश शर्मा राजदीप, राजेश वर्मा, नानालाल आचार्य, महिपाल शर्मा, बाबूलाल ओड, मांगीलाल लोहार, नवरतन खोखावत, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सुभाष शर्मा, विजय शर्मा, कौशल मूंदडा, गोपाल लोहार, हितेश शर्मा, दिग्विजय जैन, विप्लव जैन, लक्ष्मण गोराणा, योवंतराज माहेश्वरी, यशवंत सालवी, दिनेश शर्मा, यतेंद्र दाधीच को सम्मानित किया गया। समारोह का सफल संचालन ओमपाल सीलन ने किया।

देश की बेस्ट ब्रांच बना आईएमए उदयपुर

उदयपुर। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के वर्ष 2024 के लिए सलाना नेशनल अवाइर्स की घोषणा गत दिवस हैदराबाद में हुई। इसमें 1700 ब्रांचों में से उदयपुर ब्रांच को बेस्ट ब्रांच के अवार्ड से नवाजा गया। अध्यक्ष डॉ. आनंद गुप्ता के नेतृत्व में उदयपु ब्रांच लगातार चिकित्सकों के हित में आवाज बनकर उभरा है। सचिव डॉ. प्रशांत अग्रवाल ने बताया कि इसमें क्षेत्र के सैकड़ों चिकित्सक जुड़े हुए हैं।

खान सुरक्षा सप्ताह का समापन

उदयपुर। खान सुरक्षा महानिदेशालय (डीजीएमएस) के तत्वावधान में डबोक स्थित उदयपुर सीमेंट वर्क्स में 48वें खान सुरक्षा सप्ताह का समापन हुआ। समारोह में उत्कृष्ट एवं सुरक्षित कार्य प्रणाली एवं उनकी गुणवत्ता के मानकों के आधार पर विभिन्न खदानों को 250 पुरस्कारों का वितरण किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि डीजीएमएस के डिप्टी डायरेक्टर जनरल आरटी माण्डेकर एवं विशिष्ट अतिथि इंटक नेता जगदीशराज श्रीमाली थे। अध्यक्षता उदयपुर सीमेंट वर्क्स के पूर्णकालिक निदेशक नवीनकुमार शर्मा ने की। इस अवसर पर माइंस सेफ्टी उदयपुर रीजन के डायरेक्टर बी दयासागर, डिप्टी डायरेक्टर माइंस सेफ्टी विशाल गोयल, उदयपुर सीमेंट वर्क्स के वाइस प्रेसिडेंट माइंस केपी सिंह और सेकेट्री सीएस दाधिच भी उपस्थित थे।

गोपाल एनएसयूआई प्रदेश महासचिव

उदयपुर। एनएसयूआई की प्रदेश कार्यकारिणी में उदयपुर के गोपाल गायरी को महासचिव नियुक्त किया गया। गोपाल पूर्व में उदयपुर शहर के एनएसयूआई अध्यक्ष रह चुके हैं।

तारा संस्थान में सम्मान समारोह

उदयपुर। अदबी उड़ान एवं तारा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में सम्मान समारोह का आयोजन तारा संस्थान के माँ द्रौपदी देवी आनन्द वृद्धाश्रम में किया गया। अदबी उड़ान संस्था से जुड़े लगभग 35 सदस्य बुजुर्गों से मिले। इकबाल सागर, डाड़म चन्द डाड़म, श्रेणी दास चारण, लक्ष्मी दास चारण, डॉ. सईद इकबाल खुर्शीद अहमद शेख, डॉ. चंद्रप्रकाश अग्रवाल, डॉ. मनोहर श्रीमाली, श्याम मठपाल, सुभाष अग्रवाल, वंदनराज टांक ने काव्यपाठ किया। तारा संस्थान की संस्थापक अध्यक्ष कल्पना गोयल एवं सचिव दीपेश मित्तल ने सभी को सम्मानित किया। विजय सिंह चौहान ने तारा संस्थान की गतिविधियों की जानकारी दी।

स्वामीजी पर सूक्ष्म पुस्तिका

उदयपुर। स्वामी विवेकानंद जयंती (12 जनवरी) पर स्वामीजी के जीवन आदर्शों पर आधारित चन्द्र प्रकाश चित्तौड़ा द्वारा निर्मित सूक्ष्म पुस्तिका का शहर जिला भाजपाध्यक्ष रवीन्द्र श्रीमाली ने विमोचन किया। आयड़ स्थित स्वामी विवेकानंद मूर्ति स्थल पर आयोजित समारोह में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि ओम प्रकाश चित्तौड़ा, जितेन्द्र मारू, छोगालाल भोई, महेश भावसार, नरेश वैष्णव थे।

कैसा लगा यह अंक

प्रत्यूष

इस अंक में कौन सा आलेख आपको ज्यादा पसंद आया। आप किन विषयों पर आलेख पढ़ना ज्यादा पसंद करेंगे? किस विषय पर आप हमें अपना मौलिक आलेख, शोध, कविता, कहानी भेजना चाहेंगे। कृपया हमें लिखें। आपके रचनात्मक सुझावों का सदैव स्वागत होगा।

संवेदना/श्रद्धांजलि

खेरथल। मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार हिरेन जोशी की दादी भगवती देवी (92) का 7 जनवरी को निधन हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त पुत्र देवीदत्त, पौत्र कमल व हिरेन जोशी सहित पौत्र-पौत्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्रीमती शुचि शुक्ला का 3 जनवरी को अहमदाबाद में आकस्मिक देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल सासु मां श्रीमती उर्मिलादेवी, पति वेदांत शुक्ला पुत्र ध्रुव, पुत्री काशवी सहित भाई-भतीजों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। एडवोकेट श्री मदनलाल जी कुराड़िया का 9 जनवरी को देहांत हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय धर्मपत्नी श्रीमती सीता देवी, पुत्र मनोज, पुत्रियां श्रीमती प्रेमदेवी हाड़ा, नीतूदेवी गटकणिया, पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों व भाई-भतीजों का वृहद संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती कांता देवी औदिच्य (धर्मपत्नी स्व. अम्बालाल जी औदिच्य) का 9 जनवरी को निधन हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त पुत्र डॉ. दीपक व प्रकाश, पुत्रियां श्रीमती ज्योति, आरती व पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्रीमती दौलतदेवी जैन का देहावसान 10 जनवरी को हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त पति कांतिलाल जैन, पुत्र राजेश जैन-पूर्व पार्षद, संजीव जैन, पुत्रियां श्रीमती डिम्पल व सिम्पल तथा पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्रीमती किरण जी पांडे (धर्मपत्नी श्री मनोज जी पांडे) का 29 दिसम्बर 24 को आकस्मिक स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय पति, पुत्र गौरव, ससुर श्री कृष्णचंद्र जी पांडे, देवर-देवरानियों, प्रेमलता-परमेश्वर जी माता-पिता सहित भाई-भतीजों का वृहद

उदयपुर। श्री यज्ञनारायण जी अग्रवाल (ब्यावर वाले) का 23 दिसम्बर 24 को निधन हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त पुत्र रुपेश व मनीष, पुत्री श्रीमती ऋतु तथा पौत्र, दोहित्र-दोहित्री एवं भाई-भतीजों का संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री बंशीलाल जी जोशी सुपुत्र स्व. डालचंद जी जोशी साकरोदा (मावली) वाला का देहावसान 7 जनवरी को हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त धर्मपत्नी श्रीमती नर्मदा देवी, पुत्र प्रदीप व विजय, पुत्रियां श्रीमती चंद्रकला व गायत्री सहित पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों व भाई-भतीजों का वृहद व संपन्न पविार छोड़ गए हैं।

कांकरोली। श्री प्रदीप जी भंडारी की धर्मपत्नी श्रीमती लीलादेवी जी का 3 जनवरी को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त पति, श्रीमती निर्मला देवी सासुजी, सरिता पुत्रवधु, पुत्रियां श्रीमती अंकिता चौधरी, आस्था नैनावटी, एवं दोहित्र-दोहित्रियों तथा देवर-

उदयपुर। श्री मनोहन शंकर जी द्विवेदी का 31 दिसम्बर को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल धर्मपत्नी श्रीमती भगवतीदेवी, पुत्र प्रमोद, पौत्र-पौत्रियों एवं भाई-भतीजों का वृहद परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती अंजना जी शर्मा (धर्मपत्नी श्री कैलाश जी शर्मा) निवासी बेडवास का 1 जनवरी को निधन हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय पति, भगवतीलाल-ललिता (सास-ससुर) पुत्र क्षितिज, पुत्री श्रद्धा सहित देवर-देवरानियों का समृद्ध परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री पीएल गहलोत जी का 18 दिसम्बर 24 को इंदौर में देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त धर्मपत्नी श्रीमती विद्या गहलोत, पुत्रियां श्रीमती सीमा तनेजा, श्रीमती अलका राठौड़, भावना जैन, नीलू राठौड़, रानू गहलोत सहित दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

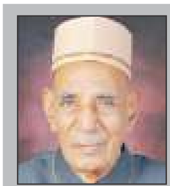

उदयपुर। श्री रोशनलाल जी झगड़ावत का आकस्मिक देहावसान 17 दिसम्बर 24 को हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल धर्मपत्नी श्रीमती भागवंत देवी, पुत्र प्रकाश, श्यामलाल व चन्द्रप्रकाश, पुत्रियां श्रीमती कौशल्या चौधरी, विमला कोठारी, पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों एवं भाई-भतीजों का वृहद व समृद्ध परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। समाजसेवी डॉ. ओमप्रकाश जी महात्मा का 3 जनवरी को आकस्मिक देहावसान हो गया। वे 82 वर्ष के थे। डॉ. महात्मा ने राजकीय सेवा में रहते आदिवासी अंचल में महनीय सेवाएं दी। वे राजसमंद जिले के उपमुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी पद से सेवानिवृत्त हुए। उन्होंने ज्ञान हेल्थ इंस्टीट्यूट संस्थान की स्थापना कर ग्रामीण क्षेत्रों में अनेक चिकित्सा शिविर लगाए। स्वयंसेवी संस्थाओं की मदद के लिए उन्होंने एनजीओ फैडरेशन ऑफ राजस्थान की भी स्थापना की। वे अपने पीछे शोक संतप्त धर्मपत्नी श्रीमती ज्ञानदेवी, पुत्र विष्णुकांत व मुकेश पुत्रियां श्रीमती शशिकला, राजकुमारी व श्रीमती रेखा सहित पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का संपन्न परिवार छोड़ गए है।

उदयपुर। श्री बसंतकुमार जी दाधीच का 6 जनवरी को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय धर्मपत्नी श्रीमती कृष्णा देवी, पुत्र स्वतिक, पौत्र-पौत्रियों व भाई-भतीजों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

D.S. Paneri
Director
92146 88612

Sandeep,
Director
94142 45355

Kapil
Director
77377 07447

Sleepwell

Quality in Reasonable Price

All Kind of Home Furniture

शुभम् फर्नीचर प्लाजा व मानसी फर्निशिंग एंड डेकोर

An ISO 9001-2008 Certified Co.

Tekri Madri Main Road, Near 100 Fit Subcity Centre Road, Udaipur (Raj.)
E-mail: shubham.furnitureplaza@gmail.com

Raghu Mahal Hotels Pvt. Ltd.

FLAMES RESTAURANT

(Multi Cuisine)
(A Unit of Raghu Mahal Hotels Pvt. Ltd.)

Ph :- 0294-2425694 M.:- 09649466662

Spa-Beer Bar-Banquet Hall

93, Opp. M.B. College, Darshanpura, Airport Road,Udaipur (Raj.) Tel :- 0294-2425690-93
Email :- raghumahalhotels@gmail.com Website :- www.raghumahalhotels.com

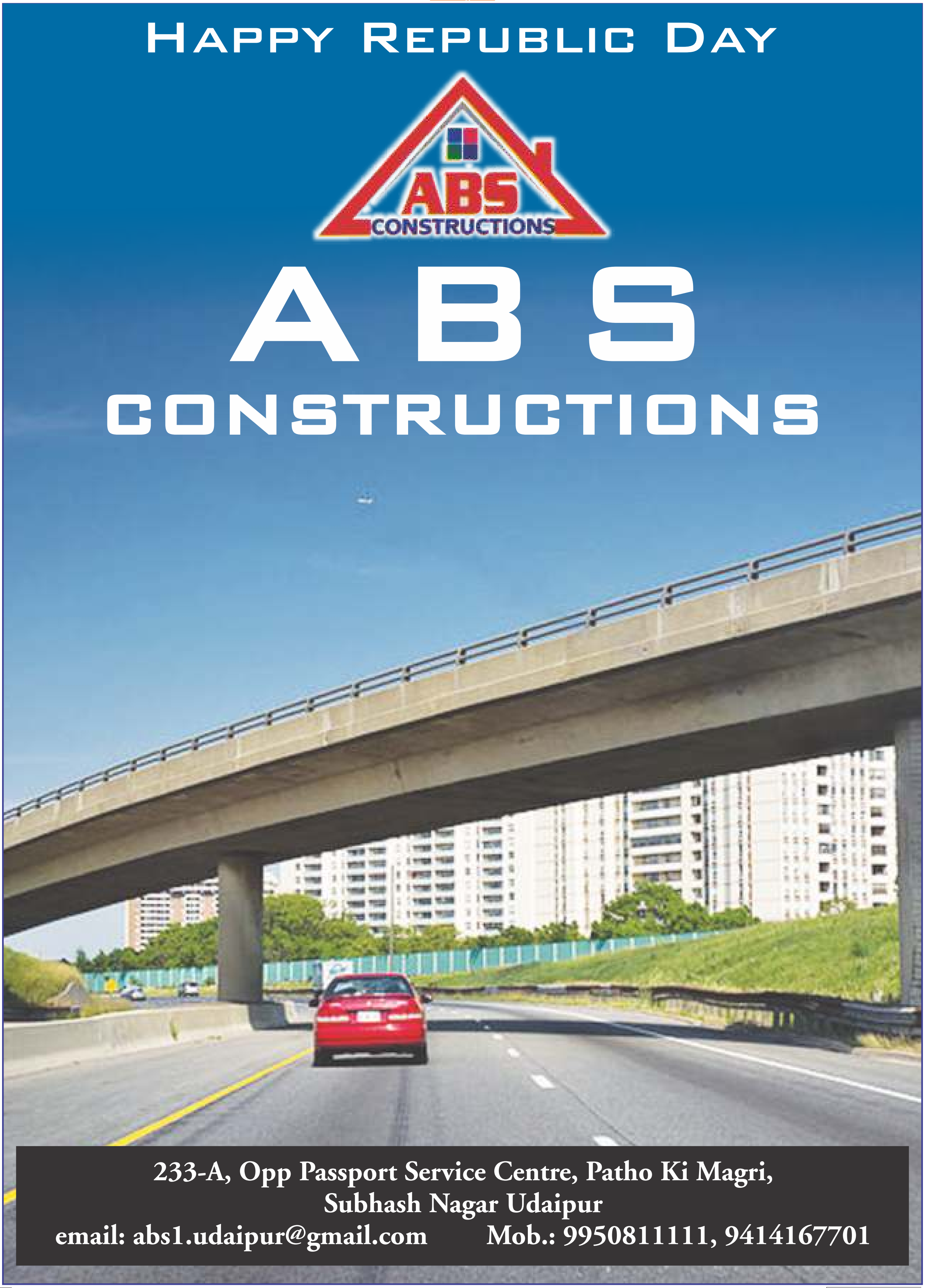
HAPPY REPUBLIC DAY
ABS CONSTRUCTIONS
A B S
CONSTRUCTIONS
233-A, Opp Passport Service Centre, Patho Ki Magri,
Subhash Nagar Udaipur
email: abs1.udaipur@gmail.com Mob.: 9950811111, 9414167701

vedanta
transforming for good
HINDUSTAN ZINC
Zinc & Silver of India
हिन्दुस्तान ज़िंक की ओर से
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
हिन्दुस्तान ज़िंक
भारत का गौरव।
विश्व में सर्वश्रेष्ठ
• हिन्दुस्तान ज़िंक में, हम केवल धातुओं का उत्पादन नहीं करते – हम संभावनाएं सृजित करते हैं
• लगातार दो वर्षों से, S&P ग्लोबल CSA में विश्व में नंबर 1*
• ईकोजेन का उत्पादन – एशिया का पहला कम कार्बन 'ग्रीन' ज़िंक
• स्वच्छ और उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला, ज़िंक और सिल्वर जैसी महत्वपूर्ण धातुओं का निर्माण
• हिन्दुस्तान ज़िंक एनर्जी ट्रांज़िशन के केंद्र में भारत का नेतृत्व कर विश्व को प्रेरित कर रहा हैं
*मेटल्स एंड माइनिंग सेक्टर में
Hindustan Zinc, Yashad Bhawan, Udaipur - 313 004, Rajasthan, India | +91 294-6604000-02 | CIN L27204RJ1966PLC001208 | www.hzlindia.com | infohzl@vedanta.co.in
https://www.linkedin.com/company/hindustanzinc/ https://www.facebook.com/HindustanZinc/ https://twitter.com/Hindustan_Zinc https://www.instagram.com/hindustanzinc

Inspired by Science

Creating Shared Value.

ENVISIONING INFINITE POSSIBILITIES.

A legacy of 75 years and a belief in science for sustainable development has paved the way for PI to rapidly evolve into an integrated Life Sciences company committed to its purpose of **Reimagining a healthier planet**.
PI has now grown to be one of the **fastest-growing AgChem** and amongst the **TOP 5 CSM companies** in the world.

AgChem

Fine Chemicals

Life Sciences

www.piindustries.com | info@piind.com

प्रकाशन की तिथि प्रत्येक माह की 23 तारीख वर्ष 22 अंक 10, Postal Registration No. RJ/UD/29-62/2024-26 Posting Date: 27th-28th of Every Month RNI No. RAJHIN/2003/9297 Posting Office: Chetak Circle, Udaipur

'प्रत्यूष' पत्रिका डिलिवर्ड न होने की स्थिति में इस पते पर लौटाएं: पंकज कुमार शर्मा, 2, रक्षाबंधन, मेहतों का पाड़ा, धानमण्डी, उदयपुर (राज.) 313 001